जनसुराज के तीन प्रत्याशियों ने नामांकन लिए वापस, प्रशांत ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया - 7

दिवाली पर 6.05 लाख करोड़ रुपये की हुई रिकॉर्ड बिक्री - 10

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए ट्रंप के प्रस्ताव से यूरोपीय देश सहमत नहीं - 11

पंत फिट, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम की कप्तानी करेंगे - 12

आज का मौसम

32.0⁰ अधिकतम तापमान

20.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.17

सूर्यास्त 05.36

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 08:17 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

बुधवार, 22 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 332, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

रेलवे ने देश में स्थापित किए 80 वार रूम

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में ट्रेनों के सुचारू परिचालन को सुनिश्चित करने और यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए देशभर में भारतीय रेलवे के 80 से अधिक वार रूम 24 घंटे काम कर रहे हैं। रेलवे बोर्ड की ओर से मंगलवार को जारी जानकारी के अनुसार मौजूदा समय में रेलवे बोर्ड से लेकर जोनल और डिविजनल स्तर तक 80 से अधिक वार रूम सक्रिय हैं। इन वार रूमों से देशभर में ट्रेनों की स्थिति, यात्रियों की संख्या और सुरक्षा गतिविधियों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। रेलवे ने कहा है कि त्योहारों के सीजन में ट्रेनों और स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में कई गुना वृद्धि हो गई है, ऐसे में ये वार रूम यात्रियों की सुविधा के लिए वारदान साबित हो रहे हैं।

नौसेना कमांडरों का सम्मेलन आज से

नई दिल्ली। नौसेना के शीर्ष कमांडर बुधवार से तीन दिन तक यहां भविष्य की चुनौतियों से निपटने और हिन्द महासागर तथा हिन्द प्रशांत क्षेत्र के खतरों से निपटने की रणनीति पर गहन चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कमांडरों को संबोधित करेंगे। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि नौसेना के शीर्ष कमांडरों के तीन दिन के सम्मेलन का दूसरा संस्करण बुधवार को यहां शुरू होगा। इस सम्मेलन को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुंबई में ऊंची इमारत में आग से चार की मौत

मुंबई। नवी मुंबई के वाशी इलाके में सोमवार देर रात एक 12 मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लग गई जिससे चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि यह घटना वाशी के सेक्टर 14 स्थित रहेजा रेजीडेंसी बिल्डिंग में हुई। नगर निगम अग्निशमन विभाग के अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और आठ दमकल गाड़ियों तथा लगभग 40 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मदद से आग पर काबू पाया।

गिलास में पटाखा फोड़ रहे युवक की मौत

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले की छिजारसी कॉलोनी में सोमवार रात को स्टील के गिलास में बम रखकर फोड़ने से घायल हुए 20 वर्षीय युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। नोएडा सेक्टर 63 थानाक्षेत्र की छिजारसी कॉलोनी में युवक स्टील के गिलास में बम रखकर फोड़ रहा था कि जोरदार धमाके से गिलास के चिथड़े उड़ गए और स्टील के टुकड़े उसके शरीर में कई जगह घुस गए।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए लिया अन्याय का बदला : प्रधानमंत्री

नागरिकों के नाम लिखे पत्र में मोदी ने कहा-मर्यादा का पालन भी किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दीपावली के अवसर पर देश के नागरिकों को एक पत्र लिखा और ऑपरेशन सिंदूर की सफलताओं और नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई पर प्रकाश डाला। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने धर्म और मर्यादा को कायम रखते हुए बेटियों के साथ हुए अन्याय का बदला लिया। साथ ही कहा कि जब दुनिया संकटों से घिरी हुई है तब ऐसे समय में भारत स्थिरता के प्रतीक के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री ने जीएसटी दरों को कम करने के निर्णय को अपनी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिक हजारों करोड़ रुपये बचा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी अपनाने, सभी भाषाओं का सम्मान करने, स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और योग को अपनाने का भी आग्रह किया।

मोदी ने स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसैन्य कर्मियों के साथ दिवाली मनाने के एक दिन बाद देशवासियों को लिखे एक पत्र में कहा कि ये सभी प्रयास हमें तेज़ी से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को ऊर्जा और उत्साह से भरे पावन पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद यह दूसरी दीपावली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम हमें मर्यादा का पालन करना सिखाते हैं और अन्याय से लड़ने का साहस भी देते हैं। इसका जीता जागता उदाहरण हमने कुछ महीने पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न केवल धर्म का पालन किया बल्कि अन्याय का बदला भी लिया। उन्होंने कहा कि यह दीपावली खास है क्योंकि पहली बार देश भर के कई जिलों में, जिनमें दूरदराज के इलाके भी शामिल हैं, दीप जलेंगे। उन्होंने कहा कि ये वे जिले हैं जहां नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद का जड़ से सफाया हो चुका है। हाल के दिनों में हमने कई लोगों को हिंसा का रास्ता छोड़कर, हमारे देश के संविधान में आस्था व्यक्त करते हुए विकास की मुख्यधारा में शामिल होते देखा है। यह राष्ट्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर देश

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के बीच, देश ने हाल के दिनों में अगली पीढ़ी के सुधारों की भी शुरुआत की है। मोदी ने कहा कि नवरात्र के पहले दिन जीएसटी की कम दरें लागू की गईं। इस जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिक हजारों करोड़ रुपये बचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेक संकटों से जूझ रही दुनिया में भारत स्थिरता और संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि नागरिकों की प्राथमिक जिम्मेदारी राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना है।

स्वदेशी अपनाएं, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को दें बढ़ावा

मोदी ने नागरिकों से स्वदेशी अपनाने और गर्व से यह बताने कि यह स्वदेशी है का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आइए हम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा दें। सभी भाषाओं का सम्मान करें। स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि आइए हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। आइए हम अपने भोजन में तेल का प्रयोग 10 प्रतिशत कम करें और योग को अपनाएं। ये सभी प्रयास हमें तेज़ी से विकसित भारत की ओर ले जाएंगे। कहा कि दीपावली हमें यह भी सिखाती है कि जब एक दीप दूसरे दीप को रौशन करता है तो उसकी रोशनी कम नहीं होती, बल्कि और बढ़ती है। इसी भावना के साथ आइए इस दीपावली हम समाज और आस-पास सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता के दीप जलाएं।

पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को सलाम

अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म : योगी

- मुख्यमंत्री ने कहा, शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य पूंजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

शहीद के परिजन को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को सलाम करते लोगों ने हुए कहा कि कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्र धर्म है। बोले, यह केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन नहीं, बल्कि उन आदर्शों को याद करने का क्षण है, जिन्होंने वर्दी की मर्यादा और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। शहीद स्मारक उनकी अमर गाथा का साक्षी है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी।

रिजर्व पुलिस लाइन सोमवार को उस समय देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठी, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस 2025 पर उत्तर प्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर तीन वीर सपूतों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था और अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है। आधुनिक संसाधनों, तकनीक और संवेदना के नए युग में यूपी पुलिस को लगातार सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष से 7 प्रतिशत अधिक है। 'शोक शस्त्र' और 'सलामी शस्त्र' की कार्यवाही के दौरान पूरा परिसर देशभक्ति के स्वर से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश की सबसे बड़ी, सबसे अनुशासित और सबसे सक्षम फोर्स है। यह हमारे सुरक्षा, विश्वास और व्यवस्था की रीढ़ है।

नारी शक्ति की झलक और शौर्य का सम्मान

कार्यक्रम का शुभारंभ परेड कमांडर द्वारा मुख्यमंत्री को सलामी देने से हुआ। नारी शक्ति की प्रतीक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक (अभिसूचना मुख्यालय) आभा पांडेय ने शोक पुस्तिका वाहक की भूमिका निभाई और मुख्यमंत्री को शहीदों की स्मृति पुस्तिका सौंपी। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीरगति प्राप्त जवानों के अदम्य साहस और समर्पण का विवरण प्रस्तुत किया।

नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के जेलर, 84 की उम्र में निधन

मुंबई, एजेंसी

- पांच दशकों से फिल्मों में सक्रिय थे मशहूर हास्य अभिनेता असरानी

फिल्म शोले में सनकी जेलर की भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले और हास्य भूमिकाओं के लिए दिग्गज अभिनेता असरानी का सोमवार को यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री मोदी सहित फिल्म जगत और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

पांच दशकों से अधिक समय तक कई फिल्मों में काम करने वाले गोवर्धन असरानी, जिन्हें असरानी के नाम से जाना जाता है, को शोले, नमक हराम और गुड्डी में उनके किरदारों के लिए याद किया जाता है। उनका निधन सोमवार को अपराह्न तीन बजे हुआ। चार दिन पहले उन्हें उपनगरीय जुहू स्थित भारतीय आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आज बंद हो जाएंगे गंगोत्री धाम के कपाट

देहरादून। चार धामों में से एक गंगोत्री धाम के कपाट बुधवार को बंद हो जाएंगे। मंदिर प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उत्तरकाशी जिला प्रशासन के अनुसार, बुधवार (22 अक्टूबर) को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होंगे।

कपाट बंद करने का शुभ मुहूर्त 11:36 बजे हैं। पूजा अर्चना के बाद मां गंगा की विग्रह डोली भोगमूर्ति शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना होगी। रात को डोली मुखबा गांव से करीब दो किमी पहले मार्कण्डेय मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी। इसके बाद 23 अक्टूबर की दोपहर मुखबा गांव पहुंचेगी जहां भोगमूर्ति को मंदिर में स्थापित किया जाएगा।

धर्मांतरण में पादरी समेत 3 गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को रुपयों का लालच देकर बनाते थे निशाना
- मकान में रविवार को बीमारों को विशेष प्रार्थना कराने के साथ करते थे ब्रेनवास

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र की सुपर सिटी कॉलोनी के मकान में धर्मांतरण का खेल चल रहा था। वहां पर गरीब परिवार की महिलाओं और बच्चों को आर्थिक सहायता का लालच देकर उनका धर्मांतरण कराने की तैयारी थी। हालांकि, आरोपी अपने मकसद में कामयाब होते कि पुलिस ने रविवार को पादरी समेत तीन को गिरफ्तार कर लिया।

तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुपर सिटी निवासी पादरी सुमित मैसी, अमित मैसी उर्फ अक्षय और सनराइज निवासी सत्यपाल के रूप में हुई।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि सुभाषनगर निवासी ऋषभ ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनके दोस्त निर्दोष राठौर ने उन्हें जानकारी दी कि इसाई मिशनरी से जुड़े कुछ लोग सुपर सिटी में किराये का मकान लेकर रह रहे हैं। साथ ही वहां पर भोले-भाले व गरीब महिलाओं और बच्चों को प्रलोभन देकर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे हैं। रविवार को विशेष प्रार्थना के नाम पर कई महिलाएं व बच्चों को इसाई धर्म के ग्रन्थों के बारे में बताया जा रहा था।

बीमारों को ठीक करने का भी आश्वासन देकर बुलाया गया था। इसके साथ ही सभी को रुपये बांटने का भी प्रलोभन दिया गया। इस पर वह दोस्तों के साथ संबंधित मकान पर पहुंचे तो वहां पर पादरी ने बताया कि दीक्षा देकर इसाई बनाया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

आरपीजी और लॉन्चर के साथ दो गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में, एक आतंकवादी गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक टैंक रोधी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) और लांचर बरामद किया है।

डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान अमृतसर के वडाली निवासी महकदीप सिंह उर्फ महक और अमृतसर के भागा छीना गांव निवासी आदित्य उर्फ अधी के रूप में हुई है। यादव ने बताया कि आरोपी पाकिस्तान की आईएसआई के उस एजेंट के संपर्क में थे जिसने सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए यह खेप भेजी थी।

मथुरा में मालगाड़ी के12 वैगन बेपटरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोटा रेलमार्ग पर ट्रेन संचालन बाधित
- वृंदावन रोड-आइई स्टेशन के बीच शाम 8:24 बजे हुआ हादसा

उत्तर प्रदेश में मथुरा के निकट मंगलवार रात एक मालगाड़ी डिरेल हो गई, उसके 12 वैगन पटरी से उतर गए, जिससे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। मालगाड़ी के डिरेल होने की जानकारी मिलने पर रेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेल अधिकारियों के साथ जीआरपी-आरपीएफ के जवान भी मौके पर पहुंचे। बेपटरी हुए वैगनों में कोयला लदा हुआ था जो हादसे के बाद पटरियों पर बिखर गए। अधिकारियों ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य आरंभ कर दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि घटना आगरा रेल मंडल के मथुरा-पलवल खंड के अंतर्गत आने वाले वृंदावन रोड स्टेशन और आइई स्टेशन के बीच रात 8:24 बजे के करीब हुई, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं, जिससे डाउन मेन लाइन, अप मेन लाइन और तीसरी लाइन बाधित हुई है। ट्रेन के चालक दल के किसी भी सदस्य के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि इन अवरोधों के चलते दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोटा मार्ग पर विभिन्न ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। हादसा इतना जबर्दस्त था कि मालगाड़ी के वैगन आड़े-तिरछे हो गए। कुछ के एक्सल भी टूटकर अलग हो गए।

दर्जन भर ट्रेनों को जहां-तहां रोका गया

कोयले से लदी मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतरने के कारण अप और डाउन ट्रैक पर यातायात बाधित हो गया। एक दर्जन ट्रेनों को जहां का तहां रोक दिया गया। आगरा कैंट स्टेशन से दुर्घटना राहत ट्रेन के साथ रेलवे के अधिकारी मौके पर रवाना हो गए।

पटाखों से बढ़ा प्रदूषण

दिवाली पर गंभीर श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई, जहरीली धुंध की चादर के चलते कम हो गई राजधानी में दृश्यता

दिल्ली में चार सालों में सबसे खराब रही वायु गुणवत्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के लिए एंटी-स्मॉग गन से पानी का छिड़काव।

दिल्ली में बीती रात बहुत से लोगों ने दिवाली पर उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्धारित समयसीमा से ज्यादा समय तक पटाखे चलाए जिसकी वजह से मंगलवार सुबह आसमान में धुंध छाई रही, दृश्यता कम हो गई और वायु गुणवत्ता रेड जोन में रही।

दिल्ली में दिवाली के दिन वायु गुणवत्ता चार साल में सबसे खराब रही तथा रात में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा और सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) की सांद्रता 675 पर पहुंच गई, जो 2021 के बाद से अब तक का उच्चतम स्तर है। भाजपा सरकार ने इसके लिए पटाखों के बजाय (आप) शासित पंजाब में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण ब्यूरो (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह आठ बजे 352 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। सुबह पांच बजे यह 346, सुबह छह बजे 347 और सुबह सात बजे 351 दर्ज किया गया। उच्चतम न्यायालय ने दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर में रात आठ से 10 बजे के बीच हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। हालांकि, कई लोगों ने निर्देशों का उल्लंघन किया और देर रात तक जश्न जारी रहा। सीपीसीबी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई रात 12 बजे 349 और एक बजे 348 था। 38 निगरानी केंद्रों में से 36 ने प्रदूषण का स्तर रेड जोन में दर्ज किया।

सुप्रीम कोर्ट निर्देशों के उल्लंघन पर 150 प्राथमिकी

दिल्ली पुलिस ने पटाखे फोड़ने के संबंध में उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर 100 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, अवैध तरीके से पटाखों की बिक्री में करीब 50 मामले दर्ज किए गए हैं। उच्चतम न्यायालय ने पटाखे फोड़ने के लिए सुबह 6 बजे से 7 बजे तक तथा रात 8 बजे से 10 बजे तक की अनुमति दी थी।

कोलकाता और मुंबई की वायु गुणवत्ता भी खराब

दीपावली के बाद कोलकाता और मुंबई में हवा की गुणवत्ता भी खराब हुई है। कोलकाता में सोमवार रात काली पूजा के अवसर पर आतिशबाजी के बाद मंगलवार को वायु गुणवत्ता 'खराब' रही। मुंबई में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भारी गिरावट आई और मंगलवार को यह खराब श्रेणी में पहुंच गया।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

दीपावली पर बिजली की खपत का बना रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दीपावली के अवसर पर उत्तर प्रदेश ने बिजली खपत का अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड बना दिया। राज्य में रविवार की रात कुल 149 मिलियन यूनिट (1.49 करोड़ यूनिट) बिजली की आपूर्ति की गई।

यह ऊर्जा खपत के नए शिखर को दर्शाती है। यह पहली बार है जब प्रदेश में एक ही दिन इतनी अधिक बिजली की खपत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दीपावली

● 149 मिलियन यूनिट की कोई बिजली आपूर्ति

की जगमगाहट ने बिजली की मांग को चरम पर पहुँचा दिया। इस दौरान राज्य में बिजली आपूर्ति की अधिकतम मांग 31,230 मेगावॉट तक पहुंची, जिसे ऊर्जा निगमों ने बिना किसी बड़े व्यवधान के पूरा किया। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष मॉनिटरिंग की गई। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर और नोएडा जैसे बड़े शहरों में बिजली खपत में सर्वाधिक उछाल दर्ज किया गया। बिजली निगम के अफसरों ने बताया कि पिछले वर्ष दीपावली पर लगभग 141 मिलियन यूनिट की खपत हुई थी। यह आंकड़ा आठ मिलियन यूनिट अधिक रहा। निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए अग्रिम तैयारी, पर्याप्त उत्पादन और बैकअप व्यवस्था को सफलता का प्रमुख कारण माना गया।

किराना दुकान में आग से डेढ़ वर्षीय बच्चे की मौत, पिता गंभीर

बलरामपुर, अमृत विचार: दीपावली की शाम स्टेशन रोड स्थित एक किराना दुकान में दीपक से लगी आग ने खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे में दुकान पर बैठे पिता-पुत्र झुलस गए। इलाज के दौरान डेढ़ वर्षीय बालक सुभान की मौत हो गई, जबकि उसके पिता जाकिर (30) का उपचार बहराइच में चल रहा है। आग से लगभग चार लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, पचपेड़वा नगर के स्टेशन मोड़ चौराहे पर रमजान की किराना दुकान में मंगलवार शाम करीब सात बजे दीपक से आग लग गई। दुकान के मालिक रमजान ने बताया कि वह किसी काम से बाहर गए थे। दीपावली के अवसर पर मकान मालिक शिवकुमार ने करीब साढ़े छह बजे दीपक जलाया था। उसी दीपक से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

उत्सव

प्रयागराज में मंगलवार 21 अक्टूबर को काली पूजा उत्सव के दौरान देवी काली के रूप में सजी एक कलाकार एक धार्मिक जुलूस में भाग लेती हुई। ● एजेंसी

आपदा में हर अन्नदाता के साथ खड़ी है सरकार

योगी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज वाले वाहनों को किया रवाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास से पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए 1000 क्विंटल गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम किसी जरूरतमंद या आपदा पीड़ित की सहायता के लिए खड़े हों। इसी भावना के साथ उत्तर प्रदेश सरकार आज पंजाब के अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार हर संकट की घड़ी में नागरिकों के साथ है, चाहे वह राहत सामग्री हो, आर्थिक सहयोग या पुनर्वास का प्रयास। मुख्यमंत्री ने बताया कि अतिवृष्टि से प्रभावित पंजाब के किसानों की मदद के लिए भेजा गया यह गेहूं बीज बीबी-327 प्रजाति का है, जिसे 'करण शिवानी' के नाम से जाना जाता है। यह रोग-प्रतिरोधी, पोषणयुक्त और बायो-फोर्टीफाइड बीज है, जो केवल 155 दिनों में तैयार होकर प्रति हेक्टेयर 80 क्विंटल तक की उपज देने में सक्षम है।

मंगलवार को अपने आवास से पंजाब में बाढ़ विभिषिका से प्रभावित कृषकों के लिए बीज सहायता वाले वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगी ने कहा कि यह बीज पंजाब के किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर जाएगा और उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की दक्षता का भी प्रमाण बनेगा। उन्होंने बताया कि निगम आज 148 करोड़ रुपये के लाभांश पर कार्यरत है और मात्र एक वर्ष में 37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। सीएम योगी ने कहा कि पंजाब देश का ऐसा राज्य है, जिसने स्वतंत्र भारत में कृषि आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। परंतु इस बार आई बाढ़ ने किसानों के बीज भंडार तक को नष्ट कर दिया, जिससे आगामी फसलों पर संकट मंडरा रहा है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार राहत और सहयोग की भावना से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में भी पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ के समय यूपी सरकार ने राहत सामग्री और वित्तीय सहयोग भेजा था।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बहुत शीघ्र ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति में "सीड पार्क" की स्थापना की जाएगी, जिसकी सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा राज्य के पांच अन्य स्थानों पर भी नए सीड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज समय पर मिलने से किसानों की लागत घटती है और उत्पादन में 30 से 50 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की कुल कृषि योग्य भूमि का मात्र 11 प्रतिशत हिस्सा रखता है, लेकिन खाद्यान्न उत्पादन में उसका योगदान 21 प्रतिशत है, यह प्रदेश के मेहनती किसानों और नीतिगत दक्षता का प्रमाण है। इस अवसर पर योगी ने सिख परंपरा के षष्टम गुरु, श्री गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके जीवन से सेवा, त्याग और सहयोग की प्रेरणा मिलती है।

दीपावली और गुरु जयंती की इस बेला में पंजाब के सभी अन्नदाता किसानों के प्रति उन्होंने शुभकामनाएं व्यक्त कीं और कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, संवेदना और एकता का संदेश लेकर आए।कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, बीज निगम उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार और प्रमुख सचिव संजय प्रसाद समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार की संवेदनशील पहल

पंजाब में बाढ़ से फसलें और बीज भंडार नष्ट होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्वरित निर्णय लेकर 1000 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले गेहूं बीज निशुल्क भेजने का आदेश दिया। यह निर्णय पंजाब के कृषि मंत्री द्वारा हाल ही में दिल्ली में बताए गए हालात के बाद लिया गया। यह न केवल किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और दूरदृष्टि का उदाहरण है, बल्कि राज्यों के बीच सहयोग और मानवीय एकजुटता की मिसाल भी पेश करता है।

कर्मचारियों को दिया कम बोनस तो टोल से मुफ्त में निकाले वाहन

आगरा,एजेंसी

इस बार दिवाली पर कर्मचारियों को कम बोनस मिला तो कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। इसका नतीजा यह हुआ कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर फतेहाबाद टोल बूथ से हजारों वाहन बिना टोल टैक्स दिए निकल गए। असंतुष्ट कर्मचारियों ने टोल के सभी गेट खोल दिए थे। कंपनियों की हड़ताल की वजह से टोल कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ। विरोध प्रदर्शन के कारण सामान्य टोल संचालन और यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम की और अधिकारियों और कर्मचारी की आपस में वार्ता कराई। टोल अधिकारियों ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया गया तब कहीं जाकर

खाली पड़ा टोल प्लाटा।

दो घंटे बाद फतेहाबाद टोल टैक्स पर कर्मचारियों ने काम शुरू किया। टोल के सीनियर अधिकारियों ने कर्मचारियों की 10 प्रतिशत वेतन बढ़ाने का आश्वासन दिया।

फतेहाबाद टोल प्लाजा की जिम्मेदारी श्री साइन एंड दातार कंपनी के पास है। कंपनी ने मार्च 2025 से टोल प्लाजा का ठेका लिया है। टोल पर 21 कर्मचारी कार्यरत हैं जिन्हें दीपावली पर सिर्फ 1100 का बोनस दिया गया था।

सिपाही की मौत मामले में अधिकारी की तहरीर पर रिपोर्ट

सुलतानपुर, अमृत विचार: देहात कोतवाली क्षेत्र के अयोध्या–प्रयागराज मार्ग पर बीते शुक्रवार की रात हुए सड़क हादसे में सेल टैक्स उड़नदस्ता में तैनात सिपाही हरेंद्र प्रताप यादव की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

राज्य कर अधिकारी सोनम राय की तहरीर पर पुलिस ने दुर्घटना करने वाले मैजिक वाहन चालक के खिलाफ मामला पंजीकृत किया है। शुक्रवार देर रात राज्य कर अधिकारी सुलतानपुर सोनम राय सचल दल के साथ सरकारी वाहन से खुशहालपुर उतुरी गांव के पास चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान उनकी टीम के साथ ड्यूटी कर रहे सिपाही हरेंद्र प्रताप यादव (46) पुत्र मनोज यादव, निवासी वीरपुर मिश्र, थाना खुखुन्दू, जिला देवरिया, को एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी। प्रतापगंज चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार घटना की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और सहयोगी पुलिस कर्मियों की मदद से घायल सिपाही को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद शनिवार को परिजनों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर राज्य कर अधिकारी सोनम राय पर लापरवाही और संवेदनहीनता के आरोप लगाए थे।

अनियंत्रित वाहन के पेड़ से टकराने पर दो लोगों की मौत

कुशीनगर, एजेंसी: जिले में सोमवार देर रात तेज रफ्तार एक अनियंत्रित जीप के पेड़ से टकराने की दुर्घटना में वाहन में सवार दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गये।

पुलिस ने बताया कि तुर्कपट्टी थानाक्षेत्र के सपही बुजुर्ग गांव के रहने वाले झगरु शर्मा, उमेश शर्मा, कृष्णा शर्मा और राहुल गौंड सोमवार देर शाम एक अन्य व्यक्ति को गोरखपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराने के लिए निकले थे। पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद चारों लोग जीप से घर लौट रहे थे कि तभी करीब साढ़े तीन बजे थरुआडीह के पास उनका वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराया। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में उमेश शर्मा (55) व झगरू शर्मा (45) की मौके पर ही मौत हो गई।

न्यूज ब्रीफ

सर्राफा दुकान की दीवार काटकर उड़ाए लाखों के जेवरात

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर गांव में चोरों ने सोमवार की रात एक सर्राफा दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों के सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। किशुनदासपुर गांव निवासी ओमप्रकाश सोनी पुत्र राम अचल सोनी ने मंगलवार को थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि उनकी सोने-चांदी के जेवर और बर्तन की दुकान किशुनदासपुर चौराहे पर स्थित है। सोमवार की रात करीब 11 बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वे करीब 8 बजे दुकान पर पहुंचे तो देखा कि पीछे की दीवार काटकर चोरों ने दुकान में घुसकर करीब चालीस लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और चांदी के बर्तन चोरी कर लिए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

सुलतानपुर, अमृत विचार : देहात कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत झलियावा, अभियाकला निवासी सूरज कुमार (25) पुत्र राजेंद्र प्रसाद उर्फ कुट्टे की दीपावली की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव कमरे में पंखे के सहारे फांसी के फंदे से लटका पाया गया। घटना से परिवार में मातम पसर गया और दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को सूरज अपनी पत्नी इंदु और दोनों बेटों अर्पित (3 वर्ष) व हर्षित (डेढ़ वर्ष) के साथ बिकवाजीतपुर का मेला देखने गया था।

पशु चराने गए बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

सुलतानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के खानपुर पिलाई गांव में मंगलवार को पशु चराने गए एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजनों ने शव को अखण्डनगर चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गांव निवासी 70 वर्षीय उमाशंकर दूबे मंगलवार दोपहर पशुओं को चराने गए थे। इसी दौरान उन्हें अज्ञात कारणों से कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। घायल अवस्था में परिजन उन्हें सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टर विवेक वर्मा ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

साइबर अपराध को अंजाम देने वाले सात सदस्य गिरफ्तार

भदोही, एजेंसी : पुलिस ने चीन और हांगकांग के साइबर अपराधियों से डेटा साझा कर भारत के कई राज्यों में साइबर अपराधों को अंजाम देने वाले एक गिरोह के सात सदस्यों को मंगलवार को गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार किये गए इन आरोपियों के खिलाफ 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं और ये गिरोह 700 बैंक खाते संचालित कर रहे थे। बताया कि साइबर अपराध के शिकार हुए ये व्यक्ति तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान और बिहार के हैं। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से बरामद किये गये 10 मोबाइलों में साइबर अपराध से संबंधित एपीके फाइल आदि मिले हैं।

यमुना किनारे बने ताज व्यू पॉइंट से ताजमहल धुंधला दिखाई दे रहा था

प्रदूषण, धूल की चादर में लिपटा ताजमहल

आगरा, एजेंसी

दीपावली के अगले दिन मंगलवार सुबह प्रदूषण और धूल की वजह से ताजमहल परिसर में दृश्यता स्तर कम हो गया। यमुना किनारे बने ताज व्यू पॉइंट से ताजमहल धुंधला दिखाई दे रहा था जबकि सुबह के वक्त ताजमहल धवल और चमकता हुआ दिखाई देता है।

स्थानीय निवासी सुबह सुबह टहलने निकले तो ताजमहल आम दिनों की तरह दिखाई नहीं दे रहा था बल्कि धूल में लिपटा हुआ दिखाई दे रहा था। जो पर्यटक सुबह के वक्त ताजमहल की खूबसूरती देखने के लिए

धुंध की आगोश में ताजमहल।

आते हैं वो भी निराश थे। देश-दुनिया से बड़ी तादात में यमुना के किनारे ताज व्यू प्वाइंट से पर्यटक ताजमहल देखने पहुंचते हैं। दरअसल सूरज की पहली किरण ताजमहल पर पड़ती है तो ताजमहल और भी ज्यादा खूबसूरत लगता है। सूरज की लालिमा किरणों से सफेद संगमरमर के साथ साथ ताजमहल पर लाल छवि का नजारा देखने को मिलता है। सुबह ऐसा नजारा सूर्योदय होने के बाद थोड़े से वक्त के लिए होता है। यमुना किनारे बने ताज व्यू प्वाइंट से सुबह के वक्त ताजमहल का देखना बेहद रोमांचकारी होती है। पर्यटक इसी उम्मीद से बड़ी तादात में पहुंचते हैं कि यमुना का किनारे बैठा जाएगा और ताजमहल को निहारा जाएगा। ताज व्यू प्वाइंट से पर्यटक निराश हो कर लौट गए। रात भर चले पटाखों की वजह से सुबह के वक्त प्रदूषण की मार देखने मिली। आगरा में वायु प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई) 144 दर्ज किया गया जो जिसको खराब स्थिति माना जाता है। अभी कुछ और दिन इसी तरह का वातावरण रहने की आशंका जाहिर की जा रही है।

अदम्य साहस और बलिदान के प्रतीक बने तीन वीर पुलिसकर्मी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच कर्तव्य पालन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस के तीन वीर सपूत निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह और आरक्षी सौरभ कुमार ने अपने प्राणों की आहुति देकर पुलिस बल का मस्तक ऊंचा किया।

20 जनवरी 2025 को एक लाख के इनामी अपराधी की तलाश में ऑपरेशन के दौरान गोलियों की बौछार झेलते हुए वीरता से मोर्चा संभाला। 22 जनवरी को वीरगति प्राप्त की। **निरीक्षक सुनील कुमार (एसटीएफ)**

25 मई 2025 को वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के दौरान फायरिंग के बीच डटे रहे। सिर में गोली लगने के बावजूद अंतिम सांस तक कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए। **आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्धनगर)**

17 मई 2025 को गो-तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन से कुचले जाने पर शहीद हुए। **मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर)**

मेरठ में भाजपा नेता ने युवक से सड़क पर रगड़वाई नाक, वीडियो वायरल

तेजगढ़ी इलाके में हुई थी घटना, पुलिस ने भाजपा नेता को गिरफ्तार किया

मेरठ, एजेंसी

जिले में दो युवकों से अभद्रता करने और एक युवक से सड़क पर नाक रगड़वाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 19 अक्टूबर की रात मेडिकल थानाक्षेत्र के तेजगढ़ी इलाके में हुई थी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विकुल चपराणा अपने साथियों के साथ मिलकर दो युवकों को धमकाते और उनकी कार के शीशे तोड़ते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में एक युवक हाथ जोड़कर माफी मांगता और सड़क पर सिर झुकाकर नाक रगड़ता दिखाई दे रहा है जबकि एक अन्य युवक

सड़क पर नाक रगड़ता युवक।

उसे गालियां दे रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना ऊर्जा मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर के दफ्तर के नीचे पार्किंग विवाद के दौरान हुई। घटना के समय पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद थे लेकिन उन्होंने आरोपियों को रोकने का प्रयास नहीं किया। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद मामले पर संज्ञान लिया गया और जांच में सामने आया कि दोनों पक्षों में पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था।

उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी विकुल चपराणा को गिरफ्तार कर लिया गया। मेडिकल थाना प्रभारी शीलेष कुमार के अनुसार, शिकायत पीड़ित युवक सत्यम रस्तोगी के भाई आदित्य रस्तोगी ने दर्ज कराई थी और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।इस घटना के बाद विपक्षी दलों ने भाजपा पर निशाना साधा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर कहा कि भाजपाई सत्ता के अहंकार में चूर होकर किसी को भी अपमानित करने से नहीं चूकते हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने स्थानीय मीडिया से कहा कि उनका इस विवाद से कोई संबंध नहीं है। भाजपा जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा ने बताया कि वीडियो हमारे संज्ञान में आया है, पार्टी इस तरह के व्यवहार को स्वीकार नहीं करती।

कार्रवाई नहीं हुई तो होगा धरना प्रदर्शन:ममता सिंघल

मेरठ। अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता सिंघल ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए कहा कि समाज के लोगों से दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मेरठ में सभा बुलाते हुए बुधवार को निर्णय लेने की बात कही। ममता सिंघल ने कहा कि हम पूरी तरह से पीड़ित परिवार के साथ है। अब माफी से काम नहीं चलेगा, हमें कार्रवाई चाहिए। पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो संगठन मेरठ में धरना प्रदर्शन और जरूरत पड़ी तो कड़ा निर्णय भी ले सकते हैं। इस मामले में भाजपा को भी उक्त नेता को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए।

मेरठ के नशा मुक्ति केंद्र में युवक की मौत परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मेरठ, एजेंसी

जिले में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की मौत के सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, सोमवार को मृतक के परिजनों ने केंद्र संचालक और कर्मचारियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) विपिन ताड़ा ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय फहमीद को 15 अक्टूबर को परिजनों ने गंगानगर क्षेत्र स्थित 'सेवा नशा मुक्ति केंद्र' में इलाज के लिए भर्ती कराया था। पुलिस के मुताबिक, सोमवार तड़के केंद्र की ओर से सूचना दी गई कि फहमीद ने फंदे लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने आत्महत्या की बात से इनकार करते हुए केंद्र के संचालक और कर्मचारियों पर हत्या का आरोप लगाया। मृतक के भतीजे शाहरुख ने दावा किया कि फहमीद के शरीर पर चोटों के निशान थे और उसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। परिजनों ने आरोप लगाया कि केंद्र में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है और उचित निगरानी नहीं होती। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में नशा मुक्ति केंद्र व्यवस्थापक समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें फहमीद के पैर बांधे गए हैं और उसके आसपास कुछ लोग मौजूद हैं। वीडियो की भी जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कुमाऊं में दो दिन मनाया गया दीपावली का पर्व

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं में इस बार दिवाली का त्योहार दो दिन मनाया गया। मैदानी क्षेत्रों में दीपावली का पर्व 20 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया गया, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में में दिवाली 21 अक्टूबर को मनाई गई। शहर में जहां पहले ही दिन बाजारों में रौनक रही, घर-घर में दीप जलाए गए और पटाखों की गूंज सुनाई दी, वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में एक दिन बाद घरों में दीपक जलाए गए और देवी लक्ष्मी की पूजा की गई।

महालक्ष्मी के स्वागत के लिए लोगों ने अपने घरों और मंदिरों को दुल्हन की तरह सजाया। शुभ मुहूर्त में लोगों ने घरों में मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा की। लोगों ने रंगोली बनाकर समृद्धि की देवी का स्वागत किया। कुमाऊं की विशिष्ट परंपरा के तहत, पर्वतीय क्षेत्रों के साथ ही घरों में गन्ने के तनों से महालक्ष्मी की मूर्तियां बनाई गईं। इन मूर्तियों को खील-खिलौनों और विभिन्न प्रकार की मिठाइयों के बीच श्रद्धापूर्वक विराजमान किया गया। महालक्ष्मी की पूजा के लिए मिट्टी

हल्द्वानी में एक घर में सजाई गई रंगोली।

से बनी भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की मूर्तियां खूब खरीदी गईं। दिवाली पर्व पर बच्चों और बड़ों ने जमकर आतिशबाजी की और लोगों ने एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। ज्योतिष अशोक वार्ष्णेय ने बताया कि मंगलवार (21 अक्टूबर) को शाम 5 बजकर 15 मिनट तक घरों में महालक्ष्मी की पूजा संपन्न की गई।

दो अलग-अलग दिनों में पर्व मनाए जाने के कारण, व्यापारियों को भी इस बार अच्छा कारोबार करने का मौका मिला। शहर और कस्बों के बाजारों में दोनों ही दिन खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने जमकर मिठाइयों, कपड़ों, पूजन सामग्री और सजावट के सामान की खरीदारी की।

हिमालय दर्शन को कौसानी पहुंच रहे लोग

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जनपद में इन दिनों मौसम साफ है। जिससे जनपद के विभिन्न स्थानों से चारों ओर से हिमालय की बर्फीली चोटियाँ दूर तक चमकती नजर आ रही हैं। विशेष रूप से कौसानी और जौलकांडे व रैखोली क्षेत्र से हिमालय का नजारा अद्भुत दिखाई दे रहा है। सुबह की पहली किरणें जब इन चोटियों पर पड़ती हैं, तो पूरा पर्वत श्रृंखला स्वर्णिम आभा से जगमगा उठती है।

यह दृश्य स्थानीय निवासियों और पर्यटकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर देता है। बाजार के कई पर्वत प्रेमी लोग सूर्योदय व सूर्यास्त देखने के लिए जौलकांडे पहुंच रहे हैं तो बाहरी पर्यटक कौसानी पहुंच रहे हैं। बरसात के बाद जनपद के कई दूरस्थ मार्ग अब भी हालांकि खस्ताहाल हैं परंतु मौसम साफ हो गया है। सुबह व सायं ठंड

कौसानी से लिया गया सूर्योदय का दृश्य। ● विपिन उप्रेती

का अहसास हो रहा है तो दिन में तेज धूप लग रही है। इन दिनों मौसम साफ होने के कारण हिमालय की चोटियां आकर्षित कर रही हैं। जौलकांडे से हिमालय के विभिन्न पर्वत दिख रहे हैं जिन्हें देखने के लिए लोग यहां पहुंच रहे हैं। वहीं कौसानी व रैखोली से भी हिमालय के दर्शन लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। कौसानी क्षेत्र में दीपावली के चलते पर्यटक व स्थानीय घूमक्कड़ सुबह-सुबह इन स्थलों पर पहुंचकर प्रकृति की इस अद्भुत सौगात का आनंद ले रहे हैं। जनपद की इन ऊँचाइयों से हिमालय की विस्तृत रेंज का जो दृश्य दिखाई देता है, वह पूरे बागेश्वर की प्राकृतिक सुंदरता का जीवंत प्रतीक बन गया है।

नैनीताल में पर्यटकों के लिए लागू होगी फास्ट ट्रैक भुगतान व्यवस्था

नैनीताल, अमृत विचार : अब सरोवर नगरी आने वाले पर्यटकों को शहर में प्रवेश के लिए लंबी लाइनों में खड़े होकर शुल्क चुकाने की आवश्यकता नहीं होगी। नगर पालिका ने पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई पहल की है, जिसके तहत अब पर्यटक फास्ट ट्रैक मोड से प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान कर सकेंगे। नगर पालिका ने शहर के प्रमुख बैंकों से करार कर यह सुविधा शुरू की है। अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पर्यटन सीजन में शहर के तीनों चुंगियों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती थीं जिससे पर्यटकों को परेशानी होती थी। इससे जाम की स्थिति भी उत्पन्न होती थी। साथ ही कर्मचारियों को कैश एकत्र करने पर्यटकों से खुले पैसे लेने देने में दिक्कतों के चलते परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ऐसे में ऑनलाइन(फास्ट ट्रैक) भुगतान से न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में मदद मिलेगी बल्कि पर्यटकों का समय भी बचेगा। बताया कि इसके लिए एक क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली विकसित की जा रही है, जिसे आने वाले दिनों में सार्वजनिक किया जाएगा।

शिकोहाबाद में पेट्रोल पंप स्वामी लापता पुलिस जांच में जुटी

फिरोजाबाद, एजेंसी: फिरोजाबाद के शिकोहाबाद नगर में मंगलवार को मॉर्निंग वॉक पर निकले पेट्रोल पंप संचालक के लापता होने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर लापता पेट्रोल पंप मालिक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शिकोहाबाद निवासी जीवेन्द्र सिंह (62) मॉर्निंग वॉक के लिये निकले थे लेकिन देर रात तक वापस घर नहीं लौटे।

परिजनों ने पुलिस में जीवेन्द्र सिंह की लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लापता जीवैन्द्र सिंह का एक पेट्रोल पंप है तथा बेकरी का भी व्यवसाय है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनुज कुमार चौधरी ने बताया कि शिकोहाबाद के व्यवसायी जीवेन्द्र सिंह घर से सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे।

सभी पुलिस कर्मियों को मिलेगा विशेष रजत जयंती पदक : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस स्मृति दिवस पर मंगलवार को पुलिस लाइन में हुए कार्यक्रम में शहीद पुलिस एवं अर्द्ध सैन्यबल कर्मियों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया।

राज्य स्थापना के 25 वर्ष होने के अवसर पर उन्होंने पुलिस कर्मियों को एक विशेष रजत जयंती पदक देने, आगामी 3 वर्षों में पुलिस कर्मियों के आवासीय भवनों के निर्माण को प्रतिवर्ष 100 करोड़ देने, पुलिस कल्याण निधि की प्रावधानित ढाई करोड़ की धनराशि को पुनरीक्षित कर एक वर्ष के लिए साढ़े चार करोड़ करने और भवाली, नैनीताल, ढालमल्ला, कांडा, बागेश्वर, नैनीडांडा, धूमाकोट, पौड़ी, घनसाली, टिहरी, सतपुली और पौड़ी में एसडीआरएफ के जवानों के लिए 5 बैरकों के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस और अर्द्ध सैनिक बलों पर है। इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए बीते एक वर्ष में संपूर्ण भारत में 186 अर्द्धसैनिक और पुलिस कर्मियों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड पुलिस के 4 वीर सपूत भी शामिल हैं। सभी वीर बलिदानी राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद हैं, उनका बलिदान सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। कहा कि राज्य सरकार पुलिस व्यवस्था को और भी अधिक सक्षम बनाने के लिए काम कर रही है। थानों में महिला हेल्प डेस्क के अंतर्गत क्यूआरटी गठित की है। पुलिस भवनों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये दिए हैं। पुलिस कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा दी जा रही है।

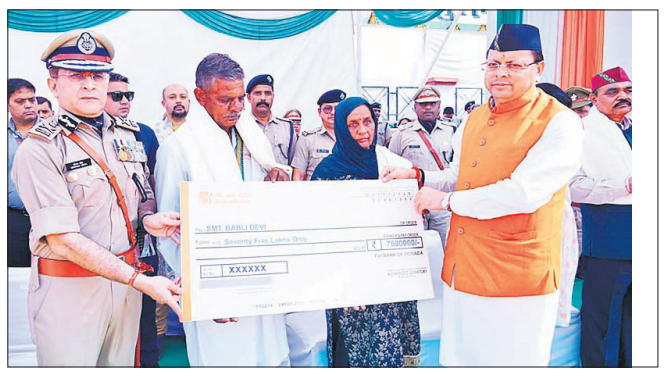

पुलिस लाइन में शहीदों के परिजनों को चेक सौंपते मुख्यमंत्री और डीजीपी दीपम सेठ।

- **मुख्यमंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस पर राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में की घोषणा**

हासिल करनी होगी तकनीकी दक्षता

सीएम ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से कहा कि निचले कर्मियों के लिए समय-समय पर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए कार्यक्रम करने चाहिए। वर्तमान में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती है। एआई के आने के बाद पुलिस को इस दिशा में अधिक सजग रहना होगा। पुलिस को तकनीकी ज्ञान में दक्ष होना जरूरी है। इस दौरान मंत्री सतपाल महाराज, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, बृजभूषण गैरोला, सविता कपूर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

बरेली देहात

सनमाइका फैक्ट्री में लगी आग से भारी नुकसान

फरीदपुर में फैक्ट्री में आग से भारी सामान उठाने वाला हाइड्रा, बहेड़ी में इलेक्ट्रानिक शो रूम में आग से टीवी आदि हुए नष्ट

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : रोशनी के पर्व पर जिले में कई स्थानों पर आग लगने से धुएं के गुबार उठते देख हड़कंप मच गया। कहीं बिजली के 11 हजार की लाइन से गिरी चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गईतो कहीं शार्ट सर्किट से प्रतिष्ठानों में आग लगने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया है। फरीदपुर में प्लाई फैक्ट्री में लगी से भारी नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। तो बहेड़ी में टीवी, आदि इलेक्ट्रानिक सामान के दुकान में आग लगने से कई सामान जल गये।

फरीदपुर औद्योगिक क्षेत्र में सनमाइका फैक्ट्री में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। यहां आग बुझाने में फायर बिग्रेड को चार घंटे लग गये। यहां जब आग लगी तब कर्मचारी दिवाली की छुट्टी पर गये थे। इसलिए कोई मजदूर नहीं था। फैक्ट्री में केवल गार्ड व कुछ आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग ही रह गये थे। इस बीच देर रात लगभग एक बजे फैक्ट्री में अचानक आग लग गई और देखते

आग लगने के बाद फैक्ट्री का जला हुआ सामान। ● अमृत विचार

सूचना पर फैक्ट्री में फरीदपुर पुलिस पहुंची। साथ में फैक्ट्री के मालिक। ● अमृत विचार

● **अग्निशमन की गाड़ियों ने चार घंटे में आग पर काबू पाया**

ही देखते आग फैल गई और फैक्ट्री में तैयार रखी सनमाइका शीट उसकी चपेट में आ गयी। मौके पर भारी सामान को उठाने वाला एक हाइड्रा भी जलकर राख हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि छत पर लगाया गया एयर सिस्टम भी दूर जाकर गिरा। कर्मचारी ने आग लगने की घटना की जानकारी फैक्ट्री मालिक रोशन अग्रवाल को रात लगभग 2 बजे दी। सूचना पाते ही अग्निशमन विभाग की टीम गाड़ी लेकर मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास किए। फैक्ट्री में पानी नहीं मिला तो बराबर की फैक्ट्री से पानी लिया गया और कई घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने आग पर सुबह पांच बजे काबू पाया। फैक्ट्री मालिक रोशन अग्रवाल ने बताया कि संभवतः शार्ट सर्किट होने से आग लगी है बाकी वास्तविक कारणों का पता विशेषज्ञ लगा रहे हैं। नुकसान का वास्तविक आकलन अभी नहीं हो सका है।

इंसुलेटर फटने से झोपड़ी में लगी आग

भमोरा, अमृत विचार :11 हजार की बिजली लाइन का इंसुलेटर फटने से झोपड़ी में आग लग गई। इससे झोपड़ी जलकर नष्ट हो गई। मझारा गांव निवासी रामगोपाल कश्यप ने बताया कि मंगलवार सुबह घर के ऊपर से गुजर रही 11 हजार विद्युत लाइन के पोल का इंसुलेटर फटने से गिरी चिंगारी से झोपड़ी में आग लग गई। इससे चारपाई, कपड़े, गेहूं, इत्यादि समान जलकर राख हो गया।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ राख

बहेड़ी, अमृत विचार : इलेक्ट्रॉनिक दुकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। लोगो ने आग को बुझाने की कोशिश की लेकिन सब कुछ जलकर राख हो गया। सूचना के बाद पहुंची दमकल गाड़ी ने कुछ देर में आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक दुकान के अंदर रखा लाखों रुपये कीमत का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। मोहल्ला लोधीपुर में अंबिका भारद्वाज की इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान है। जिसमें नए एलईडी टीवी, पंखे, म्यूजिक सिस्टम और स्पीकर आदि सामान रखा था। दिवाली के दिन अचानक इस दुकान में आग की लपटे निकलने लगी। आग की लपटे निकलने पर आसपास के लोगों ने बाल्टियों से पानी फेंक कर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग पर काबू पर नहीं पाया जा सका। सूचना के बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंच गई और कड़ी मशक्कत के बाद कुछ देर में दमकल की टीम ने आग पर काबू पा। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका।

दबंगों ने दंपती को पीटा, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव सिरसा में पटाखा छोड़ने को लेकर दबंगो ने युवक और उसकी पत्नी को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव सिरसा निवासी विनोद ने बताया उनकी मां सोमवार शाम को भैंस का दूध निकाल रही थी। गांव निवासी आकाश, नत्थू लाल,विवेक आदि पटाखा छोड़ रहे थे। पटाखा के धमाका से भैंस कूदने के कारण सारा दूध जमीन पर गिर गया। पीड़ित ने इसको लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कुछ कह दिया। जिस पटाखा छोड़ रहे सभी दबंगो ने पीड़ित के साथ मारपीट की।एक ने पटाखा छोड़ने वाली चाबी सिर में मारकर विनोद को लहूलुहान कर दिया। पत्नी संगीता बचाने आई आरोप है सभी ने उसको भी पीटा। रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

बुजुर्ग ने विवाद में मुंह से काटा महिला का कान

संवाददाता, देवरनिया

● **घटना के बाद आरोपी और उसका भाई घर से फरार हो गए**

अमृत विचार : मंदबुद्धि युवक ने गुस्से में मुंह से बुजुर्ग का कान काट लिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी फरार हो गया है।

गांव उदरा निवासी जरीना (60) ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा नन्हे सोमवार शाम दुकान से सामान खरीदने गया था। रास्ते में गांव का ही नूरुल उससे भिड़ गया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर नूरुल ने नन्हे की पिटाई कर दी। नन्हे ने घर लौटकर घटना की जानकारी अपनी मां जरीना को दी। शिकायत लेकर जब जरीना नूरुल के घर पहुंची तो आरोपी भड़क गया। बताया जा रहा है । कि नूरुल ने अपने भाई समसुल के साथ मिलकर जरीना की बेरहमी से पिटाई कर दी। इसी दौरान नूरुल ने जरीना का कान मुंह से काट लिया । जिससे उसका कान अलग हो गया और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल जरीना को अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी नूरुल और उसका भाई समसुल फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

उपनिरीक्षक आशुतोष दिवेदी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जिस युवक ने कान काटा है वह मंदबुद्धि है।

राशन वितरण में गड़बड़ी, रिपोर्ट दर्ज

क्योलाडिया,अमृत विचार: ब्लॉक भदपुरा के गांव सिलरा नवदिया के कोटेदार सुशील कुमार के खिलाफ भोले स्वयं सहायता समूह की शिकायत पर मूर्ति निरीक्षक ने गांव पहुंचकर दुकान का निरीक्षण किया गड़बड़ी पाए जाने पर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई

अक्टूबर माह में सिलरा नवदिया में कोटे की दुकान नकटी नरायनपुर से संबद्ध थी । सिलरा नवदिया की कोटे की दुकान पूर्ति निरीक्षक में दो बार निरीक्षण किया। इसमें गड़बड़ी पाई गई। पूर्ति निरीक्षक सुशील कुमार भटनागर ने कोटेदार पर पात्र गृहस्थी अंत्योदय योजना का 81 कुंतल 48 किलो गेहूं पात्र गृहस्थी अंत्योदय योजना का 122 कुंतल 77 किलो चावल कालाबाजारी का आरोप लगाया । जांच में आरोप सही पाए गए। इस पर पूर्ति निरीक्षक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अलग-अलग सड़क हादसों में 5 की मौत, 18 घायल

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले में अलग अलग जगह हुए सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में पहुंचाया गया है।

हादसा में एक की मौत, चार गंभीर

फतेहगंज पश्चिमी: नेशनल हाइवे पर हुए सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। टोल के पास मौजूद खिरका कावरिया मंदिर के सामने फतेहगंज से मीरगंज की ओर जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ने के बाद बिजली के खंभे से जा टकराई। इससे कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार पांचों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से पांचों को निकालकर एम्बुलेंस के द्वारा बरेली एक निजी अस्पताल भेज दिया। जहां कस्बा के मोहल्ला लोधी नगर निवासी अरुण पुत्र वेदपाल (18) की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक अरूण तीन बहन भाई में दूसरे नंबर का था। जबकि यहीं के विजय, दिनेश, रवि और कुनाल

मृतक अरुण

मृतक सईदन

गंगवार उर्फ छोटू की हालत नाजुक बताई जा रही है। कार चला रहे कुनाल गंगवार उर्फ छोटू का हाथ कट गया सभी पार्टी करने ढाबा पर जा रहे थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अपंग वृद्धा की मौत

नवाबगंज: नगर के मुख्य मार्ग पर उस समय हड़कंप मच गया जब एक अपंग वृद्धा को पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वृद्धा की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्राम रिछोला निवासी सईदन (70) पत्नी मझले अपंग थीं। वह अपने पुत्र आलम के पास नगर आई थीं और शाम को घर लौट रही थी। तभी कपड़े की दुकान के पास किसी तेज़ रफ़्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में सईदन बुरी तरह घायल हो गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वाहन चालक गाड़ी समेत फरार हो गया।

शीशगढ़: मंगलवार को बीसलपुर पुल के पास ट्रैक्टर ट्राली को ओवरटेक करते हुए दो बाइको की भिड़ंत में घायल हुए 7 लोगों में से एक वर्षीय बालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। सोनू, बाइक चला रहा था मुकेश निवासी पदमी, सूरजपाल निवासी गुलड़िया, और दूसरी बाइक पर सवार वीरपाल, उनकी पत्नी राजकुमारी व दो बच्चे घायल हो गए। मुकेश की हालत गंभीर है।

दुनका : गांव परतापुर पर बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गांव निवासी लेखराज कार्य से गांव परतापुर जा रहे थे धनेटा शीशगढ़ रोड पर अज्ञात वाहन से टक्कर मार दी जिसमें वह घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। शाहजहांपुर जनपद के थाना कटरा क्षेत्र के गांव बेहटा मुरादपुर निवासी वीरेश पाल सिंह (25) मोटरसाइकिल से कटरा से अपने गांव जा रहा था। रास्ते में राजमार्ग पर बहगुल नदी के पुल के समीप किसी अज्ञात बाहन ने वीरेश पाल को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार हेतु बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था जहां सोमवार की रात उसने दम तोड़ दिया।

भुता में टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भुता, अमृत विचार : विचार : बरेली बीसलपुर मार्ग पर एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कस्बा पूरनपुर, जिला पीलीभीत निवासी मेघनाथ(45) बाइक से घर जा रहा था। उसी समय अहिरोला तिराहे के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वह कुआडांडा में रिश्तेदारी में आया था।

टकराई कार, चार घायल

मीरगंज, अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र के बसई गांव में सोमवार शाम एक कार अनियंत्रित होकर धनेटा शीशगढ़ मार्ग पर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, पुलिस के अनुसार, कार चालक ने आगे चल रहे एक ई-रिक्शा को बचाने का प्रयास किया। इसी दौरान कार सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। राहगीरों ने कार का शीशा तोड़कर युवकों को बाहर निकाला। दुनका गांव निवासी कैफ, अरमान, मुकीम और अरहान कार से शीशगढ़ जा रहे थे। बसई गांव के पास यह हादसा हुआ। पुलिस ने सभी घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। कैफ और अरमान की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी युवक गांव दुनका के निवासी हैं।

चेयरमैन प्रतिनिधि की कार को मारी टक्कर, बचे

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : नगर पंचायत अध्यक्ष इमराना बेगम के प्रतिनिधि की स्कार्पियों डिवाइडर पर चढ़ने से क्षतिग्रस्त हो गई। माधोगंज रेलवे ओवरब्रिज पर पीछे से आ रहीतेज रफ्तार कैंटर की टक्कर से यह हादसा हुआ। चेयरमैन के प्रतिनिधि को चोट नहीं आई है। फतेहगंज पश्चिमी चेयरमैन के प्रतिनिधि हारुन चौधरी अपने गांव नवाबगंज के गांव हर हर मटकली जा रहे रहे थे। फतेहगंज पश्चिमी के माधोपुर रेलवे ओवर ब्रिज पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार कैंटर ने साइड लेते समय उनके वाहन में टक्कर मार दी इससे स्कॉर्पियो डिवाइडर पर चढ़कर जाम हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को किनारे हटवा कर हाइवे को को सुचारू रूप से चालू कराया। चौधरी ने बताया कि गाड़ी में दो लोग थे। किसी को चोट नहीं आई है।

चेयरमैन प्रतिनिधि की क्षतिग्रस्त कार को देखते लोग। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

रिठौरा के युवक ने जताया पाकिस्तान प्रेम कार्रवाई की मांग

रिठौरा, अमृत विचार : थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के इमरान रजा ने पाकिस्तान के समर्थन वाली एक पोस्ट अपने फेसबुक एकाउंट से वायरल कर अपने पाकिस्तान प्रेम का इजहार किया है। जिसको लेकर हिंदू जागरण मंच सहित तमाम हिंदू संगठनों ने मामले की शिकायत अखंड भारत संकल्प ट्विटर हैंडल से आलाधिकारियों से कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रामगंगा में डूबे किशोर का चौथे दिन मिला शव

फरीदपुर, अमृत विचार : शनिवार को भैंस चराने गए किशोर की राम गंगा नदी में डूबने के बाद मंगलवार को उसका शव कई किलोमीटर दूर मिला। शनिवार गांव गोविंदपुर निवासी नीलेश (16) रामगंगा नदी किनारे भैंस चराने गया था। वहां वह नदी में डूब गया। पुलिस ने नीलेश की तलाश की लेकिन उसका शव नहीं मिला। मंगलवार को चौथे दिन घटना स्थल से कई किलोमीटर दूर नीलेश का शव मिला। चार दिन में शव पूरी तरह सड़ने लगा था। नीलेश के परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम करना से इंकार कर दिया।

घर में संदिग्ध हालात में मिला विवाहिता का शव

बहेड़ी, अमृत विचार : विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। विवाहिता की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। और घर वालों से पूछताछ करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। जानकारी के मुताबिक नगर के मोहल्ला नूरी नगर निवासी समरीन (24) पत्नी मो यूनिस की घर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। विवाहिता की मौत होने पर वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। मामले की जांच की जा रही है।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग

भुता, अमृत विचार : खाईखेड़ा गांव में एक युवक के घर में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई जिससे नकदी सहित लाखों का सामान जलकर नष्ट हो गया।

गांव निवासी नरोत्तम सिंह ने बताया कि घर के कमरे में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई जिससे बेड में रखे दो लाख नगद अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया है। आग की लपटें देख करने पर आसपास के ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। तब तक कमरे में रखा कीमती कपड़े व अन्य घरेलू सामान, बेड में रखें रुपए व बेड भी जल गया।

क्षेत्र की चीनी मिलें अभी तक नहीं चलीं, धान में नमी बताकर मंडी से लौटाया जा रहा, किसान हो रहे दुखी

न धान बिका, न गन्ने का पैसा मिला, दिवाली रही फीकी

संवाददाता नवाबगंज

अमृत विचार : रोशनी और उत्साह उमंग का पर्व भी किसानों के चेहरे पर खुशी नहीं ला सका। दो साल से गन्ने का बकाया नहीं मिलना,क चीनी मिल भी अभी तक नहीं चली और ना ही धान बिक पाया। इससे किसानों के पास त्योहार की खुशियां फीकी रहीं। किसानों ने कर्ज लेकर दिवाली में खरीदारी की।

किसानों का दर्द अब लाचारगी में बदलता जा रहा है। क्षेत्र के लक्ष्मण प्रसाद, दिनेश चंद्र, सुरजीत गौतम और हरदेव सिंह आदि किसानों ने बताया कि धान तौलने में हो रही देरी ने दीपावली का सारा उत्साह छीन लिया है। वहीं गन्ने के बकाया भुगतान को लेकर किसानों में गहरी नाराज़गी है। किसानों का कहना है

मंडी में अपने धान की रखवाली करते किसान। ● अमृत विचार

हमें दो साल से गन्ने का पैसा नहीं मिला, फैक्ट्री अब तक शुरू नहीं हुई। छह महीने खेतों में मेहनत करते हैं धूप, बरसात, ठंड सब झेलते हैं, लेकिन जब मेहनत का फल पाने का समय आता है, तब हमें सिर्फ वादे मिलते हैं।

● गन्ना बकाया का शीघ्र भुगतान कराने की सरकार से मांग

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि मॉयश्चर के नाम पर किसानों का शोषण किया जा रहा है। धान का वजन कम बताकर कटौती की जाती है। छुट्टी के दिन भी भूसी उठाई जा रही है, ताकि किसानों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा सके। हालत यह है कि किसान अपना धान बेचने के लिए मंडी में उत्पाद लेकर आ गया है और कई दिनो उसे उसकी रखवाली कर रहा है ताकि धान चोरी न हो जाए। लेकिन तौल का नंबर नहीं आया है।

भाकियू के जिला प्रभारी चंद्र प्रकाश उर्फ़ पप्पू, तहसील संयोजक हरदेव सिंह रंधाबा, ब्लॉक अध्यक्ष खेम करन, तहसील अध्यक्ष फ़तेह चंद गंगवार और नगर अध्यक्ष हरिशंकर गंगवार ने बकाया भुगतान शीघ्र कराने की सरकार से गुहार लगाई है।

दुकानदार की पिटाई, दो नामजद

आंवला, अमृत विचार : सोमवार की शाम दो युवकों ने एक दुकानदार की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी।

रसूला गांव निवासी विवेक उपाध्याय ने बताया कि वह गांव के मंदिर के समीप खोके में परचूनी की दुकान चलाता है। सोमवार की शाम करीब छह बजे गांव के ही जीतू मौर्य और उसका भाई दन्नू दुकान पर आये और खोखा न लगाने एवं लगाने पर सौ रूपये प्रतिदिन देने की धमकी देने लगे। विरोध करने पर दोनों ने उसे दुकान से खींचकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

दीपों की जगमगाहट और पटाखों की गूंज के संग मनी दिवाली

जिले में सोमवार और मंगलवार को भी मनाई गई दिवाली, बाजार, घर, मंदिरों में हुई रंग बिरंगी सजावट, बच्चों में रहा पटाखे जलाने का उत्साह

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले में गांव कस्बों में दिवाली का पर्व हर्ष और उल्लास के माहौल में मनाया गया। शाम होते ही घरों, गलियों और मंदिरों में दीपों की रोशनी से चारों ओर जगमगाहट फैल गई। आसमान में चमकते पटाखों ने त्योहार की रौनक बढ़ा दी। लोगों ने माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की। बाजारों में दिनभर खरीदारी का उत्साह नजर आया, वहीं मिठाइयों और उपहारों से घर-घर खुशियों की मिठास घुली रही। किसानों को गन्ना भुगतान नहीं मिलने और धान नहीं बिकने का दुख होने से उनकी दिवाली उत्साहजनक नहीं रही।

आंवला में दो दिन मनाया गया दीपावली का पर्व

तहसील क्षेत्र में दीपावली का पर्व इस बार दो दिन मनाया गया। सोमवार और मंगलवार को पूजा-अर्चना के साथ देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना की गई।इस बार दिवाली पर्व की तिथि को लेकर लोगों में भिन्न मत देखने को मिला। कुछ लोगों ने सोमवार को दिवाली मनाई। जबकि कुछ ने मंगलवार को दिवाली होना बताकर उसी दिन पूजा-अर्चना की और दीप जलाए। सोमवार को अधिकांश परिवारों ने लक्ष्मी गणेश की प्रतिमाओं की विधिवत स्थापना कर घरों और आंगनों में दीप जलाए। मंगलवार को श्रद्धालु परिवारों ने परंपरा के अनुसार दीपदान और आरती कर पर्व का समापन किया। प्रमुख बाजारों, चौक और मोहल्लों में सजी झालरें व दीपमालाए देखने लायक थीं।

आंवला में पटाखे जलाकर खुश होते बच्चे। ● अमृत विचार

पूजन कर छोड़े पटाखे

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : दीपावली के पर्व पर लोगों ने घरों में भगवान गणेश लक्ष्मी की पूजा अर्चना की तथा दीपक और मोमबत्ती जलाकर आतिशबाजी चलाई। आतिशबाजी की दुकानें इस बार भी कस्बे से बाहर लगाई गई जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की। नगर में पथ प्रकाश की व्यवस्था भी नगर पंचायत के द्वारा धराशाही रही सड़कों पर अंधेरे के चलते लोग सड़कों पर अंधेरे में भटकते रहे। और नगर पंचायत प्रशासन आंखें मूंदे बैठा रहा।

उत्साह से मनाया रोशनी का पर्व

भुता, अमृत विचार : शाम होते ही घरों ,मंदिरों, और बाजारों को दीपों ,मोमबत्तियां और रंगीन रोशनी से सजाया गया। जिसमें पूरा क्षेत्र जगमगा उठा महिलाओं ने दरवाजो पर आकर्षक रंगोली भी बनाई। शाम को लोगों ने धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी और विघ्नहर्ता गणेश की विधि विधान से पूजा अर्चना की। मंदिरों में भगवान श्री राम विशेष आरती और भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया। बच्चों और महिलाओं ने आतिशबाजी का भी खूब आनंद उठाया।

पटाखेबाजी का रहा बोलबाला

नवाबगंज, अमृत विचार : दीपों के पर्व पर शाम होते-होते घरों, मंदिरों और दुकानों पर रोशनी की जगमगाहट फैल गई। लोगों ने अपने घरों को रंगोली, दीपों और झालरों से सजाया। रात में आतिशबाजी और पटाखों की आवाज़ों से पूरा नगर गूंज उठा। बच्चे और युवा देर रात तक आनंद उल्लास में डूबे रहे। शाम को घर-घर में धन की देवी मां लक्ष्मी और विघ्नहर्ता गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने समृद्धि और सुख-शांति की कामना की। इस वर्ष भी परंपरागत मिट्टी के दीपों की जगह चाइनीज झालरों ने ले ली।

सेंथल में मनाया पर्व

सेंथल, अमृत विचार : कस्बे में प्रकाश पर्व दीपावली धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह लोगों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना की। इसके बाद अपने घरों और प्रतिष्ठानों को सजाया। त्योहार को लेकर सबसे अधिक उत्साह बच्चों में देखने को मिला। शाम होते ही कस्बा दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने घरों और प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी लाइटों और झालरों से सजाया। इसके अलावा सुबह से शाम तक बाजार में खरीदारों की भारी भीड़ देखने को मिल। जिससे व्यापारी भी काफी खुश नजर आए।

दीपावली पर पटाखों की चपेट में आए कई लोग

मीरगंज, अमृत विचार : दिवाली की रात कई परिवारों के लिए यह रात दर्द और आंसू लेकर आई। अलग-अलग इलाकों में पटाखे फटने से कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए और कुछ के हाथ बुरी तरह झुलस कर जख्मी हो गये। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्गेश पाण्डेय पुत्र सत्यनारायण पांडेय निवासी खाटू श्याम मंदिर, मीरगंज के हाथ और चेहरे पर गंभीर चोटे आई हैं। गोपी निवासी गांव चुरई दलपतपुर के हाथ बुरी तरह से झुलस गये हैं। सिपाही अंकित, थाना मीरगंज में तैनात रहते हुए डयूटी के दौरान पटाखा फटने से झुलस गए।चिकित्सकों के अनुसार, सभी घायलों का इलाज जारी है, इनमें से दो की हालत चिंता जनक बताई जा रही है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया रोशनी का पर्व

रिठौरा, , अमृत विचार : रोशनी के त्योहार पर लोगों ने घरों व प्रतिष्ठानों मंदिरों में रंग बिरंगी लाइटों से सजावट की गई। शुभ मूहर्त में घर -घर धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने सुख समृद्धि की कामना करते हुए खील -खिलौने तथा मिष्ठान से भोग लगाया। पूजन के बाद बच्चों और बड़ों ने जमकर पटाखे जलाए। रिठौरा पुलिस चौकी,बिजलीघर, भारतीय स्टेट बैंक शाखा को भी दुल्हन की तरह सजाया गया।

शेरगढ़ में धूमधाम से मनाया प्रकाश पर्व

शेरगढ़, अमृत विचार : श्रीराधा कृष्ण मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया। वहीं नगरिया कलां शिव मंदिर का नज़ारा देखते ही बन रहा था। सुरक्षा की दृष्टि से इस बार पटाखा बाजार आबादी के बाहर कालेज के मैदान में लगाया गया। यहां खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ी। दीपावली को लेकर भ्रम की स्थिति रही जिसके चलते क्षेत्र में मंगलवार को भी दीपावली मनाई गई। लोगों ने श्री गणेश,मां लक्ष्मी,मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। छोटे बच्चों ने उत्साह से पटाखे छोड़े।

त्योहार का उत्साह, बाजार में उमड़ी भीड़

दिवाली पर बाजार में रौनक रही। ग्राहकों की मौजूदगी से दुकानदारों के चेहरे खिले रहे लेकिन सड़कों पर लगा जाम राहगीरों को परेशान करता रहा। सड़कों पर हुए अतिक्रमण और बाहर तक फैली दुकानों ने सड़कों को तंग कर दिया। जिला पंचायत रोड बाजार में दुपहिया वाहन चालकों को जाम में फंसकर दिक्कत उठानी पड़ी। ● अमृत विचार

जमीन को लेकर मारपीट करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

आंवला, अमृत विचार : जमीन की नपाई करने के दौरान दो पक्षों में मारपीट के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मोहल्ला किला बजरिया निवासी मोहम्मद आजम ने बताया कि रविवार को वह कस्बे के मोहब्बतगंज गौंटिया चौराहे के समीप अपनी जमीन की नपाई कराने गया था। इस दौरान वहां के पप्पू यादव और उसके चार बेटे पहुंच गये। वह नपाई रोकने लगे। विरोध करने पर उन्होंने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर मोहम्मद युसुफ और नावेद मौके पर आए, जिन्होंने बचाव का प्रयास किया। इसी बीच आरोपियों की महिला सदस्य भी पहुंच गईं और मारपीट में शामिल हो गईं। इस दौरान मोहम्मद युसुफ भी चोटिल हो गए, जबकि मोहम्मद आजम कई जगह से लहूलुहान हो गया। आरोप है कि जाते जाते जान से मारने की धमकी भी दी गई।

अवैध रिफिलिंग मामले में आरोपी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : मोहल्ला गुलशननगर में रविवार दोपहर अवैध रिफलिंग करने के में दो गाड़ियां नष्ट होने और आबादी में अवैध कार्य करने वाले आरोपी जितेंद्र उर्फ छोटे लाल के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बता दे कि रविवार दोपहर के समय इको गाड़ियों में गैस रिफलिंग के दौरान अचानक आग भड़क उठी थी। इसमें दो कार पूरी तरह और एक कार आंशिक रूप से जल गई थी। घटना के बाद पुलिस ने छापेमार कार्रवाई की थी। इस दौरान रिफिलिंग कर रहे मोहल्ले के ही राधेश्याम के पुत्र जितेंद्र उर्फ छोटे लाल के घर से भारत गैस कंपनी के 7 भरे, 6 खाली सिलेंडर, इंडेन गैस के 5 खाली व 1 जला सिलेंडर, गैस रिफिलिंग पंप और कांटा बरामद किया गया। इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक सुनील भटनागर की तहरीर पर आरोपी जितेंद्र उर्फ छोटे लाल के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।

● कार में रिफिलिंग के दौरान रविवार को लगी थी आग

क्षेत्र में फलफूल रहा है गैस रिफिलिंग का अवैध कारोबार

क्षेत्र में गैस रिफिलिंग का अवैध धंधा खुलेआम चल रहा है। नगर के साथ ही हाईवे किनारे बसे गरगइया, रिछोला, बरखन और हरहरपुर जैसे ग्रामों में ईको सवारी गाड़ियों में गैस रिफिलिंग आम बात हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रशासन और पूर्ति विभाग की चुप्पी इस खतरनाक कारोबार को बढ़ावा दे रही है। हादसे के बाद फायर ब्रिगेड टीम ने बाजारों में बिक रहे पटाखों को नष्ट जरूर कराया, लेकिन गैस रिफिलिंग के इस खतरनाक नेटवर्क पर कोई ठोस कार्रवाई अब तक नहीं की गई है।

भाजपा नेता बताकर ठगी करने का आरोप

देवरनियां, अमृत विचार : गांव शरीफनगर के मजरा दुगना निवासी वीरपाल गंगवार उर्फ वीरू गंगवार ने तहरीर में आरोप लगाया है, कि गांव शरीफनगर निवासी विपिन चौधरी पुत्र सुधीर चौधरी अपनी कार पर जिला मंत्री भाजपा का स्टीकर लगाकर लोगों से ठगी करता है। जब उन्होंने इसका विरोध किया,तो आरोपी ने गाली-गलौच कर मारने की धमकी दी। आरोप है, कि वह तीन अक्टूबर को शेरगढ़ से वापसी के समय उनकी कार के आगे आरोपी ने अपनी बाइक लगा कर रास्ता रोका। उप निरीक्षक आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि जिस पर आरोप है, वह भाजपा ओबीसी मोर्चा का जिला मंत्री है। पार्टी ने यह जानकारी दी है।

नशेड़ी युवक की मृत्यु

शीशगढ़, अमृत विचार : देशी शराब के ठेका के आसपास घूमते रहने वाले युवक की मंगलवार को रामलीला मैदान के पास किराने की दुकान के सामने अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान वीरपाल लोधी (28) ग्राम रहपुरा जागीर थाना फतेहगंज पश्चिमी के रूप में हुई है।

Light of God

मन की दीवाली

1 "पाप पुण्य" का चिन्तन किए बिना, धन कमाना, चाहे गरीबों, बीमारों की बद्दुआएं ही क्यों ना आ रही हो।

2 "ईश्वर की सही जानकारी" ना लेना तथा रसमी तौर पर पूजा-पाठ करके अपने को संतुष्ट कर लेना

3 "ईश्वर के नियमों" का पालन न करते हुए, "दया धर्म से दूर रहना"

4 खाने पीने व भौतिक वस्तुओं में पूरी दिलचस्पी लेना किन्तु आने वाले अन्जाम की फिकर न होना

5 वर्ष में केवल एक बार दीवाली का 1-2 दिन मजा लेना

6 केवल "लाभ" की चिन्ता

आत्मा की दीवाली

1 "पवित्र तरीके से धन कमाना," "दुखियों का दर्द महसूस करके" दया-दान करते हुए।

2 "ईश्वर का निरन्तर ज्ञान तथा ध्यान" करते हुए, हृदय से प्रभु की शक्ति का अनुभव करना।

3 "ईश्वर के नियमों" के अनुसार, अपने अहंकार, लालच तथा दिखावे से बचकर "शुभ कर्म" करना

4 सात्विक खान पान, भौतिक वस्तुएं भी खरीदना किन्तु "किसी का हक" मारे बिना

5 प्रतिदिन करूणा, प्रेम व सत्य का पालन करते हुए, आत्मा से प्रसन्न रहना

6 "शुभ लाभ," का चिन्तन।

A Life Clarity for Society from

MISSION HAPPINESS (DIVINE) P LTD.

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,22 अक्टूबर 2025

काबुल में तकनीकी मिशन को भारत ने दूतावास का दर्जा दिया

अफगानिस्तान के साथ संबंधों को गहरा करने का प्रयास

नई दिल्ली,एजेंसी

काबुल में भारतीय दूतावास।

भारत ने अफगानिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के व्यापक प्रयासों के तहत मंगलवार को काबुल में अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की। यह घोषणा ऐसे वक्त की गई है, जब डेढ़ सप्ताह पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के साथ बैठक के दौरान कहा था कि भारत काबुल में अपनी राजनयिक उपस्थिति को उन्नत करेगा।

अगस्त 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद भारत ने काबुल स्थित अपने दूतावास से अपने अधिकारियों को वापस बुला लिया था। जून 2022 में, भारत ने एक तकनीकी टीम तैनात करके अफगानिस्तान की राजधानी में अपनी राजनयिक उपस्थिति फिर से स्थापित की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि काबुल स्थित भारतीय दूतावास अफगानिस्तान के व्यापक विकास, मानवीय सहायता और दक्षता विकास पहल में भारत के योगदान को और बढ़ाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की हाल की भारत यात्रा के दौरान घोषित निर्णय के अनुरूप, सरकार तत्काल प्रभाव से काबुल में भारत के तकनीकी मिशन का दर्जा अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास के समान बहाल कर रही है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय पारस्परिक हित के सभी क्षेत्रों में अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करता है। एक बयान में कहा गया कि काबुल स्थित भारतीय दूतावास अफगान समाज की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अफगानिस्तान के व्यापक विकास, मानवीय सहायता और दक्षता विकास पहल में भारत के योगदान को और बढ़ाएगा।

ऐसा माना जा रहा है कि इस मिशन का नेतृत्व उप राजदूत स्तर के राजनयिक करेंगे। मुत्ताकी इस महीने छह दिन के लिए भारत आए थे, जिससे अफगानिस्तान के साथ भारत के संबंधों में एक नए दृष्टिकोण का संकेत मिला। हालांकि, भारत ने अब तक तालिबान के शासन को मान्यता नहीं दी है। तालिबान के विदेश मंत्री ने कहा था कि अफगानिस्तान किसी भी तत्व को भारत के हितों के खिलाफ अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा।

टीटीपी कमांडर पर 10 करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित

पेशावर, एजेंसी: पाकिस्तान की खैबर-पख्तूनख्वा सरकार ने मंगलवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) कमांडर काजिम पर 10 करोड़ पाकिस्तानी रुपये का इनाम घोषित किया है। ऐसा माना जा रहा है कि काजिम हाल में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर की हत्या में शामिल था। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि कुर्रम जिले का निवासी काजिम पाराचिनार की ओर जा रहे सैन्य काफिलों और शिया समुदाय के यात्री वाहनों पर हमलों के पीछे भी शामिल था।

उस पर कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्लाह महसूद की हत्या की साजिश रचने का भी आरोप है। सूत्रों के अनुसार, वांछित आतंकी की पहली बार स्पष्ट तस्वीर जारी की गई है। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा इनाम तय करने का फ़ैसला प्रांतीय सरकार द्वारा उसकी गिरफ़्तारी या सफ़ाया सुनिश्चित करने के संकल्प को दर्शाता है। सरकार ने काजिम से जुड़े तीन अन्य आतंकियों पर भी भारी इनाम घोषित किया है।

आयोजन

अमृतसर में बंदी छोड़ दिवस और दिवाली उत्सव के अवसर पर स्वर्ण मंदिर में लोग मोमबत्तियां और दीये जलाते हुए। ● एजेंसी

भारतीय वायुसेना की तीसरी रैंकिंग पर बौखलाया चीन

बीजिंग, एजेंसी

● कहा-कागज पर नहीं, वास्तविक क्षमता पर होना चाहिए आकलन

दुनिया की वायुसेनाओं की एक नई रैंकिंग में भारत को अमेरिका और रूस के बाद तीसरा स्थान दिया गया है और चीन से आगे रखा गया है। इस रैंकिंग ने मीडिया में नई चर्चा छेड़ दी है। किसी ने भारत की शीर्ष तीन देशों में एंट्री को शानदार बताया तो किसी ने चेतावनी दी कि कोई भी गलत आकलन या अति आत्मविश्वास घातक परिणामों को जन्म दे सकता है। वहीं चीन भी नई रैंकिंग को पचा नहीं पा रहा है। एक चीनी विशेषज्ञ ने कहा कि सैन्य शक्तियों को कागज पर नहीं, बल्कि वास्तविक क्षमताओं के आधार पर रैंक किया जाना चाहिए, संभावित गलत गणनाएं किसी का भला नहीं करेंगी।

यह रैंकिंग वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (डब्ल्यूडीएमएमए) द्वारा तैयार की गई है, जो 103 देशों और 129 वायु सेवाओं को कवर करती है, जिसमें सेना, नौसेना और मरीन एविएशन ब्रांच शामिल हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को इस रैंकिंग का जश्न मनाया, इसे गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि 1,716 विमानों वाली भारतीय वायुसेना दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना बन गई है, जिसमें 69.4 की ट्रूवैल रेटिंग है और वैश्विक हवाई शक्ति रैंकिंग में चीन को पीछे छोड़ दिया है।

डब्ल्यूडीएमएमए रैंकिंग का हवाला देते हुए, भारतीय मीडिया ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दावा किया कि शीर्ष तीन सबसे शक्तिशाली वायुसेनाओं वाली देशों की सूची से चीन बाहर हो गया है और भारत ने शानदार एंट्री की है।

चीनी सैन्य मामलों के विशेषज्ञ झांग जुनशी ने कहा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल सैन्य बलों की वास्तविक युद्धक्षेत्र क्षमताएं ही सार्थक तुलना का आधार बनाती हैं, न कि उनकी कागजी ताकत। कुछ अमेरिकी और भारतीय मीडिया द्वारा किए जा रहे हाइप के पीछे चीन-भारत प्रतिस्पर्धा को भड़काने के छिपे हुए मकसद हो सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

चक्की के पट्टे की चपेट में आया युवक, मौत

मसवासी, अमृत विचार : नगर निवासी चक्की स्वामी की पट्टा चढ़ाते समय पट्टे की चपेट में आने से मौत हो गई। नगर निवासी नन्ने(45) पुत्र सफदर पिकअप चलाता था। कुछ ही दिन पहले नन्ने ने मझरा खुशहालपुर मार्ग पर चक्की लगाई थी। जिस पर वह आटा व धान के सेलर पर कुटाई करता था। मंगलवार को वह धान की कुटाई करने के लिए चक्की का पटा चढ़ा रहा कि अचानक पट्टे में उसका पैर आ गया।

दुकान में बुलाकर बच्ची से छेड़छाड़, दी तहरीर

पुवायां, अमृत विचार : नगर के एक युवक ने शिकायत कर बताया कि उनके मोहल्ले में ही गैर समुदाय का एक युवक किराने की दुकान चलाता है। सोमवार की शाम उसकी पांच वर्षीय पुत्री उसकी दुकान पर चिप्स का पैकेट लेने गई थी। इसी दौरान दुकानदार ने उसे चॉकलेट देने के बहाने दुकान के अंदर बुला लिया और उससे छेड़छाड़ की।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तबाह करने की ट्रंप की टिप्पणी मूर्खतापूर्ण : खामेनेई

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी को मूखर्तापूर्ण बताया जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया है। खामेनेई ने तेहरान में खेल एवं विज्ञान जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी को मूर्खतापूर्ण बताया और कहा कि यह 12 दिनों के युद्ध में अप्रत्याशित हार के बाद निराश इज़राइली अधिकारियों को सांत्वना देने के लिए कही गई बकवास है। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका का कोई अधिकार नहीं है। अमेरिका यह तय करने की स्थिति में नहीं है कि किन देशों के पास परमाणु क्षमता होनी चाहिए और किनके पास नहीं होनी चाहिए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ़्ते यरुशलम की अपनी यात्रा के दौरान इजरायली हमले की सराहना करते हुए कहा कि हमने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर 14 बम गिराए, जिनकी पुष्टि हो चुकी है कि वे प्रतिष्ठान नष्ट हो गए। साथ मिलकर हमने दुनिया के सबसे बड़े आतंकवाद समर्थक देश को परमाणु हथियार बनाने से रोकने में मदद की। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया गया होता तो गाजा समझौते पर काले बादल छा जाते। ईरान के सर्वोच्च नेता ने इसके जवाब में कहा कि उन्होंने (इजरायल और अमेरिका) कभी नहीं सोचा था कि युवा ईरानियों के हाथों से बनाई गई मिसाइल उनके रणनीतिक केंद्रों के कुछ हिस्सों को राख में बदल सकती है, लेकिन ऐसा हुआ। ये मिसाइलें हमारी हैं, हमारे युवाओं द्वारा बनाई गई हैं, किसी से उधार या खरीदी नहीं गई हैं।

खामेनेई ने आरोप लगाया कि पश्चिमी नेता और मीडिया ईरान की उपलब्धियों पर पर्दा डालकर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि वे हमारी कमियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं और हमारी उपलब्धियों को छिपाते हैं। वे हमारे युवाओं को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि ईरान अंधकारमय और गतिहीन है, लेकिन खेल, विज्ञान या तकनीक में हर सफलता इसके विपरीत साबित होती है।

राजाजी टाइगर रिजर्व में मिलेगा बाघों की गिनती का प्रशिक्षण

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व में देश के वन अधिकारी बाघों की गणना की ट्रेनिंग लेंगे। इसी के साथ ही उन्हें बाघ के व्यवहार व जीवन के बारे में भी सिखाया जाएगा।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने वर्ष 2026 में बाघों की गिनती का निर्णय लिया है। अगले वर्ष पूरे देश में बाघों की गणना होगी। बाघों की गणना महज वन्यजीव की गिनती नहीं बल्कि प्रगणक को संवदेनशील व तकनीकी दक्ष होना भी जरूरी है। इस वजह से उत्तर भारत के राज्य उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान के वन अधिकारियों को एक साथ बाघों का प्रशिक्षण गढ़वाल के राजाजी टाइगर रिजर्व में दिया जाएगा। 18 से 20 नवंबर तक होने वाले इस प्रशिक्षण में टाइगर काउंटिंग की तकनीकी, जंगल में संवाद, पगमार्क आदि के बारे में व्यावहारिक व सैद्धांतिक जानकारी दी जाएगी। इस ट्रेनिंग भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक भी वन अधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रशिक्षण में जीपीएस, कैमरा ट्रैप, ग्रिड मैपिंग से बाघों की गणना होगी। साथ ही पुराने आंकड़ों की भी समीक्षा की जाएगी जिससे स्पष्ट हो सकेगा कि बाघों की संख्या बढ़ी या घटी है। राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक कोको रोसे ने बताया कि एनटीसीए ने राजाजी टाइगर रिजर्व को गणना के प्रशिक्षण के लिए चुना है।

ऑकस समझौता हथियारों की होड़, प्रसार के जोखिमों को बढ़ाएगा : चीन

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने मंगलवार को 'ऑकस' यानी ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के बीच हुए परमाणु ऊर्जा संचालित पनडुब्बी समझौते के नवीनीकरण की आलोचना की। चीन ने कहा कि वह गुटीय टकराव और ऐसी किसी भी गतिविधि का विरोध करता है, जो परमाणु प्रसार के खतरे को बढ़ाए या हथियारों की होड़ को और भड़काए।

एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने के प्रयास के रूप में देखे जाने वाले, तीनों देशों ने 2021 में एक ऐतिहासिक सुरक्षा समझौते की घोषणा की, जिसके तहत ऑस्ट्रेलिया को पहली बार अमेरिकी तकनीक का उपयोग करके परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों के निर्माण में मदद मिलेगी। चीन इसकी आलोचना में मुखर रहा है और कहता रहा है कि ऑकस, अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्वाड गठबंधन के साथ मिलकर, उसके प्रभाव का मुकाबला करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जैकुन ने मंगलवार को कहा कि चीन ने एक से अधिक बार अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच तथाकथित त्रिपक्षीय सुरक्षा साझेदारी पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है, जिसका उद्देश्य परमाणु पनडुब्बियों और अन्य अत्याधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को बढ़ावा देना है। जब उनसे ऑकस के फिर से सक्रिय होने पर प्रतिक्रिया मांगी गयी तो उन्होंने यहां मीडिया से कहा कि हम गुटीय टकराव और ऐसी किसी भी चीज का विरोध करते हैं जो परमाणु प्रसार के जोखिम और हथियारों की होड़ को बढ़ाती है।

करंट से युवक और महिला की मौत

संभल, अमृत विचार: दीपावली के दिन जहां हर घर में खुशियां मनाई जा रही थीं, वहीं दो परिवारों में मातम छा गया। थाना कुढ़ फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव रीठ में टीवी का स्वीच लगाते समय करंट से युवक की मौत हो गई। वहीं कैला देवी थाना क्षेत्र के गौंहत गांव में फ्रिज में करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। दोनों के परिजन बेहाल हो गए।

गांव रीठ निवासी जीतू पुत्र नेत्रपाल अपने घर पर टीवी का स्विच लगा रहा था। इसी दौरान उसे जोरदार करंट लग गया। करंट लगते ही जीतू जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और रोने-बिलखने लगे। पड़ोस के लोग भी एकत्र हो गए। किसी तरह तारों को तोड़कर जीतू को करंट से अलग किया गया, लेकिन तब तक वह बेहोश हो चुका था। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

नवोदित भारतीय वैज्ञानिकों को लंदन लाएगी नयी रामानुजन योजना

लंदन,एजेंसी

भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित एक नये रामानुजन कनिष्ठ अनुसंधानकर्ता कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रतिभाशाली सैद्धांतिक भौतिकविदों और गणितज्ञों को संयुक्त अनुसंधान के लिए लंदन इंस्टीट्यूट फॉर मैथमेटिकल साइंसेज (एलआईएमएस) लाया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर की हाल की भारत यात्रा के दौरान शुरू की गई इस योजना का नाम प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन और ब्रिटिश गणितज्ञ जी एच हार्डी की मित्रता के सम्मान में रखा गया है।

एलआईएमएस के निदेशक डॉ. थॉमस फिंक ने कहा कि हमारा रामानुजन कनिष्ठ अनुसंधानकर्ता कार्यक्रम, विज्ञान की दो महाशक्तियों के बीच प्रतिभाओं के आदान-प्रदान के लिए एक सेतु का काम करेगा। उन्होंने कहा कि रामानुजन ने हार्डी के साथ मिलकर जो काम किया, उसने गणितीय विज्ञान को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने कहा कि इस सहयोग ने भारत के कुछ प्रतिभाशाली लोगों का रॉयल इंस्टीट्यूशन में स्वागत करने के लिए प्रेरित किया। सरकारी समर्थन हासिल करने के अभियान का नेतृत्व ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने किया तथा भारत सरकार के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर कृष्णास्वामी विजयराघवन ने भी इसमें सहयोग दिया।

दोरईस्वामी ने कहा कि हार्डी और रामानुजन की कहानी हमें याद दिलाती है कि विज्ञान अलगाव से नहीं, बल्कि मित्रता और संवाद से आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवा भारतीय वैज्ञानिकों को रामानुजन जैसा ही अवसर प्रदान करेगा। वे दुनिया के सबसे प्रेरक वातावरण में अपने विचारों को परख सकेंगे।

कैशियर को अश्लील ऑडियो भेजी, बैंक मैनेजर सहित दो कर्मचारी फंसे

रामपुर, अमृत विचार: महिला कैशियर को अश्लील ऑडियो भेजने में बैंक मैनेजर और चपरासी फंस गए है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बैंक मैनेजर सहित दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने बताया कि वह मौजूदा समय में बिजारखाता स्थित जिला सहकारी बैंक में कैशियर है। 19 अक्टूबर को रात्रि 9:34 उसके पास नए नंबर से कॉल आई थी। जिसे उसने रिसीव नहीं किया। कुछ देर बाद दोबारा कॉल आने पर उठाया तो बैंक मैनेजर विनोद कुमार का फोन था। कहा कि एक रिकार्डिंग छोड़ी है। उसे सुन लेना। पीड़िता ने रिकार्डिंग सुनी तो बैंक मैनेजर और चपरासी उसे लेकर अश्लील बातें कर रहे थे।

आरोपियों ने ऑडियो को वायरल कर दिया। पीड़िता ने मामले में अजीमनगर थाने में तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने बैंक मैनेजर और चपरासी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

धारदार हथियार से की छोटे भाई की हत्या

संवाददाता, मितौली/लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: कस्बा कस्ता में सोमवार की देर शाम मामूली विवाद में बड़े भाई ने सगे छोटे भाई की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी।

सतीश उर्फ चौड़ा।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा है। एएसपी ने भी देर रात घटाना स्थल का जायजा लिया। कस्ता निवासी सतीश उर्फ चौड़ा (21) अपने बड़े भाई सूरज के साथ गाजियाबाद में मजदूरी करता था। दोनों भाई दीपावली मनाने के लिए एक दिन पहले ही घर आए थे, जबकि मंझला भाई विजेंद्र उर्फ बंटी अपनी मां के साथ घर पर पहले से ही रह रहा था। घर में दीपावली की खुशियां थीं। गांव में भी लोग हंसी खुशी त्यौहार मना रहे थे। बताया जाता है कि रात करीब 10 बजे विजेंद्र शराब के नशे में घर लौटा। किसी घरेलू बात को लेकर उसका छोटे भाई सतीश से विवाद हो गया। दोनों में कहासुनी इतनी बढ़ गई कि परिजनों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बंटी ने गुस्से में हंसिया उठाई और सतीश की गर्दन पर जोरदार वार कर दिया। वार इतना घातक था कि सतीश लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

परिवार वाले उसे अस्पताल लेकर भागे, लेकिन रास्ते में गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास ही उसकी मौत हो गई। मौत की खबर आते ही दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं। सूचना पर सीओ मितौली जितेंद्र सिंह परिहार, एसओ मितौली रविंद्र सोनकर मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की। देर रात एएसपी अमित राय ने घटना स्थल का निरीक्षण कर परिजनों से पूछताछ की।

कोर्ट की टिप्पणी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा–अपराध साबित करने को साक्ष्य का होना आवश्यक

शारीरिक संबंध शब्द दुष्कर्म साबित करने को पर्याप्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि साक्ष्यों के बिना महज शारीरिक संबंध शब्द का इस्तेमाल दुष्कर्म या शील भंग के मामलों को स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति की अपील को स्वीकार करते हुए की, जिसमें उसने बलात्कार के मामले में अपनी दोषसिद्धि और 10 वर्ष के कारावास को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने उसे आरोपों से बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने 17 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा कि इस मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों में, 'शारीरिक संबंध' शब्द का प्रयोग, बिना किसी सहायक साक्ष्य के, यह मानने के लिए पर्याप्त नहीं होगा कि अभियोजन पक्ष अपराध को उचित संदेह से परे साबित करने में सक्षम रहा है। अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपीलकर्ता की दोषसिद्धि कायम रखने योग्य नहीं है।

अदालत ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण मामला बताते हुए कहा कि वह मामले का निर्णय उसके गुण-दोष के आधार पर करने के लिए बाध्य है। फैसले में कहा गया है कि पीड़ित बच्ची और उसके माता-पिता ने बार-बार कहा कि शारीरिक संबंध स्थापित किए गए थे, हालांकि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं थी कि इस अभिव्यक्ति का क्या मतलब था। अदालत ने कहा कि कथित कृत्य का कोई और विवरण नहीं दिया गया है। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष या अधीनस्थ अदालत ने पीड़ित से कोई प्रश्न नहीं पूछा, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि याचिकाकर्ता पर लगाए गए अपराध के आवश्यक तत्व सिद्ध हुए हैं या नहीं।

आईपीसी और पॉक्सो एक्ट में नहीं शारीरिक संबंध की परिभाषा

अदालत 2023 में दर्ज एक मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें 16 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसके रिश्ते के भाई ने 2014 में शादी का झूठा झांसा देकर एक साल से अधिक समय तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। व्यक्ति ने अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी और उच्च न्यायालय ने उसकी अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला केवल मौखिक साक्ष्य पर आधारित है, जो कि पीड़ित बच्ची और उसके माता-पिता की गवाही है तथा रिकॉर्ड में कोई फॉरेंसिक साक्ष्य नहीं है। अदालत ने कहा कि शारीरिक संबंध शब्द का प्रयोग या परिभाषा न तो आईपीसी के तहत दी गई है और न ही पॉक्सो अधिनियम के तहत। न्यायाधीश ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि नाबालिग पीड़िता का शारीरिक संबंध शब्द से क्या तात्पर्य है और क्या इसमें शील भंग का प्रयास शामिल था।

ओल्ड लंदन हाउस में फिर लगी आग

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल के ओल्ड लंदन हाउस भवन में सोमवार देर रात लगी भीषण आग।

अमृत विचार: नैनीताल के ऐतिहासिक ओल्ड लंदन हाउस में एक बार फिर भीषण आग लग गई। देर रात करीब 3 बजे ब्रिटिश कालीन इस भवन से आग की लपटें उठती देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत ही दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक फर्नीचर की दुकान समेत तीन दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थीं। गौरतलब है कि बीते 28 अगस्त को भी ओल्ड लंदन हाउस के एक हिस्से में आग लगी थी, जिसमें भवन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा जल गया था और एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। इस बार आग भवन के दूसरे हिस्से में लगी, जिससे इमारत का शेष भाग भी पूरी तरह नष्ट हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दमकल कर्मी समय पर पहुंच गए थे, लेकिन पानी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण आग बुझाने में देरी हुई, जिससे नुकसान बढ़ गया। एसपी सिटी डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि आग पर फिलहाल नियंत्रण पा लिया गया है, परंतु एहतियातन दमकल की एक टीम को मौके पर तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि यह इमारत लकड़ी की बनी पुरानी संरचना थी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि देर रात हुई आतिशबाजी की चिंगारी से आग लगी होगी।

● नैनीताल में दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझाई आग

नेशनल ब्रीफ

तमिलनाडु में बारिश 8 जिलों में रेड अलर्ट, स्टालिन ने की समीक्षा

चेन्नई। तमिलनाडु में क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने मंगलवार को कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की। वहीं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिये। स्टालिन ने उन जिलों में निगरानी अधिकारी के रूप में आईएएस अधिकारियों को तैनात करने का निर्देश भी दिया, जहां भारी बारिश की चेतावनी है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव निम्न क्षेत्र में तब्दील हो ग या है। खाड़ी के ऊपर वायु चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से आज सुबह 5 :30 बजे दक्षिण-पश्चिम भाग में निम्न दबाव का क्षेत्र बना। यह सुबह 8 :30 बजे उसी क्षेत्र में एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया।

विदेशी आतंकियों को मार गिराने का कर रहे प्रयास : आईजीपी

जम्मू। जम्मू संभाग में हर दिन 100 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने का दावा करते हुए एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि घने जंगलों में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है और उन्हें मार गिराने के प्रयास जारी है। जम्मू क्षेत्र के आईजीपी भीम सेन टूटी ने कहा कि आतंकवादी और अपराधी सुरक्षा तंत्र को तोड़ने के प्रयास में ड्रोन जैसी तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियां उनसे दो कदम आगे हैं। टूटी ने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर कर्मियों को पुलिस स्मृति दिवस पर जम्मू रेलवे स्टेशन के पास पुलिस शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि दी।

हिमाचल : हादसे में मारी गई पैराग्लाइडर का शव कांगड़ा लाया गया

धर्मशाला/शिमला। हिमाचल प्रदेश की धौलाधार पर्वतमाला में हादसे की शिकार हुई 27 वर्षीय कनाडाई पैराग्लाइडर का शव कांगड़ा लाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेगन एलिजाबेथ रॉबर्ट्स ने शनिवार को बीर-बिलिंग से अकेले उड़ान भरी थी। उन्होंने बताया कि मेगन के सैटेलाइट फोन के माध्यम से भेजे गए निर्देशांकों के आधार पर तलाश अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव टीम 13 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित दुर्घटनास्थल तक पैदल पहुंची जहां उसे पैराग्लाइडर का शव मिला। टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में पोस्टमॉर्टम में बाद मेगन का शव उसके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता डॉ. योगेंद्र मकवाणा का निधन

अहमदाबाद। पूर्व केंद्रीय मंत्री और गुजरात कांग्रेस नेता डॉ. योगेंद्र मकवाणा का मंगलवार को अहमदाबाद में निधन हो गया। पार्टी के अनुसार, डॉ. मकवाणा का सुबह उनके आवास पर निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और उनका अंतिम संस्कार अहमदाबाद में थलतेज श्मशान घाट पर किया गया। गुजरात के आणंद जिले के सोजित्रा गाँव में 23 अक्टूबर, 1933 को जन्मे डॉ. मकवाणा ने बी.ए, एल.एल.बी. और पीएच.डी. की उपाधियां प्राप्त की थीं।

जनसुराज के तीन प्रत्याशियों ने नामांकन लिए वापस, प्रशांत ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया

कहा- चुनाव हारने के डर से विपक्षी उम्मीदवारों को मैदान से हटने के लिए धमका रहे हैं राजग नेता

पटना, एजेंसी

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के तीन उम्मीदवारों ने भाजपा के दबाव में अपने नामांकन वापस ले लिए। पटना के शेखपुरा हाउस में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में किशोर ने यह दावा भी किया कि सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनाव हारने के डर से विपक्षी उम्मीदवारों को मैदान से हटने के लिए धमका रहा है।

उन्होंने कहा, जनसुराज को वोटकटवा बताने वाली भाजपा को असल में डर लग रहा है। भाजपा को महागठबंधन से नहीं, बल्कि जनसुराज से डर लग रहा है। इसका उदाहरण यह है कि पिछले चार दिनों में हमारे तीन घोषित उम्मीदवारों को नामांकन करने नहीं दिया गया। किशोर का कहना था, लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। देश में इस तरह की कोई मिसाल नहीं रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। किशोर ने बताया कि जिन उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया है, वे दानापुर, ब्रह्मपुर और गोपालगंज सीटों से मैदान में थे।

उन्होंने कहा, भाजपा 'सूरत मॉडल' को दोहराने की कोशिश कर रही है, जहां उनके उम्मीदवार को निर्विरोध जीत मिली थी क्योंकि बाकी सभी प्रत्याशियों को नाम वापस लेने के लिए मजबूर किया गया था। भाजपा यह नहीं समझ पा रही है कि देशभर के मतदाताओं ने इसके लिए उसे सबक सिखाया और पिछली लोकसभा चुनाव में उसे केवल 240 सीटें मिलीं, जबकि वह 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा कर रही थी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेताओं के साथ अपने उम्मीदवार की तस्वीर दिखाते प्रशांत।

बिहार चुनाव

भाजपा नेताओं के साथ दिखाई अपने प्रत्याशी की फोटो

जन सुराज ने गोपालगंज के प्रमुख चिकित्सक शशिशेखर पांडेय उम्मीदवार बनाया था। किशोर ने दावा किया कि बीते रविवार रात करीब आठ बजे अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे, तभी रात में बारह बजे के बाद भाजपा के कुछ विधायक उनके पास पहुंचे और पांडेय को नामांकन वापस लेने को कहा गया। इस बीच, सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल है जिसमें पांडेय कुछ भाजपा नेताओं से मिलते नजर आ रहे हैं। किशोर ने कहा कि हम पीछे हटने वाले नहीं। एक अन्य तस्वीर में पार्टी के उम्मीदवार भाजपा चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से हाथ मिलते दिखे हैं। किशोर ने बताया कि उनकी पार्टी ने बिहार की सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन तीन प्रत्याशियों के नामांकन वापस लेने के बाद अब जन सुराज पार्टी 240 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

नीतीश का लालू पर निशाना, कहा- सत्ता में रहते महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया

- बोले- निराशाजनक रहा राजद के साथ दो बार का गठबंधन

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राजद के प्रमुख लालू प्रसाद पर तीखा हमला बोला और कहा कि उन्होंने सत्ता में रहते महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया तथा चारा घोटाले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद पद छोड़ने की नौबत आई तो अपनी पत्नी राबड़ी देवी को ही मुख्यमंत्री बना दिया।

जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष कुमार ने मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर विधानसभा क्षेत्र में राजग की पहली चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजद अध्यक्ष को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजद के साथ दो बार हुए गठबंधन के अनुभव से वह निराश हो गए और अब राजग के साथ स्थायी रूप से बने रहने का संकल्प लिया है। महिला सशक्तीकरण को लेकर अपनी सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए कुमार ने कहा कि उनकी सरकार ने बड़े पैमाने पर स्वयं सहायता समूह बनाए हैं और हाल ही में शुरू की गई 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत एक करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में प्रत्येक को 10,000 रुपए की राशि भेजी गई है।

उन्होंने लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा, जो लोग पहले सत्ता में थे, क्या उन्होंने महिलाओं के लिए कुछ किया। उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं थी। जब सात साल मुख्यमंत्री रहने के बाद इस्तीफा देना अनिवार्य हो गया, तो पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया। नीतीश ने कहा, परिस्थितियों के कारण मुझे उनके साथ जाना पड़ा, लेकिन जल्द ही एहसास हो गया कि वे किसी काम के नहीं हैं। अब मैं हमेशा के लिए राजग में वापस आ गया हूं।

नीतीश ने भाजपा की महिला उम्मीदवार को माला पहनाई, तेजस्वी ने स्वास्थ्य पर उठाए सवाल

पटना/मुजफ्फरपुर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को एक चुनावी सभा के दौरान महिला उम्मीदवार को माला पहनाकर और रोकने की कोशिश करने पर करीबी सहयोगी संजय झा को डांटकर अपने स्वास्थ्य पर नई अटकलों को जन्म दे दिया।

नीतीश ने चुनाव अभियान की शुरुआत मुजफ्फरपुर के मीनापुर विधानसभा क्षेत्र से की। यहां उनका कार्यक्रम जदयू प्रत्याशी अजय कुशवाहा का नाम गलत उच्चारित करने और औराई सीट से भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद के नाम के आगे 'श्री' जोड़ देने पर चर्चा में रहा। इसके बाद वह भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद को माला पहनाने के लिए बढ़े, रमा इस पर असहज दिखीं। राजनीतिक कार्यक्रमों में पुरुषों को माला पहनाने और महिलाओं को हाथ में माला सौंपने की परंपरा रही है। रमा मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं। स्थिति संभालने के लिए जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने नीतीश का हाथ थामने की कोशिश की लेकिन जब उन्हें लगा कि मुख्यमंत्री उनकी बात से नाराज हैं तो पीछे हट गए। नीतीश ने संजय झा की ओर मुड़कर कहा, 'तुम भी अजीब आदमी हो,' और फिर रमा निषाद के गले में माला डाल दी। इस घटना का वीडियो राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा करते हुए लिखा, 'वह सच में अजीब व्यक्ति हैं। अगर वह पूरी तरह स्वस्थ हैं तो फिर लिखी हुई पर्ची से भाषण क्यों पढ़ रहे हैं और ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं।

पूर्वी चंपारण में महागठबंधन प्रत्याशी समेत 42, पश्चिमी चंपारण में 25 परचे निरस्त

मोतिहारी/बेतिया। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के तहत 42 प्रत्यशियों के नामांकन पत्र अस्वीकृत कर दिए गए हैं। इनमें इंडिया महागठबंधन के एक और बसपा के तीन प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। दो ऐसे भी विधानसभा क्षेत्र हैं जहां स्वीकृत से अधिक नामांकन अस्वीकृत किए गए हैं। पूर्वी चंपारण जिले के कुल 12 विधानसभा क्षेत्रों के लिए दूसरे चरण में चुनाव होना है। सोमवार तक जिले के सभी 12 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 142 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। उधर, पश्चिमी चंपारण में नौ विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के नामांकन पत्रों की जांच की गई, इसमें 25 अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र विभिन्न तकनीकी कारणों से रद्द कर दिए गए। जांच प्रक्रिया सामान्य प्रेक्षकों की मौजूदगी और अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई।

धार्मिक पोस्टर जलाने पर भागलपुर में विवाद

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के हबीबपुर थाना क्षेत्र में बीती रात एक धार्मिक पोस्टर को उखाड़कर जलाए जाने को लेकर मंगलवार को एक विशेष समुदाय के लोगों ने सड़क जाम कर हंगामा किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना करोड़ी बाजार में हुई, जहां एक दुकान के छज्जे पर लगे धार्मिक पोस्टर को कुछ असामाजिक तत्वों ने सोमवार देर रात उखाड़कर जला दिया। इसके बाद गुस्साए लोगों ने मंगलवार को सड़क पर उतरकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इस घटना में शामिल चार लोगों की पहचान की और उनमें से तीन को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इन लोगों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता देने वाली सरकार चाहते हैं बिहार के युवा मतदाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दल भले ही कई मुद्दों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हैं, लेकिन राज्य के युवाओं के लिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा रोजगार सृजन सबसे अहम मुद्दे हैं। युवाओं का कहना है कि वे ऐसी सरकार चाहती हैं जो शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करे और रोजगार के अवसर पैदा करे। पहली बार मतदान करने जा रहे युवा भी राज्य में बेरोजगारी तथा पलायन की स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

राज्य में 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होना है। पटना विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के स्नातकोत्तर छात्र अभिनव कुमार शुक्ला ने कहा, वर्तमान सरकार से हमारी उम्मीदें अब खत्म हो चुकी हैं। वह राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) परीक्षा की तैयारी करते हैं। उनका कहना था कि राज्य में व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन की जरूरत है। जमुई जिले के रहने वाले और दृष्टिबाधित छात्र संतोष कुमार ने कहा, पटना विश्वविद्यालय का वर्तमान उसके गौरवशाली अतीत से मेल नहीं खाता। इसके पूर्व छात्र देश-विदेश में नाम कमा चुके हैं, लेकिन आज इसकी स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि पटना विश्वविद्यालय का 'ऑक्सफोर्ड ऑफ द ईस्ट' वाला गौरव अब केवल नाम भर रह गया है।

किशोर कुमार सिंह लखनऊ स्थित शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के छात्र हैं और फिलहाल पटना विश्वविद्यालय के दृष्टिबाधित छात्रावास में रह रहे हैं। उनका कहना है, विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम, 2016 का बिहार में ठीक से क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। मैं ऐसी पार्टी को वोट दूंगा जो शिक्षा को प्राथमिकता दे और इस अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करे। उन्होंने कहा कि बिहार के विश्वविद्यालयों में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ऑडियो लैब जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। कई छात्रों ने प्रशांत किशोर के इस दावे को सराहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो बिहार के युवाओं को रोज़गार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

ज्यादातर युवा राज्य में बेरोजगारी और पलायन की स्थिति को लेकर चिंतित

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार करीब 14 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे। 18 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 1.63 करोड़ है, जो कुल मतदाताओं का लगभग 22 से 25 प्रतिशत हिस्सा हैं।

सेना और पुलिस दोनों का एक ही मिशन... राष्ट्र की रक्षा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा - समाज में उभर रहे हैं नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

- पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर केंद्रीय रक्षा मंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित की

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि एक ओर जहां सीमाओं पर अस्थिरता है, वहीं समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं। पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सिंह ने यह भी कहा कि सेना और पुलिस अलग-अलग मोर्चों पर कार्य करते हैं लेकिन उनका मिशन एक ही है - राष्ट्र की रक्षा करना।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लिए राष्ट्र की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा में संतुलन बनाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और दिल्ली पुलिस की संयुक्त परेड आयोजित की गई। वर्तमान चुनौतियों पर रक्षा मंत्री ने कहा कि अपराध अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो गया है तथा इसका उद्देश्य समाज में अराजकता पैदा करना, विश्वास को कमजोर करना तथा राष्ट्र की स्थिरता को चुनौती देना है। सिंह ने अपराध रोकने की अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के नैतिक कर्तव्य को पूरा करने के लिए पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर आज लोग चैन की नींद सो पा रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और पुलिस पर भरोसा है। यही भरोसा हमारे देश की स्थिरता की नींव है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते रक्षा मंत्री।

नक्सली समस्या पर सिंह ने कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और स्थानीय प्रशासन के ठोस और संगठित प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ कि समस्या बढ़े नहीं और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने राहत की सांस ली। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि अगले वर्ष मार्च तक नक्सल समस्या समाप्त हो जाएगी। सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों के कारण यह समस्या अब इतिहास बनने की कगार पर है। कई शीर्ष नक्सलियों का सफाया हो गया है। जो पहले हथियार उठाते थे, वे अब आत्मसमर्पण कर रहे हैं और विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में भारी कमी आई है। जो इलाके कभी लाल गलियारे के नाम से जाने जाते थे, वे अब विकास के गलियारों में तब्दील हो गए हैं। सिंह ने कहा कि लंबे समय तक एक राष्ट्र के रूप में हमने पुलिस के योगदान को पूरी तरह से मान्यता नहीं दी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने हमारे पुलिस बलों की स्मृतियों को सम्मानित करने के लिए 2018 में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना की। पुलिस को अत्याधुनिक हथियार और बेहतर सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अब उनके पास निगरानी प्रणाली, ड्रोन, फॉरेंसिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल पुलिसिंग जैसे आधुनिक साधन हैं। स्मृति दिवस हर साल सीआरपीएफ के उन 10 जवानों की याद में मनाया जाता है, जो 1959 में इसी दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में मारे गए थे।

लोकपाल को सात बीएमडब्ल्यू कारें चाहिए, जारी की निविदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्ष ने प्राथमिकताओं पर उठाए सवाल, फैसले की निंदा की

भ्रष्टाचार विरोधी संस्था लोकपाल ने लगभग पांच करोड़ रुपये में सात लक्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए एक निविदा जारी की है। इसकी विपक्ष और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ताओं ने निंदा कर संस्थान की प्राथमिकताओं और कामकाज के रिकॉर्ड पर सवाल उठाए।

निविदा और कार विनिर्माता की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में लगभग 69.5 लाख रुपये प्रति कार की ऑन-रोड कीमत वाली इस लंबी व्हीलबेस सेडान कार को इस सेगमेंट की सबसे लंबी कार के रूप में वर्णित किया गया है, जिसे बेहद शानदार केबिन में उत्कृष्ट आराम के लिए डिज़ाइन किया गया है। निविदा में लिखा है, भारत के लोकपाल सात बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज 330एलआई कारों की आपूर्ति के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इसमें 'लंबे व्हीलबेस' और सफेद रंग के 'एम स्पोर्ट' मॉडल की खरीद का उल्लेख है। खरीद संस्था के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एएम खानविलकर (सेवानिवृत्त) और छह सदस्यों के लिए वाहन उपलब्ध कराना है।

लोकपाल की निविदा में कहा गया है कि चयनित विक्रेता को भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल के चालकों और निर्दिष्ट कर्मचारियों के लिए सात दिन का एक व्यापक व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना होगा, जिसका खर्च विक्रेता द्वारा ही वहन किया जाएगा।

बेटे की मौत के बाद पंजाब के पूर्व डीजीपी और उनकी पत्नी पर दर्ज हुआ मुकदमा

चंडीगढ़, एजेंसी

- कुछ दिन पहले पिता और अपनी पत्नी पर लगाए थे गंभीर आरोप

हरियाणा पुलिस ने पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के बेटे की मौत के सिलसिले में उनके और उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुस्तफा की पत्नी रजिया सुल्ताना पंजाब की पूर्व मंत्री हैं।

हरियाणा के पंचकूला में गत बृहस्पतिवार को वकील अकील अख्तर (35) की मौत हो गई। इस मामले में उनकी पत्नी और बहन पर भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक शमशुद्दीन नामक व्यक्ति ने तहरीर में आरोप लगाया है कि अख्तर की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। उसकी शिकायत के आधार पर 20 अक्टूबर को धारा 103 (1) और 61 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई, जो हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपों से संबंधित है। पुलिस ने बताया कि शमशुद्दीन ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि अख्तर ने अपने परिवार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया था।

पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता के अनुसार, 16 अक्टूबर को पंचकूला के सेक्टर-4, एमडीसी निवासी अख्तर अपने घर पर मृत पाए गए। परिवार ने पुलिस को सूचित किया और कहा कि जब उन्होंने कमरा खोला तो वे मृत पाए गए।

पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता ने अगस्त में अख्तर द्वारा रिकॉर्ड किए गए कथित वीडियो का विवरण दिया है, जिसमें उसने अपने पिता और परिवार के अन्य सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शमशुद्दीन ने आरोप लगाया, अकील ने 27 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने अपने पिता और अपनी पत्नी के खिलाफ बहुत गंभीर आरोप लगाए थे। 1985 बैच के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी मुस्तफा पंजाब मानवाधिकार आयोग के डीजीपी रहे हैं, उनकी पत्नी पंजाब की पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री थीं। अख्तर ने परिवार के मामलों का जिक्र करते हुए वीडियो में कहा था कि वह इस वजह से काफी तनाव और मानसिक आघात से गुजर रहे हैं।

लंदन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर को आईजीआई हवाई अड्डे से वापस भेजा

नई दिल्ली। लंदन विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज की एक प्रोफेसर को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन को लेकर आईजीआई हवाई अड्डे से वापस भेज दिया गया।

गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि हिंदी की विद्वान और एसओएएस में एमेरिटा प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को सोमवार को हांगकांग से यहां पहुंचते ही निर्वासित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि वीजा शर्तों के उल्लंघन के कारण ओरसिनी मार्च 2025 से 'काली सूची' में हैं। सूत्र ने कहा, फ्रांसेस्का ओरसिनी पर्यटन वीजा पर थीं, लेकिन वह वीजा शर्तों का उल्लंघन करती रही हैं। यह एक मानक वैश्विक प्रथा है कि यदि कोई व्यक्ति वीजा शर्तों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसे काली सूची में डाला जा सकता है। फ्रांसेस्का ओरसिनी को उनकी पुस्तक 'द हिंदी पब्लिक स्फीयर 1920-1940: लैंग्वेज एंड लिटरेचर इन द ऐज ऑफ नेशनलिस्म' के लिए जाना जाता है।

ये मूर्खता की निशानी: गुहा

ओरसिनी के निर्वासन पर प्रतिक्रिया देते हुए इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने उन्हें भारतीय साहित्य की महान विद्वान बताया। गुहा ने 'एक्स' पर लिखा कि बिना किसी कारण के उन्हें निर्वासित करना एक असुरक्षित और यहां तक कि मूर्ख सरकार की निशानी है। इतिहासकार मुकुल केशवन ने कहा, सैद्धांतिक रूप से हिंदी को लेकर प्रतिबद्ध सरकार ने फ्रांसेस्का ओरसिनी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पश्चिम बंगाल : महिला चिकित्सक का हाथ मरोड़ा और मारे थप्पड़ दुष्कर्म करने की दी धमकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक जूनियर महिला डॉक्टर को एक यातायात होमगार्ड और उसके पड़ोसी ने दुष्कर्म की धमकी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार को उलूबेरिया के अस्पताल में घटी। एक गर्भवती महिला को सोमवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जूनियर डॉक्टर रोगी की जटिल स्थिति के कारण पूरी जांच नहीं कर पाई। परीक्षण के बाद रोगी के रिश्तेदार होमगार्ड ने उसकी हालत के बारे में पूछा और उनमें कहासुनी हो गई। डॉक्टर को थप्पड़ मारा गया, उसकी बांह मरोड़ी गई और गाली-गलौज भी की गई।

दिवाली के दिन बुझा बॉलीवुड का चिराग, हस्तियों में शोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमिताभ, जया, अक्षय, अजय समेत कई सितारों ने गुजरे पल याद किए

अमिताभ बच्चन और अक्षय कुमार के साथ ही अजय देवगन, शबाना आजमी और कंगना रनौत सहित कई मशहूर हस्तियों ने जाने-माने अभिनेता एवं हास्य कलाकार असरानी के निधन पर शोक व्यक्त किया और इसे फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ी क्षति बताया। शोले, छोटी सी बात और अभिमान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से मंत्रमुग्ध करने वाले एवं उद्योग के सबसे सम्मानित चरित्र कलाकारों में से एक असरानी का दिवाली के दिन सोमवार दोपहर 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

'शोले', 'अभिमान', 'चुपके-चुपके', 'नमक हराम' और कई अन्य फिल्मों में असरानी के साथ काम करने वाले बच्चन ने उन्हें 'सबसे प्रतिभाशाली सहयोगी' के रूप में याद किया। जया बच्चन को फिल्मों में लाने में असरानी की अहम भूमिका थी। जया बच्चन का उस समय नाम जया भादुड़ी था। दोनों ने एफटीआईआई से पढ़ाई की थी। बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, 'हमने एक और....असरानी सर को खो दिया है, जो एक अत्यंत प्रतिभाशाली सहकर्मी थे और फिल्म संस्थान में जया के शिक्षक थे। यह अचानक हुआ है और दुखद है...।

शबाना आजमी ने कहा कि वह असरानी के निधन की खबर सुनकर स्तब्ध हैं। शबाना आजमी पुणे स्थित भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) की पूर्व छात्रा हैं जहां से असरानी ने भी पढ़ाई की थी। उन्होंने कहा, असरानी सर फिल्म संस्थान में हमारे उच्चारण शिक्षक थे और उनके बोलने का तरीका बहुत सुंदर था। आज के जमाने में कोई यह भी नहीं जानता कि उच्चारण भी कोई चीज होती है।

अक्षय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर असरानी के साथ एक तस्वीर साझा की और आगामी फिल्म हैवान के लिए उनकी हालिया शूटिंग को याद किया। अक्षय ने प्रियदर्शन की कई फिल्मों जैसे गरम मसाला, हेराफेरी, भागम भाग और दे दना दन में असरानी के साथ काम किया है। उन्होंने लिखा, असरानी जी के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। एक सप्ताह पहले ही 'हैवान' की शूटिंग के दौरान हम गले मिले थे। वह बहुत प्यारे मनुष्य थे...। अजय ने कहा कि "बोल बच्चन" और "ऑल द बेस्ट" जैसी फिल्मों में असरानी के साथ काम करना सम्मान की बात थी।

काजोल ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी नवीनतम सीरीज द ट्रायलः प्यार कानून धोखा का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने असरानी के साथ काम किया है। उलिखा, यह खबर सुनकर मैं सदमे में हूं। राजपाल यादव ने असरानी के साथ की गई फिल्मों के दृश्यों का एक कोलाज पोस्ट किया। लिखा, असरानी साहब, आपकी एक लंबी पारी के दौरान कुछ फिल्मों का हिस्सा होने का सौभाग्य मुझे मिला। चाहे भूल भुलैया हो, 'ढोल' हो, या हमारी आखिरी फिल्म भूत बांग्ला हो, हर सीन को हिट करने में आपका विशेष योगदान रहा है।

कांस्टेबल हत्याकांड के आरोपी की मौत पर डीजीपी को नोटिस

हैदराबाद। निजामाबाद जिले में कांस्टेबल की चाकू मारकर हत्या किए जाने के बाद पुलिस की गोलीबारी में हुई आरोपी की मौत पर तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (एचआरसी) ने मंगलवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने आरोपी की मौत से जुड़े हालात पर विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने उन खबरों का संज्ञान लिया जिनमें कहा गया था कि शेख रियाज (24) को सोमवार को पुलिस ने उस समय गोली मार दी जब उसने एक सरकारी अस्पताल में एक पुलिसकर्मी से कथित तौर पर पिस्तौल छीनकर उस पर हमला करने की कोशिश की थी।

अमृत विचार

बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

सबसे महान जीत, प्रेम की होती है। यह हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।
–सम्राट अशोक

आत्मनिर्भर होती रक्षा

देश ने 2014 के बाद से रक्षा निर्यात में तीस गुना वृद्धि हासिल की है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दावा राजनीतिक वक्तव्य नहीं, आंकड़ों से समर्थित तथ्य है। रक्षा मंत्रालय के आंकड़े कहते हैं, 2014 में भारत का रक्षा निर्यात मात्र 686 करोड़ रुपये का था, आज यह बढ़कर 21,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। भारत जैसे देश के लिए, जो विश्व के सबसे बड़े हथियार आयातकों में है, यह वृद्धि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव है। हमारे शिप याड्र्स ने बीते दशक में 40 से ज्यादा स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां नौसेना को दी हैं। देश लंबे समय तक अमेरिका, रूस और फ्रांस से भारी मात्रा में हथियार आयात करता रहा है। अब हालात बदलने लगे हैं और ऐसे में उसका हथियारों का निर्यातक के रूप में उभरना वैश्विक रक्षा बाजार में युगांतकारी है। यह प्रगति व्यावसायिक उपलब्धि के साथ भारतीय सेना, वैज्ञानिकों और निजी रक्षा उद्योग के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देते हुए देश की सामरिक स्वायत्तता और 'मेक इन इंडिया' के विजन को भी मजबूती प्रदान करती है।

वर्तमान में रक्षा निर्यात के क्षेत्र में अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी शीर्ष पांच देश हैं। इन देशों की विश्व रक्षा निर्यात में संयुक्त हिस्सेदारी 75 फीसद से अधिक है। अकेले अमेरिका का योगदान ही 40 प्रतिशत है। भारत अभी भी इस सूची में वैश्विक रक्षा निर्यात में लगभग 0.3 फीसदी का हिस्सा लेकर शीर्ष 25 देशों में 22वें स्थान के आसपास है, हालांकि यह हिस्सा बहुत छोटा है, किंतु हमारी उछाल बताती है कि आने वाले दशक में शीर्ष 10 में शामिल होंगे। इस तेज वृद्धि के पीछे सरकार की नीतिगत भूमिका भी काबिले तारीफ है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत रक्षा उत्पादन के लिए एफडीआई सीमा बढ़ाई गई, रक्षा क्षेत्र के 500 से अधिक आइटमों पर आयात प्रतिबंध लगाए गए और निजी क्षेत्र के लिए अनुसंधान एवं विकास की नई राह खोली गई। इन कदमों से भारत में रक्षा स्टार्टअप्स की संख्या 500 से अधिक हो चुकी है। ये स्टार्टअप्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सैटेलाइट सिस्टम जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। आगे बढ़ने के लिए भारत को रक्षा अनुसंधान में निवेश और निजी क्षेत्र के सहयोग को और बढ़ाना होगा। रक्षा निर्यात को गति देने के लिए सरकार को निर्यात लाइसेंसिंग प्रक्रिया सरल करनी होगी, वैश्विक रक्षा प्रदर्शनियों में भारतीय कंपनियों की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी और निर्यात वित्तपोषण की स्थायी व्यवस्था करनी होगी। इससे इस दिशा में और प्रगति होगी।

सच तो यह है कि भारत का यह सफर केवल संख्याओं का नहीं बल्कि स्वाभिमान का है। जब भारत अपनी सेना के लिए बने हथियारों को अन्य देशों की सेनाओं में सेवा करते देखेगा, जब हमारी सेना अपने बनाए हरबे-हथियारों से लड़ेगी तो यह न केवल आत्मनिर्भरता की विजय होगी बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत के तकनीकी और सामरिक सामर्थ्य की गूंज भी। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की उपलब्धि। 'वोकल फॉर लोकल' का भी सशक्त प्रदर्शन होगा।

विक्रांत पर पीएम: मनोबल बढ़ाने वाला कदम

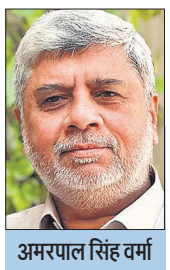

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार पणजी में भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रांत पर नौसैनिकों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। पीएम बनने के बाद मोदी ने हर साल सैनिकों के साथ दिवाली मनाने की जो परंपरा शुरू की, उन्होंने उसका इस बार भी निर्वाह किया। यह परंपरा अब एक भावनात्मक और राजनीतिक रूप में प्रतीक बन चुकी है। यह अब सिर्फ दीयों की रोशनी में सैनिकों के साथ मिठाई बांटने का दृश्य नहीं है, बल्कि उस गहरी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन है, जिसमें 'सरकार और सैनिक' के बीच की दूरी मिटाने की कोशिश नजर आती है।

देश की राजनीति में त्योहारों का इस्तेमाल हमेशा जनसंपर्क के अवसर के रूप में होता आया है, पर मोदी ने इसे नया आयाम दिया है। उन्होंने सत्ता के केंद्र दिल्ली की जगमगाहट छोड़कर वह रास्ता चुना, जो सीमाओं की सर्द हवाओं, पहाड़ी चौकियों और रेतीले रेगिस्तान में घरों से दूर बैठे सैनिकों के पास पहुंचता है। वर्ष 2014 में पीएम बनने के बाद मोदी हर साल किसी न किसी सीमा पर जाते हैं। अब तक वह जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जवानों के साथ दीपावली मना चुके हैं। हर बार इससे यह संदेश गया है कि राष्ट्र की सुरक्षा में लगे जवानों को राष्ट्र का अंग-संग रख रहा है।

मोदी के पणजी दौरे से देश भर में हमारी सेनाओं की भी आत्मनिर्भरता की खूब चर्चा है। जैसा कि मोदी ने कहा है, पिछले दशक में भारत की सेनाओं ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ी प्रगति की है। हजारों रक्षा उपकरण अब देश में ही निर्मित हो रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में भारत का रक्षा उत्पादन तीन गुना बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। बीते दस वर्षों में रक्षा निर्यात 30 गुना बढ़ा है।

राजनीतिक आलोचक मोदी के हर दिवाली पर जवानों के बीच जाने को 'राजनीतिक इवेंट' का हिस्सा बताते हैं, पर मोदी के साथ आने वाले जवानों की तस्वीरों से पता चलता है मोदी ने किस कदर सेना के मनोबल को बढ़ाने का काम किया है। जब मोदी दीपावली मनाने जाते हैं, तो जवानों के लिए यह केवल प्रधानमंत्री की यात्रा नहीं होती, बल्कि उन्हें यह अहसास होता है कि जैसे देश के नागरिकों की ओर से उन्हें सामूहिक सम्मान दिया जा रहा है। मोदी का सीमा पर दीपावली मनाना न केवल जनता के बीच उन्हें सरोकारी नेता के रूप में प्रस्तुत करता है, बल्कि इससे वह भावनात्मक कड़ी भी मजबूत होती है, जो आम देशवासियों को सेना के प्रति गर्व से भरती है।

हर दीपावली पर जब मोदी सैनिकों के साथ दीपक जलाते हैं, तो मीडिया में छाई इस मौके की तस्वीरें देशभक्ति की प्रतीक बन जाती हैं। ऐसा करके मोदी यह संदेश भी दे जाते हैं कि देश की रक्षा और सीमाओं की सजगता पर सरकार का सर्वोपरि ध्यान है। मोदी द्वारा शुरू की गई यह परंपरा राष्ट्रवाद को एक नए रूप में प्रस्तुत करती है। मोदी के पीएम बनने से पहले सैनिकों का जिक्र परेड या शहीदी दिवस पर होता था, वहीं इसके बाद त्योहारों में भी उनका उल्लेख एक नई शुरुआत है, जो आम लोगों को सीमा प्रहरियों के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ता है।

अब त्योहारों में सैनिकों की उपस्थिति एक सामान्य परंपरा बन गई है। यह बदलाव इस बात का परिचायक है कि राष्ट्रवाद अब केवल नारों या झंडों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह संवेदना और सहभागिता का हिस्सा बन गया है। मोदी की जवानों के साथ हर वर्ष की दिवाली राष्ट्रवाद की नई परंपरा बनकर उभरी है। जब कोई प्रधानमंत्री जवानों के बीच बैठकर कहता है कि आप सब मेरे परिवार का हिस्सा हैं, तो ये शब्द आत्मीयता का भाव जगाते हैं। मोदी का हर दीपावली पर सैनिकों के पास जाना बहुत कुछ कहता है। सीमाओं पर दिया जलाना केवल अंधकार को मिटाने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उस भय और अनदेखेपन को दूर करने का भी संकेत है, जो दशकों से सीमा चौकियों को देश के सामाजिक मानस से अलग रख हुए था। अब दूरदराज सीमाओं पर बैठे सैनिक हमारे दीपोत्सव की जगमग में बराबर की भागीदारी करते नजर आते हैं। यह केवल एक व्यक्ति की शैली नहीं है, बल्कि आने वाले समय में यह सत्ता की संवेदनशीलता की स्थायी परंपरा बन कर उभरेगी। मोदी हमेशा ऐसा कुछ रचते हैं, जिसकी सत्ता के शीर्ष स्तर से कभी अनदेखी नहीं की जा सकेगी। मोदी की हर शुरुआत चिरस्थाई बन रही है। कोई हैरानी नहीं होगी, यदि भविष्य के प्रधानमंत्रियों को भी देश इन तमाम परंपराओं को निभाते देखे।

किसी भी प्रधानमंत्री का सैनिकों के बीच जा कर त्योहार मनाना उनका मनोबल बढ़ाने वाला है। सैनिकों का मनोबल केवल हथियारों से नहीं बल्कि समाज और सरकार के व्यवहार से बनता है। प्रधानमंत्री का हर साल जवानों के बीच पहुंचना यह संदेश देता है कि देश उन्हें हमेशा याद रखता है। इससे सैनिक महसूस करते हैं कि सरहद पर उनकी ड्यूटी केवल आदेश का पालन ही नहीं, बल्कि सम्मान का भी प्रतीक है।

सीमा पर दिवाली मनाना केवल एक राजनीतिक क्रियाकलाप नहीं है बल्कि यह सत्ता और सैनिकों, नेता और नागरिकों, शहरों और सीमा चौकियों के बीच एक भावनात्मक पुल है। मोदी की यह परंपरा उस दीपक की तरह है, जो न केवल अंधेरे को मिटाता है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि देश का असली उजाला वहीं से आता है जहां वर्दी में हमारे सीमा प्रहरी निगेहबानी की लौ जलाए खड़े हैं। जब सरहद पर दिया जलता है तो राजनीति, राष्ट्र और मानवता एक साथ दिवाली मनाते प्रतीत होते हैं। यह दिया भले ही सरहद पर प्रज्ज्वलित होता है, पर उसकी रोशनी से समूचा देश जगमगाता है।

पीएम मोदी का जवानों संग दिवाली मनाना उस गहरी राष्ट्रीय भावना का प्रदर्शन है, जिसमें 'सरकार और सैनिक' के बीच की दूरी मिटाने की कोशिश नजर आती है।

सोशल फोरम

रेयान ने छोटी उम्र में देखा बड़ा सपना

वह लड़का, जिसने डेढ़ मिलियन अफ्रीकियों की प्यास बुझाई, इसका नाम RYAN है, और वह मई 1991 में कनाडा में पैदा हुआ था। जब वह सिर्फ छह साल का था, उसके शिक्षक ने कक्षा में बताया कि अफ्रीका के बच्चे किस परेशानी में रहते हैं। वह इस बात से बहुत प्रभावित हुआ कि कुछ बच्चे प्यास से मर जाते हैं, जबकि वह खुद बस नल खोलकर साफ पानी पी सकता था। रायन ने अपने शिक्षक से पूछा कि अफ्रीका तक पानी पहुंचाने में कितना खर्च आएगा। शिक्षक ने बताया कि एक संस्था है जिसका नाम 'वॉटर कैन' (WaterCan) है, जो लगभग 70 डॉलर में एक कुआं बनवा देती है।

SHOAIB GAZI
शोएब गाजी
ब्लॉगर

घर पहुंचकर रायन ने अपनी मां SUSEN से कहा कि उसे अफ्रीकी बच्चों के लिए कुआं खरीदने के लिए 70 डॉलर चाहिए। उसकी मां ने कहा कि उसे यह पैसा खुद मेहनत से कमाना होगा और उसे कुछ छोटे-मोटे काम बताए, ताकि वह हर हफ्ते कुछ डॉलर कमा सके। आखिरकार उसने 70 डॉलर बचा लिए और वॉटर कैन संस्था के पास गया।

वहां उसे बताया गया कि एक असली कुएं की खुदाई की लागत 2,000 डॉलर है। उसकी माँ ने साफ कहा कि वह इतना पैसा नहीं दे सकती, लेकिन रायन ने हार नहीं मानी। वह अपने मोहल्ले में काम करता रहा, अपने भाइयों, पड़ोसियों और दोस्तों को साथ जोड़ा, ताकि आवश्यक फंड जुटाया जा सके।

आखिरकार जनवरी 1999 में उत्तरी युगांडा के एक गांव में कुएं की खुदाई की गई। कुआं बनने के बाद, रायन के स्कूल ने भी मदद शुरू की। साल 2000 में, वे उस गांव पहुंचे, जहां सैकड़ों लोग उनका स्वागत करने आए। उन्होंने रायन का नाम लेकर नारे लगाए।

रायन ने हैरानी से पूछा, "उन्हें मेरा नाम भी पता है?"

गाइड ने मुस्कराते हुए कहा, "100 किलोमीटर के दायरे में हर कोई जानता है।"

आज रायन 34 साल का है। वह अपनी फाउंडेशन चलाता है और अब तक अफ्रीका में 400 से ज़्यादा कुएं बनवा चुका है। वह वहां शिक्षा को बढ़ावा देने और लोगों को कुओं की देखभाल और पानी प्रबंधन सिखाने का भी काम करता है। जब हम बहुत सी बेकार चीजों में उलझे रहते हैं, तो याद रखना चाहिए कि एक सच्चे हीरो को सम्मान देना ही सबसे बड़ी बात है। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

एक जंग हो गांव के अंधेरे के खिलाफ

गांवों में अंधेरा सिर्फ रात का नहीं है, यह जीवन की हर दिशा में फैला हुआ है। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का काम, किसानों की मेहनत, यहां तक कि लोगों की सेहत तक पर इस कटौती का असर दिखता है। गांवों में शाम होते ही सन्नाटा उतर आता है, सिर्फ इसलिए नहीं कि दिन ढल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि बिजली कब जाएगी, इसका कोई भरोसा नहीं होता। अचानक बुझ जाने वाले बल्ब और बंद होते पंखे लोगों के रोजमर्रा का हिस्सा बन चुके हैं। यहां अंधेरा सिर्फ रात का नहीं है, यह जीवन की हर दिशा में फैला हुआ है। बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं का काम, किसानों की मेहनत, यहां तक कि लोगों की सेहत तक इस कटौती का असर दिखता है। ग्रामीणों के लिए बिजली एक अधिकार नहीं, बल्कि एक इंतजार बन गई है। एक ऐसी रोशनी, जिसका आना-जाना उनकी सांसों की लय तय करता है।

अनिता
एक्टिविस्ट

बिजली कटौती का असर सबसे गहराई से महिलाओं और किशोरियों पर पड़ता है। घर के भीतर का सारा बोझ उन्हीं के कंधों पर होता है। जब रात में बिजली चली जाती है, तो वे रसोई में अंधेरे में खाना बनाने, मिट्टी के तेल या मोबाइल की रोशनी में पानी भरने और बच्चों को सुलाने का संघर्ष करती हैं। गर्मियों में जब हवाएं झुलसा देने वाली होती हैं, तब बंद पंखों और बुझी लाइटों के बीच बच्चों का रोना, बुजुर्गों की बेचैनी और घर की घुटन बढ़ जाती है। किशोरियां, जो दिन में स्कूल से लौटकर शाम को पढ़ाई करना चाहती हैं, उन्हें टॉर्च या मोमबत्ती की हल्की लौ में आंखें चौंधियाते हुए किताबों पर झुकना पड़ता है। कई बार यह भी देखा गया है कि अंधेरे के कारण घर से बाहर निकलना उनके लिए असुरक्षित हो जाता है, जिससे उनकी आजादी और सीमित हो जाती है।

इस कटौती का सबसे बड़ा झटका किसानों को लगता है। खेतों में सिंचाई करने वाली मोटर अक्सर बिजली के अभाव में बंद रहती है। कई बार किसान रात के अंधेरे में तब तक खेतों में जागते हैं, जब तक बिजली न आ जाए। फसलें सूख जाती हैं, क्योंकि तय समय पर पानी नहीं मिल पाता। खासकर गर्मियों और सूखे के मौसम में बिजली कटौती खेती की लागत और चिंता दोनों बढ़ा देती है। खेतों में सौर पंप और बैटरी सिस्टम कुछ राहत देते हैं, लेकिन हर किसान इनकी लागत नहीं उठा सकता।स्वास्थ्य केंद्रों में भी यह समस्या कम नहीं है। कई बार टीकाकरण या दवाओं को ठंडा रखने के लिए जरूरी फ्रिज या उपकरण काम नहीं कर पाते। रात में मरीजों के इलाज के दौरान अंधेरा फैल जाने पर नर्स और स्वास्थ्यकर्मी टॉर्च या मोबाइल की रोशनी का सहारा लेते हैं। यह स्थिति उस मानवीय असमानता को उजागर करती है, जिसमें बुनियादी सुविधा के अभाव से ग्रामीणों का स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन-गुणवत्ता प्रभावित होती है।

राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की स्थिति पर नजर डालें तो, 2024 के एक अध्ययन में बताया गया है कि राज्य के लगभग 30 प्रतिशत ग्रामीण घरों को प्रतिदिन 12 घंटे से कम बिजली मिलती है। कई क्षेत्रों में शिकायत के बाद भी बिजली बहाल होने में छह घंटे से ज्यादा समय लगता है। बिजली की गुणवत्ता भी चिंता का विषय है। इसमें वोल्टेज में बार-बार उतार-चढ़ाव के कारण उपकरण खराब हो जाते हैं, हालांकि राज्य सरकार के प्रयासों से राज्य के लगभग सभी गांवों में बिजली का कनेक्शन पहुंच चुका है, लेकिन निरंतर आपूर्ति अभी भी चुनौती है। यह अंतर बिजली पहुंच और बिजली उपलब्धता के बीच की खाई को उजागर करता है। बिजली कटौती का असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। किशोरियां बार-बार कहती हैं कि अंधेरे में पढ़ाई करना आंखों और मन दोनों को थका देता है।

प्रसंगवश

हंसी खत्म हो सकती है असरानी नहीं

हरीश उप्रेती करन
रंगकर्मी

सिनेमा के विशाल परदे पर कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिर्फ अभिनय नहीं करते, बल्कि दर्शकों के मन में एक भाव बनकर बस जाते हैं। वे पीढ़ियां पार करते हुए भी अपनी सहजता, सरलता और संवेदना से अमिट छाप छोड़ते हैं। ऐसे ही कलाकार थे- गोवर्धन असरानी, जिन्हें पूरा देश बस 'असरानी' के नाम से जानता और प्यार करता है। वे हंसी के कलाकार थे, मगर उनकी हंसी के पीछे एक गहरी मानवीयता, एक करुण संवेदना और जीवन को देखने का गंभीर दृष्टिकोण छिपा था। उन्होंने साबित किया कि हास्य केवल हंसाने का साधन नहीं होता, बल्कि समाज के आईने में सच्चाई दिखाने का सबसे प्रभावी माध्यम भी हो सकता है।

मुंबई में जूहू बीच पर समुद्र किनारे सूरज की किरणों के बीच, कई कलाकार और फिल्म जगत के लोग अपने दिन की शुरुआत योग और ध्यान से करते थे। मैं भी वहां जाया करता था। अक्सर, वहीं उसी रेत पर असरानी भी आते थे। वे सुबह-सुबह ध्यान मुद्रा में बैठ जाते, चेहरे पर अद्भुत शांति लिए हुए। जूहू के उसी समुद्र तट पर, एक भिखारी भी था, जो भीषण गर्मी में भी कंबल ओढ़कर एक नारियल के पेड़ के नीचे सोया रहता था। असरानी की एक आदत ने हमें अंदर तक छू लिया। वे जब भी शनिवार या रविवार को ध्यान-योग के बाद लौटते, तो उस भिखारी को जगाकर 100 रुपये का नोट थमा देते। न कोई दिखावा, न कैमरा, न कोई हल्ला... बस चुपचाप दया का एक कर्म।

असरानी ने सिनेमा में वह किया, जो बहुत कम अभिनेता कर पाए। 'शोले' में उनका मशहूर डायलॉग, "हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं...।" आज भी दर्शकों की जुबान पर है, लेकिन उनके किरदार सिर्फ हंसाते नहीं थे, वे समाज के भीतर छिपी विडंबनाओं को उजागर करते थे। 'चुपके चुपके', 'अमर प्रेम', 'बावर्ची', 'कटी पतंग', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'चला मुरारी हीरो बनने' जैसी फिल्मों में उन्होंने हर बार अपनी विविधता और संवेदनशीलता का प्रमाण दिया। उनकी कॉमेडी में कभी फूहड़पन नहीं था। वह जीवन का सीधा और सच्चा प्रतिबिंब थी।

समय बीतता जाएगा, नई फिल्में बनेंगी, नए हास्य कलाकार आएंगे, पर दूसरा असरानी न था, न होगा। वे सिर्फ हंसी के उस्ताद नहीं, बल्कि जीवन के दार्शनिक थे। वे यह सिखा गए कि हंसी, करुणा और विनम्रता- ये तीनों ही इंसानियत की सबसे बड़ी ताकत हैं। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तो सिनेमा ने सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि एक युग खो दिया है। उनकी याद में समर्पित यह पंक्ति शायद उनकी आत्मा को सबसे अधिक सही श्रद्धांजलि होगी, 'हँसी खत्म हो सकती है, असरानी नहीं, क्योंकि उनका असर हर मुस्कान में जीवित है।'

आमने

लखनऊ को स्मार्ट सिटी कहा जाता है, लेकिन सड़कों पर जाम और कचरा अब भी आम है। मैं इस (अयोध्या दीपोत्सव) पर कोई राय नहीं देना चाहता, लेकिन हमें दीयों और मोमबत्तियों पर इतना खर्च क्यों करना पड़ता है। दुनिया के कई देशों में क्रिसमस पर शहर महीनों तक जगमगाते रहते हैं।
-अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

सामने

अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर सपा प्रमुख का बयान उनकी विकृत मानसिकता और देश के बहुसंख्यकों का अपमान करने के तरीके का प्रतीक हैं। अखिलेश यादव कहते हैं कि उजाले के बाद अंधेरा अच्छा नहीं होता, जबकि असली अंधेरा उनकी सोच में है। **-भूपेंद्र चौधरी**
अध्यक्ष, भाजपा उप्र

गुमशुदा की तलाश में 'आधार' बनेगा आधार

आलोक तिवारी
स्वतंत्र पत्रकार

देश में हर साल लाखों लोग लापता हो जाते हैं और उनके परिवारों को अपनों की तलाश में भटकना पड़ता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2023 तक चार लाख 84 हजार 584 लापता व्यक्तियों के मामले विभिन्न राज्यों में दर्ज हो चुके हैं। इनमें से बच्चों के अपहरण एवं लापता मामलों की संख्या 79 हजार 884 है। निश्चित रूप से यह संख्या और बढ़ी होगी! वस्तुतः यह वे मामले हैं, जो दर्ज किए गए हैं। ऐसे कितने मामलों में तो पारिवारिक प्रतिष्ठा एवं अन्य कारणों से रिपोर्ट ही दर्ज नहीं कराई जाती है। कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज का महत्वपूर्ण फैसला उम्मीद की किरण बनकर उभरा है।

इस फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लापता व्यक्तियों की जांच में आधार कार्ड के उपयोग की लोकेशन और समय की जानकारी UIDAI (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) पुलिस एवं जांच एजेंसियों के साथ साझा कर सकता है, बशर्ते हाईकोर्ट से अनुमति ली जाए। यह फैसला न केवल प्राइवेसी के अधिकार का सम्मान करता है, बल्कि जीवन रक्षा के मौलिक अधिकार को प्राथमिकता देता है।

यह मामला हुबली-धारवाड़ के निवासी श्री कृष्णमूर्ति से जुड़ा है, जिनका बेटा विजय कृष्णमूर्ति 2019 से लापता है। परिवार और पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन 2023 में पिता को पता चला कि उनके बेटे के आधार कार्ड का उपयोग और प्रमाणीकरण (ऑथेंटिकेशन) कहीं हुआ है। इससे उम्मीद जगी कि शायद बेटा जीवित है या कोई उसका दुरुपयोग कर रहा है। पिता ने यह जानकारी पुलिस को दी और UIDAI से आधार उपयोग का विवरण मांगने का अनुरोध किया।

पुलिस ने UIDAI से संपर्क किया, लेकिन UIDAI ने सूचना देने से इनकार कर दिया। उनका तर्क था कि यह जानकारी व्यक्ति की निजता (राइट टू प्राइवेसी) के अंतर्गत आती है और सुप्रीम कोर्ट के 2017 के पुट्टस्वामी फैसले में निजता को मौलिक अधिकार माना गया है। UIDAI ने आधार अधिनियम 2016 की धारा 29 का हवाला दिया, जो आधार डेटा साझा करने पर प्रतिबंध लगाती है। निराश पिता ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जहां न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज ने मामले की सुनवाई की।

कोर्ट ने 23 सितंबर 2025 को दिए अपने आदेश में आधार अधिनियम की गहराई से व्याख्या की। कोर्ट ने माना कि आधार का उद्देश्य नागरिकों की पहचान सुनिश्चित करना और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है, लेकिन इसका दुरुपयोग रोकने के लिए बायोमेट्रिक डेटा (जैसे फिंगरप्रिंट, आईरिस स्कैन) और व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं की जा सकती, हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 29 का प्रतिबंध 'निरपेक्ष' (एब्सोल्यूट) नहीं है। आधार अधिनियम की धारा 33 के तहत, यदि जांच एजेंसी को आधार उपयोग की जानकारी जीवन रक्षा या लापता व्यक्ति की तलाश के लिए जरूरी लगे, तो हाईकोर्ट अनुमति देकर UIDAI को ऐसी सूचना साझा करने का आदेश दे सकता है।

कोर्ट ने UIDAI को निर्देश दिया कि वे पुलिस को केवल आधार कार्ड के उपयोग की लोकेशन और समय की जानकारी दें, न कि बायोमेट्रिक या अन्य संवेदनशील डेटा। इससे पुलिस आधार का उपयोग किए गए स्थान पर जाकर अपनी जांच आगे बढ़ा सकेगी, न्यायमूर्ति गोविंदराज ने कहा, "जब किसी व्यक्ति की जान दांव पर हो, तो प्राइवेसी का अधिकार जीवन के अधिकार के सामने झुक सकता है।" यह फैसला पुट्टस्वामी जजमेंट की भावना को बनाए रखते हुए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। जहां प्राइवेसी मौलिक है, लेकिन अपवादों में सार्वजनिक हित को प्राथमिकता दी जा सकती है। यह फैसला एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह लापता व्यक्तियों की तलाश में डिजिटल टूल्स का उपयोग खोलता है। भारत में हर साल लाखों लोग लापता होते हैं। एनसीआरबी के अनुसार, 2023 में ही पांच लाख के लगभग मामले थे और 2025 में यह संख्या बढ़ रही है। ऐसे में आधार डेटा से पुलिस को मदद मिल सकती है।

यहां एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है, क्या हर आम नागरिक, खासकर गरीब परिवार, हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकता है? कानूनी प्रक्रिया महंगी और जटिल है, जो कई परिवारों की पहुंच से बाहर है। मेरे विचार से, सरकार को इस दिशा में सुधार करने चाहिए। UIDAI और सरकार एक सामान्य दिशा-निर्देश (जनरल ऑर्डर) जारी कर सकते हैं, जिससे लापता या फरार व्यक्तियों के मामलों में पुलिस और जांच एजेंसियों को सीधे आधार उपयोग की जानकारी मिल सके। हर बार हाईकोर्ट जाने की जरूरत न हो।

यह घटना हमें सिखाती है कि आधार कार्ड की सुरक्षा और अपडेट कितनी महत्वपूर्ण है। परिवारों को चाहिए कि अपने बच्चों के आधार में अपना मोबाइल नंबर दर्ज करवाना सुनिश्चित करें, तथा उस मोबाइल नंबर को हमेशा सक्रिय रखें साथ ही UIDAI आन लाइन पोर्टल (uidai.gov.in) से समय-समय पर उस आधार कार्ड के उपयोग की जानकारी चेक करते रहें और यदि कोई दुरुपयोग लगे, तो तुरंत शिकायत दर्ज करें।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुमशुदा लोगों के मामले में ऐतिहासिक फैसला दिया है। उसने लापता व्यक्तियों की तलाश में UIDAI को आधार उपयोग की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

ताने-बाने में बसी कला और कौशल

सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश का एक ऐसा नगर है, जो भौगोलिक नक्शे पर भले ही बहुत बड़ा नहीं है, परंतु इसकी स्मृतियों, साहित्यिक व सांस्कृतिक धरोहरों की गहराइयां इतनी विराट हैं कि वहां से निकले लोग पूरे भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्य, सिनेमा और भावनात्मक चेतना में अपना चिरस्थायी स्थान रखते हैं। यहां की मिट्टी में शब्द, राग और रूहानियत का गहरा रंग घुला है। अमरोहा में जन्मे लेखक, फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही और उनकी शरीके हयात 'ट्रेजेडी क्वीन' अभिनेत्री मीना कुमारी से पूरा संसार परिचित है। उर्दू अदब में सबसे चर्चित और पसंद किए जाने वाली एक शख्सियत जॉन एलिया का जन्मस्थान भी अमरोहा है। उनके कलाम से नई पीढ़ी आज भी उतना ही प्रभावित है, जितना उनके दौर में लोग उन्हें पसंद करते थे।

डॉ. पारुल तोमर
नई दिल्ली

अमरोहा की गलियां उर्दू तहजीब का खजाना हैं, जहां अब भी पुरानी हवेलियों, इत्र, कागज और किताबों की दुकानों से अदब की खुशबू आती है। इसी अमरोहा जनपद के नौगावां सादात क्षेत्र के एक छोटे से गांव मखदूमपुर के हथकरघों में बुना हर धागा जैसे अपनी एक अलग यात्रा पर निकल पड़ा है। इसकी संकरी गलियों में सुबह की किरणें जैसे ही उतरती हैं, हथकरघों की खट-खट वातावरण में गूंजने लगती है। यह आवाज सिर्फ कपड़ा बुनने की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक सांस्कृतिक धड़कन की आवाज है। यहां के बुनकर, जिनकी उंगलियां धागों को मानो सांस लेने की लय देती हैं। ये कपास, रेशम और जरी के तानों-बानों में पूरे अमरोहा की पहचान बुनते हैं। बुनकरों के हाथों में बारीकी और डिजाइन का अद्भुत संगम है। ये रंग-बिरंगे गलीचे, चादर आदि को इस तरह कुशलता से बुनते हैं, जैसे कोई चित्रकार अपने कैनवास पर रंग भर रहा हो। फूल-पत्तियों के पैटर्न, ज्यामितीय आकृतियां और पारंपरिक नक्शे इनको अद्वितीय पहचान देते हैं, जो कभी गांव की चौपाल और घर आंगन में बिछी चारपाई का हिस्सा बनते हैं, तो कभी हजारों मील दूर विदेश के किसी आलीशान ड्राइंग रूम के फर्श की शान बढ़ाते हैं। आज देश-विदेश में अमरोहवी गलीचे, चादरें, दोहरें, कुशन आदि घर-घर की पसंद बन चुके हैं।

7 अगस्त 1905 को जब स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई, तब देशवासियों ने विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार कर हथकरघा उद्योग को पुनः जीवन देना शुरू किया। यह एक सांस्कृतिक और आर्थिक विद्रोह था, जिसमें करघे पर बनी खादी सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि आत्मबल का प्रतीक बन गई थी। हथकरघा उद्योग महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता का माध्यम बनकर उभरा है। गांवों की असंख्य महिलाएं, जो कभी घर की देहरी तक सीमित थीं, आज हथकरघे के माध्यम से आर्थिक स्वतंत्रता की ओर बढ़ रही हैं। वे घर पर रहकर ही अपनी कला से रोजगार कमा रही हैं, बच्चों को पढ़ा रही हैं, परिवार चला रही हैं।

संस्कृति व परंपरा

हथकरघा समय, मेहनत, कौशल, संस्कृति और परंपरा का यह जीवंत दस्तावेज है, जिसमें गांव-गांव की सांसें, रंग और लय बसी हुई है। लकड़ी के चौखटे पर बैठा बुनकर जब पैडल दबाता है और शटल को बारी-बारी से इधर-उधर घुमाता है, तो उसके हाथों की गति में केवल कपड़ा नहीं, बल्कि पीढ़ियों का अनुभव और स्मृति गुंथने लगती है। एक-एक धागा जैसे किसी पुरानी कहानी का अक्षर होता है और कपड़ा उसका पूरा कथानक। आज भी गांव के मिट्टी के आंगन में रखा हथकरघा अक्सर घर का केंद्र होता है। बच्चे उसके आसपास खेलते हैं, महिलाएं धागे की पूनियां बनातीं। करघे की खट-खट आवाज की मधुर धुन अपनी ओर खींचती है। यह धुन, केवल कपड़ा नहीं, बल्कि घर का चूल्हा-चौका, बच्चों की पढ़ाई और भावी जीवन का सपना भी बुन रही होती है। यह केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का प्रतीक भी है। बुनकर जानता है कि उसके धागों से बना कपड़ा न केवल तन को ढकेगा, बल्कि परंपरा, मेहनत और स्थानीय पहचान को भी दुनिया तक पहुंचाएगा। हर डिजाइन, हर पैटर्न किसी खास क्षेत्र का परिचय पत्र है। चाहे वह कश्मीर की पश्मीना हो, बनारस की जरी या आंध्र की इक्कत। हथकरघे के धागों की तरह जीवन भी तभी सुंदर बनता है, जब उसे धैर्य और प्रेम से बुना जाता है। वरना उलझे धागों की तरह उलझनें ही रह जाती हैं। यह केवल कपड़े का ताना-बाना नहीं, बल्कि मानवता के बुनियादी मूल्यों का भी करघा है, जो हमें जोड़ता है, संवारता है और हमें हमारी जड़ों से बांधता है।

आज मशीनों की तेज रफ्तार और बाजार की आर्टिफिशियल चमक-धमक के आगे यह धीमा, मेहनत-भरा शिल्प दम तोड़ रहा है। जिस कपड़े में कभी किसान का श्रमजल, बुनकर के हाथों की महक और रंगरेज की आत्मा बसती थी, उसकी जगह अब सस्ते मशीन-निर्मित सिंथेटिक कपड़ों ने बाजार पर कब्जा कर लिया है। कच्चा माल महंगा और बिक्री के रास्ते सीमित हैं, लेकिन परिवर्तन की आहट सुनाई दे रही है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, सरकारी योजनाओं और डिजाइन में आधुनिकता के प्रयोग से ये बुनकर वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं। गलीचे, बैडशीट आदि के निर्यात ने मखदूमपुर को मानचित्र पर चमका दिया है, जो गांव कभी सिर्फ स्थानीय बाजार तक सीमित था, आज उसकी पहचान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर है।

भले ही अमरोहा का हथकरघा विश्व में अपना रंग बिखेर रहा है, लेकिन यदि हमने इस उद्योग को बचाने की कोशिश नहीं की तो केवल करघे का पहिया ही नहीं रुकेगा, बल्कि रुक जाएगी वह सांस्कृतिक धारा, जो हमारी मिट्टी की महक को दुनिया तक पहुंचाती रही है। हथकरघे का संरक्षण असल में केवल कारीगरों की आजीविका का प्रश्न नहीं, बल्कि अपनी विरासत और अपनी जड़ों को बचाने का संकल्प है।

आर्ट गैलरी

अमृता शेरगिल की पेंटिंग 'सुमैर'

इस पेंटिंग को अमृता शेरगिल ने 1936 में बनाया था। इसका शीर्षक है, सुमैर। 'सुमैर' उनकी कलात्मक परिपक्वता का एक शानदार उदाहरण है। यह पेंटिंग उनकी चचेरी बहन सुमैर का एक संवेदनशील और मनमोहक पोर्ट्रेट है। इस कृति में अमृता ने यूरोपीय पोस्ट-इंप्रेशनिस्ट तकनीकों को भारतीय सौंदर्य शास्त्र के साथ मिलाया है।

सुमैर को एक हरे रंग की साड़ी में दर्शाया गया है, जिसकी जीवंतता पृष्ठभूमि के लाल और भूरे रंग के साथ एक प्रभावशाली विरोधाभास पैदा करती है। उनके चेहरे पर चिंतनशील और उदासी के भाव हैं, जो उनकी आंतरिक भावनाओं को बड़ी संजीदगी से व्यक्त करते हैं।

अमृता के बारे में

अमृता शेरगिल भारतीय उमराव सिंह और हंगेरियन मां एनटॉयनेट शेरगिल की बेटी थीं। वो 30 जनवरी 1913 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पैदा हुईं। उनके पिता संस्कृत और फारसी के विद्वान और मां ओपेरा गायिका थीं। कला के प्रति अमृता के रुझान को देखते हुए उनके माता-पिता उन्हें पेरिस ले गए। वहां उन्होंने पेंटिंग की औपचारिक शिक्षा ली। 1934 में पेरिस से भारत लौटने के बाद, अमृता शेरगिल ने अपनी कला को भारतीय वास्तविकता के करीब लाने का प्रयास किया। 'सुमैर' उसी दौर का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

-फीचर डेस्क

रंगमच का शाश्वत उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना

'लोके उपभोग्यं नाट्यं भवतु।' अर्थात नाटक संसार के लिए आनंद का साधन बने। संसार के किसी भी हिस्से में, किसी भी काल में जब नाट्य विधा का आरंभ हुआ होगा, तो उसका मूल उद्देश्य क्या रहा होगा? क्या नाटक का मूल उद्देश्य केवल संदेश देना रहा होगा या किसी विचारधारा को प्रस्तुत करना? रंगमंच का मूल तो अपने दर्शक की आत्मा से जुड़कर रसों की निष्पत्ति करना है, उसके भीतर के वे सारे भाव, जो समाज द्वारा प्रदूषित कर दिए गए हैं, उनकी शुद्धि करना है।

लव तोमर
रंगकर्मी

हाल के वर्षों में नाटक लोगों की राजनीतिक पसंद-नापसंद और उनके निजी एजेंडों पर अधिक निर्भर हो गया है। यह पूरे देश के नाटकों में अनुभव किया जा सकता है। चिंता की बात यह है कि दर्शकों की घटती संख्या पर न तो कोई ध्यान दे रहा है, न ही उसके समाधान पर विचार कर रहा है। नाटक का मूल उद्देश्य केवल राजनीतिक टिप्पणी या सामाजिक संदेश देना मात्र नहीं है। यदि यह साथ में हो पाए तो बहुत अच्छा, लेकिन मूल तो अपने दर्शक के भीतर छिपे भावों को उत्पन्न करना और उसकी आत्मा को स्पर्श करना है।

भारतमुनि का कहना है, "नाट्यं भिन्नरूपं लोकवृत्तानुकीर्तनम्।"अर्थात नाटक मनुष्य के जीवन का अनुकरण है। वहीं अरस्तू का कहना है, नाटक किसी क्रिया का अनुकरण है, जिसका उद्देश्य करुणा और भय के माध्यम से आत्मशुद्धि करना है। दो महान व्यक्ति, जो समय और संस्कृति में पूरी तरह अलग हैं, दोनों एक ही बात कह रहे हैं, "पहले भाव को छुओ, विचार अपने आप जन्म लेंगे।" आजकल नाटकों में हम देखते हैं कि अभिनेता अपने नाटक के लेखक या निर्देशक के निजी विचारों, उनकी राजनीतिक पसंद-नापसंद को अलग-अलग तरीकों से अभिव्यक्त कर रहे होते हैं। इस प्रकार भाव पर विचार हावी हो जाता है।

कैसे खो रहा है आधुनिक रंगमंच रस

प्रासंगिकता की दौड़ में रंगमंच ने अनुभूति को पीछे छोड़ दिया है। आज अनेक नाटक जीवन को दिखाते नहीं, बल्कि समझाते हैं। वे अनुभव की जगह विचार प्रस्तुत करते हैं।

चार कारण जिनसे रस मिटता है –

- थीसिस-ड्रामा- जहां नाटक पहले से ही निष्कर्ष लेकर चलता है।
- उपदेशात्मक लहजा- जहां पात्र मनुष्य नहीं, प्रवक्ता बन जाते हैं।
- विचार-प्रधान लेखन- जहां क्रिया के स्थान पर कथन होता है।
- एक-रस शैली- जहां न लय है, न मौन, न विरोधाभास- केवल सूचना।

दर्शक नाटक से जानकर लौटते हैं, जीकर नहीं और बिना अनुभूति का नाटक, नाटक नहीं- प्रचार है। हमें अपनी कहानियों को कहने की कला के अतीत की ओर लौटना होगा। देखना होगा कि किस तरह कालिदास और शेक्सपियर जैसे महान रचनाकारों ने श्रृंगार, करुण, भय, वीर आदि रसों को साधा या ग्रीक त्रासदियों में कैसे नैतिकता नाटक के अंत में स्वत: प्रकट हो जाती है। या फिर आधुनिक नाटककारों- मोहन राकेश, गिरीश कर्नाड और विजय तेंदुलकर ने अपने पात्रों के जटिल जीवन के माध्यम से भाव उत्पन्न किए, जिन्हें दर्शक अनुभव करता है। यदि कोई संदेश होता है, तो वह स्वत: प्रकट हो जाता है। संदेश को रस के माध्यम से आना चाहिए, न कि रस के स्थान पर। थिएटर का उद्देश्य सही या गलत का निष्कर्ष निकालना नहीं, बल्कि भाव उत्पन्न करना है। भाव के उत्पन्न होने पर दर्शक स्वयं अपने नैतिक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगा। रंगमच का शाश्वत उद्देश्य है, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना। साझा अनुभव, साझा सांस और साझा हृदय।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,426 .34	25,868 .60
बढ़त	62 .97	25 .45
प्रतिशत में	0 .07	0 .10

सोना 1,33,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 22 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1830, फॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300,

दिवाली पर 6.05 लाख करोड़ की हुई बिक्री

जीएसटी दरों में कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास से इस साल हुई रिकॉर्ड बिक्री

- कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जारी किया आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल दिवाली के मौके पर रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि हाल ही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई कटौती और मजबूत उपभोक्ता विश्वास के कारण इस साल दिवाली पर रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई है।

कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं। संगठन के मुताबिक, पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रही थी। मुख्यधारा की खुदरा बिक्री, खासकर गैर-कॉरपोरेट और पारंपरिक बाजारों का कुल व्यापार में 85% योगदान रहा। यह ऑनलाइन खरीदारी के दौर में छोटे व्यापारियों और भौतिक बाजारों की मजबूत वापसी को दर्शाता है।

क्षेत्रवार बिक्री के मामले में राशन सामग्री और रोजमर्रा के सामान 12, सोना एवं आभूषण 10, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बिजली उपकरण 8, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद 7, रेडिमेड कपड़े 7, उपहार 7 , घरेलू सजावट 5% रहे। इसके अलावा फर्निशिंग एवं फर्नीचर 5, मिठाई और नमकीन 5, कपड़ा एवं वस्त्र चार प्रतिशत, पूजा सामग्री 3 और फल एवं सूखे मेवे 3% भी शामिल हैं।

बिक्री का आंकड़ा

श्रेणी	आंकड़ा	विवरण
इस साल की बिक्री	6 .05 लाख करोड़	दिवाली पर बिक्री
उत्पादों की बिक्री	5 .40 लाख करोड़	उत्पादों से योगदान
सेवाओं से बिक्री	65,000 करोड़ रुपये	सेवाओं से योगदान
गत वर्ष की बिक्री	4 .25 लाख करोड़	2024 दिवाली पर बिक्री

व्यापारियों ने जीएसटी दरों में की गई कटौती को उच्च बिक्री का बताया मुख्य कारण

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा कि सेवाओं के क्षेत्र ने पैकेजिंग, आतिथ्य, कैब सेवाएं, यात्रा, कार्यक्रम आयोजन, टेंट एवं सजावट, मानव संसाधन और आपूर्ति से 65,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया। रिपोर्ट कहती है कि स्थिर मूल्य ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि बढ़ाई और उत्सव के दौरान खर्च को प्रोत्साहित किया। दिवाली पर कारोबारी गतिविधियां बढ़ने से 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिसमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का 28 प्रतिशत हिस्सा लिया।

ई-कॉमर्स की बिक्री 24% बढ़ी, क्विक कॉमर्स का जलवा

नई दिल्ली। दिवाली त्योहारी सत्र भारत के ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए शानदार रहा, जिसमें मात्रा के लिहाज से बिक्री सालाना 24% बढ़ी और सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) में 23% की वृद्धि हुई। ई-कॉमर्स क्षेत्र के मंच यूनिकॉमर्स ने यह जानकारी दी। इस दौरान क्विक कॉमर्स एप का वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रहा, जिन्होंने ऑर्डर की मात्रा में सालाना आधार पर 120% की वृद्धि दर्ज की। इसके बाद ब्रांड वेबसाइट ने 33% की वृद्धि दर्ज की। मार्केटप्लेस प्रमुख चैनल बने रहे, जिनकी कुल खरीदारी में 38% हिस्सेदारी रही और उनका ऑर्डर मात्रा के लिहाज से 8% बढ़ा। यूनिकॉमर्स ने कहा कि ये जानकारियां 2024 और 2025 में 25 दिन तक चलने वाले त्योहारी सत्र के दौरान उसके प्रमुख मंच यूनीवेयर के माध्यम से हुए 15 करोड़ से अधिक लेनदेन पर आधारित हैं।

मुहूर्त सत्र में सेंसेक्स, निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी

- नए संवत 2082 की शुरुआत पर विशेष मुहूर्त सत्र का बाजार ने किया आयोजन

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को एक घंटे के विशेष मुहूर्त कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इससे नए संवत 2082 की शुरुआत सकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 62.97 अंक चढ़कर 84,426.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,665.44 अंक के उच्च और 84,286.40 अंक के निचले स्तर तक आया। एनएसई निफ्टी 25.45 अंक की बढ़त के साथ 25,868.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 25 शेयर गिरावट के साथ जबकि 24 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक शेयर अपरिवर्तित रहा।

बीएसई-एनएसई ने नए संवत 2082 की शुरुआत और निवेशकों के लिए नई लेखा पुस्तकों के उद्घाटन पर मंगलवार को पौने दो से पौने तीन तक विशेष मुहूर्त कारोबार सत्र आयोजित किया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व के शेयर में सबसे अधिक 1.42% की वृद्धि हुई। इसके बाद एक्सिस बैंक में 0.80, इन्फोसिस में 0.72, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.60, टाटा मोटर्स में 0.55, बजाज फाइनेंस में 0.53 और टाटा स्टील में 0.52% की तेजी दर्ज की गई। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी इंडिया, ट्रेंट लिमिटेड और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में भी बढ़त दर्ज की गई।

बीएसई मिडकैप 106.95 अंक की बढ़त के साथ 46,787.20 अंक और स्मॉलकैप 486.81 अंक की चढ़कर 53,842.85 अंक पर बंद हुआ। क्षेत्रीय सूचकांकों में, औद्योगिक क्षेत्र 0.53, दूरसंचार 0.51, जिंस 0.47, पूंजीगत वस्तुओं 0.40, सेवाओं में 0.38 और धातु 0.37% बढ़ा।

बिजनेस ब्रीफ

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने को आरबीआई ने 7.7 अरब डॉलर बेचे

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को रोकने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर बेचे। आरबीआई के नवीनतम बुलेटिन में प्रकाशित अमेरिकी डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की अमेरिकी डॉलर की शुद्ध बिक्री 7 .69 अरब अमेरिकी डॉलर रही जो पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना है। केंद्रीय बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। आरबीआई का घोषित रुख यह है कि वह रुपये-डॉलर विनिमय दर के किसी स्तर या दायरे को लक्षित नहीं करता बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता हो। अगस्त में रुपये में बड़ी गिरावट आई थी।

कोयला आयात घटकर 2.05 करोड़ टन

नई दिल्ली। कोयला आयात अगस्त में सालाना आधार पर मामूली 0 .6% घटकर 2 .058 करोड़ टन रह गया। कोयला आयात अगस्त 2024 में 2 .07 करोड़ टन था। ई-कॉमर्स समाधान प्रदाता एमजंक्शन सर्विसेज के अनुसार, 2025-26 की अप्रैल-अगस्त अवधि में कोयला आयात सालाना आधार पर 12 .118 करोड़ टन से घटकर 11 .807 करोड़ टन रह गया। अगस्त के कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले की मात्रा 1 .155 करोड़ टन और कोकिंग कोयले की 48 .2 लाख टन रही। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-अगस्त के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात 7 .217 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 2 .704 करोड़ टन रहा।

बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 3% पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में मासिक आधार पर घटकर 3 प्रतिशत पर आ गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सालाना आधार पर सुधरी है लेकिन मासिक आधार पर इसमें सुस्ती दर्ज की गई है।

अगस्त में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन 6.5% बढ़ा था, जबकि पिछले साल सितंबर में यह वृद्धि 2.4% दर्ज की गई थी। सितंबर में इन बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर तीन माह में सबसे कम रही। इसके पीछे कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादन एवं प्राकृतिक गैस के उत्पादन में आई नरमी की अहम भूमिका रही। उर्वरक और सीमेंट उत्पादन की वृद्धि दर सितंबर, 2025 में धीमी होकर क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 5.3 प्रतिशत रह गई जबकि सितंबर, 2024 में यह क्रमशः 1.9 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत थी। हालांकि, इस्पात और बिजली उत्पादन में सालाना आधार पर क्रमशः 14.1 प्रतिशत और 2.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर गिरकर 2.9 प्रतिशत पर आ गई। पिछली वर्ष की समान अवधि में यह 4.3 प्रतिशत थी। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर प्रभाव पड़ता है। दरअसल आईआईपी में शामिल वस्तुओं के भारांक में इन प्रमुख उद्योगों का योगदान 40.27 प्रतिशत है।

अमेरिकी पारगमन शुल्क से भारत होगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

- 40% शुल्क से आसियान क्षेत्र की कंपनियों को होगी बड़ी दिक्कतें होंगी
- मूडीज ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट की प्रस्तुत

अमेरिका द्वारा लगाए 40% पारगमन शुल्क से भारत और आसियान क्षेत्र की कंपनियों के लिए अनुपालन से जुड़ी बड़ी दिक्कतें पैदा होने और मशीनरी, बिजली उपकरण एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्रों पर इसका खास असर पड़ने की आशंका है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने एक रिपोर्ट में यह आशंका जताई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 जुलाई को उन वस्तुओं पर 40% शुल्क लगाने की घोषणा की थी जिन्हें शुल्क से बचने के लिए तीसरे देश के रास्ते भेजा गया हो। यह व्यापक देश-स्तरीय शुल्कों के अतिरिक्त होगा। मूडीज ने मंगलवार को 'एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्यापार' पर केंद्रित अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप प्रशासन 'पारगमन' को किस तरह परिभाषित करेगा। लेकिन इस कदम के निशाने पर चीन में उत्पादित ऐसी वस्तुएं हैं जो तीसरे देशों के जरिये अमेरिका भेजी जाती हैं। पारगमन शुल्क से जुड़ी अस्पष्टता आसियान देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए जोखिम पैदा करती है। यदि अमेरिका इस परिभाषा को सीमित रखता है और केवल चीन से आयातित, प्रसंस्कृत या दोबारा लेबल लगाकर भेजी वस्तुओं को शामिल करता है तो क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं पर इसका असर सीमित रहेगा। वहीं, यदि अमेरिका व्यापक व्याख्या अपनाता है और उन वस्तुओं को शामिल करता है जिनमें चीनी सामग्री का अंश है, तो इससे एशिया-प्रशांत आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर आर्थिक नुकसान हो सकता है।

मूडीज ने कहा कि यह शुल्क आसियान के निजी क्षेत्र के लिए बड़ी अनुपालन चुनौतियां खड़ी करेगा। निर्यातकों को शुल्क से बचने के लिए उत्पादों का महत्वपूर्ण रूपांतरण साबित करने में अतिरिक्त सतर्कता और प्रमाणन शर्तों का सामना करना पड़ेगा। पारगमन जोखिमों का सबसे अधिक सामना मशीनरी, बिजली उपकरण, उपभोक्ता ऑप्टिकल उत्पादों और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों को करना पड़ सकता है।

व्यापार सांख्यिकी: निर्णय का मजबूत आधार

व्यापार सांख्यिकी वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यापार से जुड़े डेटा का संग्रह, विश्लेषण, प्रस्तुतीकरण और व्याख्या की जाती है। यह व्यवसायिक निर्णय लेने में अत्यंत सहायक होती है। चाहे किसी कंपनी को अपने मुनाफे का विश्लेषण करना हो या निवेशक को किसी सेक्टर के प्रदर्शन का अनुमान लगाना हो, व्यापार सांख्यिकी एक सटीक दिशा प्रदान करती है। यह आंकड़े बाजार के रुझान, मांग-आपूर्ति, उत्पादन स्तर और लाभ की स्थिति को समझने में मदद करते हैं। निवेशकों के लिए यह जानकारी निवेश के बेहतर निर्णय लेने की मजबूत नींव होती है।

व्यापारिक निर्णयों में भूमिका

व्यापार सांख्यिकी प्रबंधकों और नीतिनिर्माताओं को यह समझने में मदद करती है कि किन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाया जाए और कहां लागत घटाई जाए। इससे व्यवसायिक रणनीतियां तथ्य आधारित बनती हैं, जिससे जोखिम कम और लाभ की संभावना अधिक होती है।

निवेशकों के लिए मार्गदर्शक

डेटा-ड्रिवन युग में व्यापार सांख्यिकी न केवल कंपनियों बल्कि निवेशकों के लिए भी मार्गदर्शक है। यह सही जानकारी के माध्यम से बेहतर निवेश निर्णय लेने, बाजार जोखिम को समझने और दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने में सहायक है। व्यापार सांख्यिकी आधुनिक निवेश और व्यवसाय की आधारशिला है।

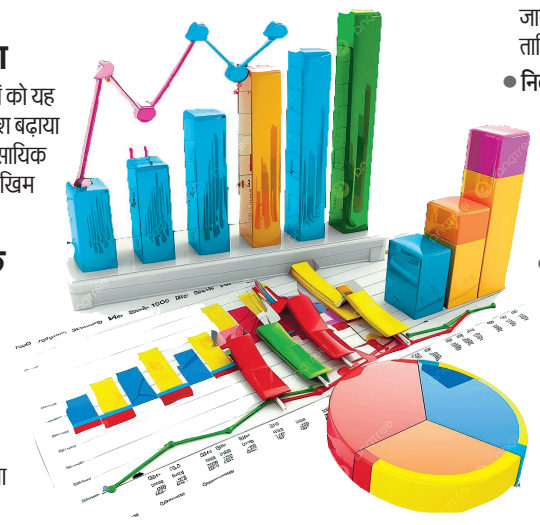

महत्व और उपयोगिता

- **व्यापार सांख्यिकी की परिभाषा और उद्देश्य :** व्यापार सांख्यिकी का उद्देश्य व्यापारिक गतिविधियों को संख्यात्मक रूप में समझना और भविष्य की संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाना है। यह उत्पादन, बिक्री, कीमत, मुनाफा, निवेश, श्रम और बाजार की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी एकत्र कर उनका विश्लेषण करती है ताकि निर्णय लेने की प्रक्रिया वैज्ञानिक हो सके।
- **निवेशकों के लिए महत्व :** निवेशक किसी भी कंपनी या उद्योग में निवेश करने से पहले उसके प्रदर्शन और बाजार की स्थिति को आंकड़ों के माध्यम से समझना चाहते हैं। व्यापार सांख्यिकी उनके लिए निम्न कारणों से आवश्यक है-
  - यह बताती है कि कौन-सा सेक्टर वृद्धि की दिशा में है।
  - जोखिम और रिटर्न का तुलनात्मक विश्लेषण संभव होता है।
  - बाजार में मंदी या तेजी के रुझान को पहले से भांपने में मदद मिलती है।
  - पोर्टफोलियो में विविधता की सही रणनीति बनाने में सहायक होती है।

ईवी नीति को लेकर भारत डब्ल्यूटीओ के मानदंडों का कर रहा उल्लंघन : चीन

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन की निर्यात पर रोक से भारत विशेष उर्वरकों की कीमतों में उछाल का कर रहा है सामना

नई दिल्ली। चीन के 15 अक्टूबर से यूरिया और विशेष उर्वरकों के निर्यात को निलंबित करने के बाद भारत महत्वपूर्ण रबी (सर्दियों) फसल के सत्र से पहले उर्वरक की बढ़ी हुई कीमतों से निपटने की तैयारी कर रहा है। उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। चीन ने 15 मई से 15 अक्टूबर तक बढ़े हुए निरीक्षणों के साथ उर्वरक निर्यात हाल ही में फिर से शुरू किया था, हालांकि उसने अब अगली सूचना तक निर्यात को निलंबित कर दिया है जिससे न केवल भारत बल्कि वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं। घुलनशील उर्वरक उद्योग संघ (एसएफआईए) के अध्यक्ष राजीव चक्रवर्ती ने कहा कि चीन ने 15 अक्टूबर से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व बाजार के लिए निर्यात बंद कर दिया है। मेरा मानना है कि निर्यात पर रोक अगले पांच से छह महीनों तक रहेगी। भारत 95 प्रतिशत विशेष उर्वरकों का आयात चीन से करता है।

चीन ने भारत की उन्नत रसायन सेल बैटरी, मोटर वाहन के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की नीति की कुछ शर्तों को वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन बताते हुए इनके खिलाफ विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराई है।

जिनेवा स्थित विश्व व्यापार संगठन के एक पत्र के अनुसार, चीन ने विश्व व्यापार संगठन के विवाद निपटान तंत्र के तहत इन उपायों पर भारत के साथ परामर्श की मांग की है। चीन ने कहा कि भारत द्वारा अपनाए गए उपाय आयातित वस्तुओं की तुलना में घरेलू वस्तुओं के उपयोग पर निर्भर हैं और चीन में बने सामानों के साथ भेदभाव करते हैं। ये उपाय एससीएम (सब्सिडी एवं प्रतिपूरक उपाय) समझौते, जीएटीटी (शुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता) 1994 और टीआरआईएम (व्यापार-संबंधित निवेश उपाय) समझौते के तहत भारत के दायित्वों के अनुरूप नहीं प्रतीत होते हैं।

डब्ल्यूटीओ के 20 अक्टूबर के पत्र में कहा कि उपरोक्त पहलुओं के परिणामस्वरूप विवादित कदम उल्लिखित समझौतों के तहत चीन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मिलने वाले लाभों को निष्प्रभावी या कम करते प्रतीत होते हैं। इसमें कहा गया कि चीन, भारत का जवाब मिलने तथा परामर्श के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर सहमति बनने की उम्मीद कर रहा है।

क्रिसमस के लिए दो सौ करोड़ के ऑर्डर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अमेरिकी टैरिफ से रुके ऑर्डर होने लगे पूरे, लेदर के छोटे उत्पादों ने निर्यात फिर से हुए शुरू

अमृत विचार। अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के बाद रुके हुए ऑर्डर पूरे किए जाने लगे हैं। शहर से क्रिसमस तक लगभग दो सौ करोड़ रुपये के ऑर्डर भेज दिए जाएंगे। इसके लिए लेदर के छोटो उत्पादों के निर्माण ने गति पकड़ ली है। इनमें सबसे अधिक लेदर के गिफ्ट आइटम शामिल हैं।

अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद शहर का निर्यात कुछ समय के रुक सा गया था। इस दौरान पूर्व में मिले क्रिसमय के ऑर्डर भी होल्ड हो गए थे और शहर का 12 सौ करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार प्रभावित माना जा रहा था। अमेरिका के आर्डर रुके पर अन्य देशों से ऑर्डर निर्यातकों को मिलने शुरू हो गए थे। इनमें सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम आदि शामिल थे। उधर, हाल ही में निर्धारित समय पर ऑर्डर भिजवाने की शर्त पर यूरोप के भी कई खरीदारों ने भी त्याहारी ऑर्डर दिए थे। इन ऑर्डर में लेदर के गिफ्ट आइटम जैसे बाइबल के कवर, पर्स, चाभी के फैंसी गुच्छे सहित अन्य उत्पाद शामिल रहे। यह ऑर्डर शहर से भेजे जाने शुरू हो गए हैं। माना जा रहा है कि समय पर ऑर्डर भेजे जाने के बाद शहर के निर्यातकों को भविष्य में विदेशी खरीदारों के और भी ऑर्डर मिल सकते हैं। अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बाद शहर के निर्यातकों को मिलने वाले ज्यादातर ऑर्डर नए गैर अमेरिकी देशों के खरीदारों के रहे हैं।

सना इंटरनेशनल एक्जिम के निदेशक डॉ. जफर नफीस ने बताया कि टैरिफ के बाद शहर के निर्यातकों को नए ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। इन ऑर्डर की रवानगी भी शुरू हो गई है। उम्मींद है कि शहर के निर्यातकों को जल्द ही और भी बड़े ऑर्डर हासिल हो सकेंगे। वहीं नए आर्डर मिलने से शहर के लेदर कारोबार ने भी रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है ताकि विदेश से मिले आर्डर को समय से पूरा किया जा सके है। साथ अन्य नए आर्डर के लिए भी प्रयास किया जा सके।

649 हवाई मार्ग जुड़े 'उड़ान' 2027 के बाद भी रहेगी जारी

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' अप्रैल, 2027 के बाद भी जारी रहेगी। योजना ने नौ वर्षों में 93 अप्रयुक्त और अधूरे हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 649 मार्गों को चालू करने में मदद की है।

उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) 21 अक्टूबर, 2016 को शुरू हुई थी और इसके तहत पहली उड़ान 27 अप्रैल, 2017 को शिमला और दिल्ली के बीच हुई थी। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के तहत 15 हेलिपोर्ट और दो जल हवाई अड्डों सहित 93 अप्रयुक्त और अधूरे हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 649 मार्गों का संचालन शुरू किया गया है। इससे 3.23 लाख उड़ानों से 1.56 करोड़ यात्रियों को सुविधा मिली है। एयरलाइन कंपनियों को व्यवहार्यता अंतर निधि के रूप में 4,300 करोड़ वितरित किए गए हैं।

चिंताजनक | उद्योग निकाय ने घरेलू प्रतिस्पर्धा कम होने और मेक इन इंडिया पहल के प्रभावित होने की जताई आशंका

जीएसटी सुधारों से कागज आयात में आएगा उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

कीमतों में अंतर से घरेलू की तुलना में आयात कागज होगा सस्ता

संशोधित जीएसटी ढांचे के तहत, अभ्यास पुस्तिकाओं और नोटबुक वाले बिना लेपित कागज को जीएसटी से छूट दी गई है, और परिणामस्वरूप, ऐसे कागज के आयात पर एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) भी शून्य किया गया है। परिणामस्वरूप, विदेशी निर्यातकों को आईजीएसटी नहीं देना होगा, जबकि भारतीय निर्माता, जो अब अंतिम उत्पाद पर छूट प्राप्त जीएसटी के कारण इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) नहीं ले सकते, को अपनी लागत संरचना में अंतर्निहित लागत कर को अवशोषित करना होगा। आईपीएमए के अनुसार, इससे कीमतों में भारी अंतर पैदा होता है जिससे आयातित कागज घरेलू उत्पादन की तुलना में सस्ता होगा। एसोसिएशन ने कहा कि नोटबुक व पाठ्य पुस्तकों के घरेलू निर्माता, जो अब आईटीसी का लाभ नहीं उठा सकते, उनकी उत्पादन लागत नोटबुक के लिए 3-5 और पाठ्य पुस्तकों के लिए 6% से अधिक होगी, जिससे बच्चों और शिक्षा क्षेत्र पर बोझ पड़ेगा।

भारतीय कागज उद्योग ने हाल ही में हुए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के बाद कागज आयात में संभावित उछाल पर चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि इस कदम से घरेलू प्रतिस्पर्धा कम हो सकती है और सरकार की प्रमुख 'मेक इन इंडिया' पहल को नुकसान पहुंच सकता है। भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएमए) के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी में हालिया बदलावों के साथ, भारत विदेशों से सस्ते कागज के लिए एक और डंपिंग ग्राउंड बनने का जोखिम उठा रहा है।

अग्रवाल ने कहा कि घरेलू निर्माताओं पर जहां उच्च आदान लागत का बोझ पड़ रहा है, वहीं अभ्यास पुस्तिकाओं और नोटबुक में इस्तेमाल होने वाला आयातित कागज अब पूरी तरह से कर-मुक्त होकर देश में आएगा। इससे बाजार की गतिशीलता बिगड़ेगी और भारतीय उत्पादकों को झटका लगेगा। आईपीएमए के अनुसार, भारत में कागज का आयात पिछले चार वर्षों में दोगुना हो गया है, जो मात्रा के लिहाज से 17 प्रतिशत से अधिक की सालाना की दर से बढ़ रहा है - जो प्रमुख वस्तुओं में सबसे तेज वृद्धि दर है।

वाणिज्य विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए, आईपीएमए ने कहा कि कागज और पेपरबोर्ड का आयात वित्त वर्ष 2020-21 के 10.8 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में 20.6 लाख टन हो गया। यह मूल्य के लिहाज से लगभग 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। संगठन ने कहा कि उद्योग को अब डर है कि जीएसटी में बदलावों के कारण यह बढ़ता रुझान बाढ़ में बदल सकता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा न्यूयॉर्क की सड़क का नाम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक सड़क के एक हिस्से का नाम श्री गुरु तेग बहादुर के नाम पर रखा गया है, जो नौवें सिख गुरु के त्याग, करुणा और न्याय के प्रति उनके दृढ़ रुख की विरासत का सम्मान है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' साझा कर इस कदम को सिख समुदाय के लिए गर्व का क्षण बताया। पूर्व राजनयिक ने 'एक्स' पर लिखा, यह उचित सम्मान रिचमंड हिल में सिख समुदाय के महत्व को उजागर करता है और न्यूयॉर्क शहर के सांस्कृतिक ताने-बाने में सिख विरासत के योगदान को मान्यता देता है। न्यूयॉर्क परिषद सदस्य लिन शुलमैन ने नाम बदलने के लिए नगर परिषद में प्रस्ताव पेश किया था।

चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में ई स्कूटरों पर प्रतिबंध

प्राग। चेक गणराज्य की राजधानी प्राग अगले साल इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर प्रतिबंध लगाएगा, जिससे यह पर्यटकों के अनुकूल परिवहन वाला नवीनतम यूरोपीय शहर बन जाएगा। नगर पार्षदों ने सोमवार को एक नया उपाय अपनाया जो साझा परिवहन नियमों में बदलाव करेगा और यह तय करेगा कि चेक गणराज्य की राजधानी में पैडल और इलेक्ट्रिक दोनों तरह की साइकिलें पार्क की जा सकती हैं। साझा ई-स्कूटरों को नियमों से हटा दिया गया है, जिससे जनवरी 2026 से इन तक पहुंच समाप्त हो जाएगी। राष्ट्रीय पाइरेट पार्टी के अध्यक्ष और शहरी परिवहन के प्रभारी उप महापौर जेडेनेक ह्रीब ने सोशल मीडिया पर कहा कि इलेक्ट्रिक स्कूटरों के अंत को मंजूरी मिल गई है।

लीबिया : नकदी की कमी को लेकर केंद्रीय बैंक के गवर्नर तलब

त्रिपोली। लीबियाई प्रतिनिधि सभा ने नकदी की कमी से जूझ रहे लीबिया को उबारने के लिए केंद्रीय बैंक के गवर्नर को तलब करने का फैसला लिया है। संसद ने सर्वसम्मति से केंद्रीय बैंक के गवर्नर नागी इस्सा, उनके डिप्टी गवर्नर और निदेशक मंडल को बैंक की नीतियों और नकदी की कमी पर चर्चा करने के लिए अगले सत्र में शामिल होने के लिए बुलाने का फैसला किया। सत्र की कोई तारीख अभी तय नहीं की गई है। प्रथम उपसभापति फावजी अल-नुवैरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय बैंक की नवीनतम रिपोर्ट की समीक्षा की गई। संसद का यह फैसला त्रिपोली स्थित बैंक की आलोचना के बीच आया है, जिसमें यह दावा भी शामिल है कि मौजूदा नकदी संकट में बैंक की अहम भूमिका है।

एच1बी वीजा : स्टेटस बदलवाने या प्रवास अवधि बढ़वाने पर शुल्क नहीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- **अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा ने जारी किए दिशा-निर्देश**

अमेरिका में एच-1बी वीजा आवेदनों पर ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाया गया एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क ऐसे आवेदकों पर लागू नहीं होगा, जो अपने स्टेटस में बदलाव कराना चाहते हैं या फिर प्रवास की अवधि बढ़वाना चाहते हैं।

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) की ओर से सोमवार को जारी दिशानिर्देशों में कुछ गैर-आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के राष्ट्रपति ट्रंप के 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया गया है। इसके तहत नए एच1-बी वीजा के लिए शुल्क बढ़कर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। यूएससीआईएस ने कहा, यह आदेश पहले जारी किए गए और वर्तमान में मान्य एच-1बी वीजा, या 21 सितंबर, 2025 को रात 12:01 बजे से पहले जमा किए गए किसी भी आवेदन पर लागू नहीं होगा। इस आदेश में किसी मौजूदा एच1-बी धारक के अमेरिका में आने-जाने पर रोक नहीं है। यह आदेश 21 सितंबर 2025 को रात 12:01 बजे या उसके बाद किए गए स्टेटस बदलने या प्रवास की अवधि बढ़वाने के आवेदन पर भी लागू नहीं होगा यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क स्टेटस में परिवर्तन के मामलों पर लागू नहीं होता है, जहां व्यक्ति देश छोड़े बिना ही श्रेणी बदल लेता है।

58 साल के खूनी इतिहास के बाद

खात्मे की ओर नक्सलवाद

नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव में किसान विद्रोह के रूप में हुई थी। यह शुरुआत चारु मजूमदार और कानू सान्याल जैसे नेताओं ने की थी, जो जमींदारों के उत्पीड़न और भूमि सुधारों की कमी से पैदा हुई आर्थिक व सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे थे। यह आंदोलन माओत्से तुंग की विचारधारा से प्रेरित था, इसी कारण इसे नक्सली-माओवादी विद्रोह के रूप में जाना जाता है। समय के साथ यह आंदोलन कई समूहों में विभाजित हो गया, इसका मुख्य लक्ष्य सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से एक साम्यवादी राज्य स्थापित करना था। करीब 58 साल रक्तपात की बेशुमार घटनाओं के बाद अब यह हिंसक आंदोलन अपने ढलान पर है। सरकार का दावा है कि 2026 तक देश में नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

ऐसे हुई थी शुरुआत

- साठ के दशक में भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक भूमि व्यवस्था जारी थी। अधिकांश जमीन कुछ जमींदारों के पास थी, जो भूमिहीन किसानों का शोषण करते थे।
- भुखमरी से जूझ रहे किसानों ने एक जमींदार के अनाज भंडार पर छापा मारा, जिस पर पुलिस के साथ उनकी हिंसक झड़प हुई, इसमें कई किसान मारे गए थे।
- इस घटना के बाद 1967 में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी, खारीबाड़ी और फांसीदेवा क्षेत्रों में नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई थी।
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी नेता चारू मजूमदार, कानू सान्याल, जंगल संथाल के नेतृत्व में किसानों ने जमींदारों के खिलाफ विद्रोह शुरू कर दिया।

नक्सलवाद का फैलाव

- 1970 के दशक में यह आंदोलन पश्चिम बंगाल से निकलकर आंध्र प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में फैल गया।
- इन क्षेत्रों में गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक-आर्थिक असमानता और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी भीषण समस्याओं ने नक्सलवाद को पनपने में काफी मदद की।
- सरकार ने 1971-72 में नक्सली गतिविधियों को दबाने के लिए ऑपरेशन स्टीपलचेज के नाम से बड़ा सैन्य अभियान चलाया लेकिन नक्सलवाद का खात्मा नहीं कर सका।

प्रमुख घटनाएं

- वर्ष 2007 में छत्तीसगढ़ के बस्तर में 300 विद्रोहियों ने 55 पुलिसकर्मियों को मार डाला था।
- वर्ष 2010 में कोलकाता से मुंबई जा रही एक ट्रेन में 150 से ज्यादा यात्रियों की हत्या कर दी गई थी।
- 2011 में पश्चिम बंगाल के सिल्दा कैंप पर हमले में 24 जवान और दंतेवाड़ा में 76 जवान शहीद हुए।

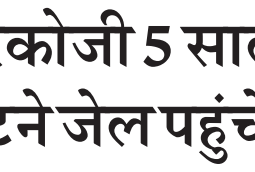

आंदोलन का चरम

- 1980 से 2010 के दशक तक यह आंदोलन आंध्र प्रदेश के तिरुपति से नेपाल तक फैलकर 200 से अधिक जिलों में सक्रिय हो गया।
- इस बीच पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में सर्वाधिक हिंसक घटनाएं हुईं।

इन कारणों से बढ़ा

- स्वतंत्रता बाद भी बड़े पैमाने पर भूमि कुछ लोगों के हाथ में होना, भूमिहीनों की बड़ी संख्या।
- सरकार की ग्रामीण भारत में कृषि को संगठित करने में विफलता, गरीबी और बेरोजगारी बढ़ी।
- प्राकृतिक संसाधनों पर दबंगों के कब्जे, अपने हक छीन लेने से आदिवासियों में असंतोष।
- सरकार की आर्थिक नीतियों से पैदा असमानता गरीबी ने लोगों को आंदोलन की ओर धकेला।

क्षीण होने की शुरुआत

- वर्ष 2014 के बाद से सरकार की नीतियों और सुरक्षा अभियानों के कारण कमी आई है।
- नक्सल प्रभावित क्षेत्र 18,000 वर्ग किमी से घटाकर 11 जिलों तक सीमित कर दिया गया।

रूस-यूक्रेन युद्धविराम के लिए ट्रंप के प्रस्ताव से यूरोपीय देश सहमत नहीं

आठ देशों के नेताओं ने यूक्रेन की जमीन पर रूस के कब्जे का किया विरोध

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय संघ के नेताओं ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों में देरी करने का आरोप लगाया और ऐसे किसी भी कदम का विरोध किया जिसमें शांति के बदले कीव को रूसी सुरक्षा बलों द्वारा कब्जा की गई भूमि को सौंपने की बात हो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में कई मौकों पर यह सुझाव दे चुके हैं।

यूरोप के आठ नेताओं और यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे कीव को युद्ध जीतने में मदद करने के लिए रूस के अरबों यूरो की विदेश में जब्त संपत्तियों का उपयोग करने की योजना पर आगे बढ़ने का विचार बना रहे हैं। हालांकि, इस तरह के कदम की वैधता और परिणामों को लेकर कुछ आशंकाएं हैं। बयान में यूक्रेन में ट्रंप के शांति प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया। ट्रंप आने वाले सप्ताह में हंगरी के बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले हैं। बयान में यह भी बताया गया कि सभी नेता इस सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध हैं कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए।

ट्रंप ने अपने रुख से पलटते हुए पिछले महीने कहा था कि यूक्रेन को जमीन छोड़नी होगी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यूक्रेन वह सारा इलाका वापस जीत सकता है, जो उसने रूस के हाथों गंवाया है। पिछले सप्ताह पुतिन के साथ फोन पर बातचीत और उसके बाद शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद ट्रंप ने अपना रुख फिर से बदल दिया और कीव व मॉस्को से युद्ध को जहां हैं, वहीं रोकने का आह्वान किया। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा युद्ध जारी है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्हें लगता है कि यूक्रेन अंततः रूस को हरा सकता है, लेकिन अब उन्हें इस बात पर संदेह है कि ऐसा होगा।

यूक्रेन और यूरोपीय नेता ट्रंप को अपने पक्ष में रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बयान के मुताबिक, हम राष्ट्रपति ट्रंप के इस रुख का पुरजोर समर्थन करते हैं कि युद्ध तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए और मौजूदा संपर्क रेखा ही बातचीत का शुरुआती बिंदु होनी चाहिए। हम सभी देख सकते हैं कि पुतिन हिंसा और विनाश को चुन रहे हैं।

ठंड में यूक्रेन में पैदा हो सकता है भीषण बिजली संकट

शोस्त्का। यूक्रेन पर रूस के युद्ध का असर आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। दरअसल, रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संस्थानों पर अपने हमले का अभियान तेज कर दिया है। खासकर पूर्व में सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों में जेनरेटर के चलने और अंधकार और पानी की कमी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। रूस की ओर से सैकड़ों ड्रोन दागे जाने के कारण ये हमले और भी ज्यादा प्रभावी हो गए हैं और हवाई सुरक्षा को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, खासकर उन इलाकों में जहां सुरक्षा कमजोर है। इसके नतीजे पहले से ही रोजमर्रा की जिंदगी को बदल रहे हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिनका जीवन बिजली पर निर्भर है।

रुबियो-लावरोव वार्ता के बाद ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन टला

वाशिंगटन। यूक्रेन में युद्ध के समाधान के लिए ट्रंप की पुतिन के साथ बैठक की योजना टाल दी गई है। बुडापेस्ट में होने वाली बैठक की घोषणा पिछले हफ्ते की गई थी, हालांकि इसकी तारीख तय नहीं हुई थी। एक अधिकारी के मुताबिक यह निर्णय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया।

रूसी खुफिया प्रमुख का नाटो पर युद्ध की तैयारी का आरोप

व्लादिवोस्तोक। रूसी विदेश खुफिया सेवा के निदेशक सर्गेई नारिश्किन ने कहा है कि नाटो रूस के साथ युद्ध के लिए तेजी से संसाधनों को जुटा रहा है। वह उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित स्वतंत्र राज्यों की एक बैठक में बोल रहे थे। नारिश्किन का बयान खुफिया सेवा की वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित किया गया। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से नाटो के यूरोपीय सदस्यों को रूस के साथ युद्ध की तैयारी करते देख रहे हैं। इसके लिए नियुक्त नाटो सहयोगी प्रतिक्रिया बल को सभी आवश्यक संसाधन शीघ्रता से उपलब्ध कराने का कार्य निर्धारित किया गया है। नारिश्किन ने कहा कि यूरोपीय देश अपने रक्षा उद्योगों के विस्तार के साथ नियमित अभ्यास कर रहे हैं और रूसी खतरे के प्रचार को बढ़ा रहे हैं। यूरोपीय नाटो सदस्यों के पास महाद्वीप की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक योजनाएं नहीं हैं। उन्होंने फ्रांस और जर्मनी पर रूसोफोबिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

साने ताकाइची बनीं जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

नया गठबंधन अब भी संसद के दोनों सदनों में बहुमत से कम है और किसी भी विधेयक को पारित करने के लिए अन्य विपक्षी दलों का समर्थन लेना होगा, जो उनकी सरकार को अस्थिर और अल्पकालिक बना सकता है।

- **एलडीपी की हार के बाद तीन माह से छाया गतिरोध हुआ खत्म**

टोक्यो। जापान की संसद ने मंगलवार को अति रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में चुना। इस घटनाक्रम से एक दिन पहले 64 वर्षीय ताकाइची की संघर्षरत 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' ने एक नए सहयोगी दल के साथ गठबंधन समझौता किया, जिससे उनके सत्तारूढ़ गठबंधन के और अधिक दक्षिणपंथी होने की उम्मीद है।

ताकाइची ने शिगेरु इशिबा का स्थान लिया, जिससे जुलाई में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी चुनावी हार के बाद तीन महीने से जारी राजनीतिक गतिरोध खत्म हो गया। प्रधानमंत्री के रूप में केवल एक वर्ष तक सेवा देने वाले इशिबा ने मंगलवार को मंत्रिमंडल सहित इस्तीफा दे दिया, जिससे ताकाइची के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त हुआ। निचले सदन में हुए मतदान में ताकाइची को 237 वोट मिले, जो बहुमत से चार अधिक हैं जबकि 'कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान' के प्रमुख योशिको नोडा को 149 वोट मिले। परिणाम घोषित होने पर ताकाइची खड़ी हुईं और उन्होंने झुककर सभी का अभिवादन किया। एलडीपी का ओसाका स्थित दक्षिणपंथी जापान इनोवेशन पार्टी (इशिन नो काई) के साथ गठबंधन ने ताकाइची की जीत सुनिश्चित की, क्योंकि विपक्ष एकजुट नहीं था।

निकोलस सारकोजी 5 साल की सजा काटने जेल पहुंचे

पेरिस। पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सारकोजी अपने 2007 के चुनाव अभियान के लिए आपराधिक षडयंत्र के तहत लीबिया से धन प्राप्त करने के जुर्म में पांच वर्ष की सजा काटने मंगलवार को पेरिस की जेल में पहुंच गए। वह आधुनिक फ्रांस के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें जेल भेजा गया है।

सारकोजी पत्नी कार्ला ब्रूनी का हाथ थामे हुए घर से निकले और ला सांते जेल पहुंचने के लिए कार में बैठे। जेल जाते समय सारकोजी ने कहा, एक निर्दोष को जेल में डाला जा रहा है। पिछले महीने अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। सारकोजी ने अपील लंबित रहने के दौरान जेल भेजने के जज के निर्णय को चुनौती दी है। राष्ट्रपति आवास एलिसी पैलेस से ला सांते जेल तक के अब तक के उनके सफर ने पूरे फ्रांस को झकझोर दिया है। जेल में दाखिल होने से पहले सारकोजी पत्नी के साथ बच्चों और नाती-पोतों से मिलने घर के बाहर निकले। उन्होंने बाहर समर्थकों की भीड़ की ओर हाथ हिलाया और कार में बैठ गए। सैकड़ों समर्थकों ने तालियां बजाईं और 'निकोलस, निकोलस' के नारे लगाए।

पेरिस की अदालत ने आदेश दिया है कि सारकोजी अपील सुने जाने की प्रतीक्षा किए बिना सजा शुरू करें क्योंकि अपराध से सार्वजनिक व्यवस्था में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। अदालत के आदेश के अनुसार, 70 वर्षीय सारकोजी जेल में दाखिल होने के बाद ही अपनी रिहाई के लिए अपीलीय अदालत में आवेदन कर सकते हैं।

महत्वपूर्ण खनिज : अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया के साथ किया 8.5 अरब डॉलर का सौदा

वाशिंगटन, एजेंसी

- **ट्रंप ने चीन पर कसा तंज, कहा- एक साल बाद बेकार हो जाएंगे आपके महत्वपूर्ण खनिज**

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने चीन के एकाधिकार को तोड़ने के लिए सोमवार को महत्वपूर्ण खनिजों पर समझौता किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने व्हाइट हाउस में समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसे सहयोगियों के बीच 8.5 अरब डॉलर (7.3 अरब यूरो) का सौदा बताया।

ट्रंप ने चीन के एकाधिकारवादी मानसिकता पर तंज कसते हुये कहा, लगभग एक साल बाद हमारे पास इतने महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ मृदा खनिज होंगे कि आपको समझ नहीं आएगा कि उनका क्या करें। उनकी कीमत दो डॉलर होगी। वहीं अल्बानीज ने संतुलित रुख अपनाते हुए कहा कि यह समझौता अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को अगले स्तर पर ले जाएगा।

इस महीने के शुरू में बीजिंग ने घोषणा की थी कि विदेशी कंपनियों को चीन से आने वाले या चीनी तकनीक से उत्पादित दुर्लभ मृदा पदार्थों की थोड़ी सी भी मात्रा के निर्यात के लिए चीनी सरकार से अनुमति लेनी होगी। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे चीन को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक शक्ति प्राप्त हो जाएगी। इस समझौते को ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका द्वारा महत्वपूर्ण खनिजों के बाजार में चीनी प्रभुत्व का मुकाबला करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

अंधकार पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण है दिवाली: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिवाली पर शुभकामनाएं देते हुए इस त्योहार को अंधेरे पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण बताया।

ट्रंप ने सोमवार को एक बयान में कहा, आज मैं रोशनी के पर्व दिवाली मना रहे हर अमेरिकी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, कई अमेरिकियों के लिए दिवाली, अंधेरे पर प्रकाश की जीत का शाश्वत उदाहरण है। यह जश्न मनाने, उम्मीद से ताकत हासिल करने और नई चीजों को पूरे जोश से अपनाने और परिवारों व दोस्तों को एक साथ लाने का भी समय है। उन्होंने कहा, लाखों नागरिक दीये जलाते हैं और हम इस शाश्वत सत्य में आनंदित होते हैं कि अच्छाई की हमेशा बुराई पर विजय होती है। दिवाली मनाने वाले प्रत्येक अमेरिकी के लिए, ईश्वर करे कि यह त्योहार समृद्धि, आशा और शांति लाए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी लोगों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

युद्धविराम पर मंडराते खतरे के बीच इजराइल पहुंचे वेंस

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मंगलवार को इजराइल पहुंचे, ताकि कमजोर होते युद्धविराम समझौते को मजबूती दी जा सके। पिछले कुछ दिनों में हिंसा बढ़ने के बाद लागू युद्धविराम और दीर्घकालिक शांति योजना पर सवाल उठने के बाद यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इसी बीच, इज़राइल ने मंगलवार को कहा कि उसने एक बंधक के शव की पहचान की है जिसे फिलिस्तीनी चरमपंथियों ने रात में छोड़ा था। दूसरी ओर चरमपंथी समूह हमास के प्रमुख वार्ताकार ने कहा है कि समूह इजराइल के साथ संघर्ष विराम समझौते को बरकरार रखने पर कायम है। व्हाइट हाउस के दो शीर्ष दूतों के बाद पहुंचे वेंस बृहस्पतिवार तक यहीं रहेंगे। उनके साथ उनकी पत्नी ऊषा वेंस भी हैं।

वह इजराइली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। वह यरुशलम में एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे और उनके उन बंधकों के परिवारों से भी मिलने की संभावना है, जिनके शव अब भी गाजा में हैं। साथ ही पिछले महीने चरमपंथियों द्वारा रिहा किए गए बंधकों से भी मुलाकात कर सकते हैं। इजराइल ने पुष्टि की कि हमास ने ताल हैमी (42) के शव को लौटाया है, जो सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में मारे गए थे। हैमी का किब्बुत्ज़ निर यित्ज़हाक से अपहरण किया गया था और उनके चार बच्चे हैं, जिनमें एक का जन्म हमले के बाद हुआ। इजराइल समझौते के तहत 15 शेष बंधकों के शव सौंपे जाने की प्रतीक्षा कर रहा है।

- **नेतन्याहू से करेंगे मुलाकात, मृत बंधकों के परिवारों से भी मिलेंगे**

हमास के शांत रहने तक सैन्य कार्रवाई नहीं: इजराइल

यरूशलम। इजराइल ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक वह शांति समझौते का पालन करता रहेगा तब तक इजराइली सैन्य बल कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इजराइल की यह चेतावनी हमास की ओर से सभी मृत बंधकों के अवशेष लौटाने में देरी के बाद आई है। इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, हमास खेल खेल रहा है, वे और शवों को लौटा सकते हैं, लेकिन हम देख रहे हैं कि वे लौटाने में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमास शवों को लौटाने में किसी तरह की देरी करता है तो इजराइल जरूर कोई कदम उठायेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 अक्टूबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 20.16 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

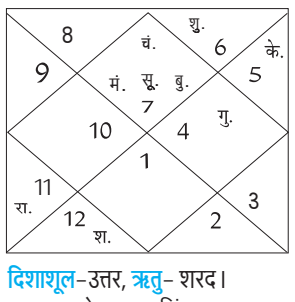

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 23 अक्टूबर 01.52 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष: आज व्यवसाय में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी को पर्याप्त समय दें। रिलेशनशिप को लेकर समस्या दूर होगी। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर चर्चा का आनंद लेंगे। परिजनों का पूरा समर्थन मिलेगा।

वृष: आज आप आराम करने का विचार बनाएंगे। रचनात्मक अभिरुचियों में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में बॉस आपकी प्रशंसा करेंगे। मनचाहा काम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा।

मिथुन: आज अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने का अवसर मिलेगा। पेट में जलन की परेशानी हो सकती है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें। मन में अज्ञात भय परेशान कर सकता है। समय का दुरुपयोग करने के कारण अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं।

कर्क: आज अपने शौक को पूरा करने में तत्पर रहेंगे। प्रेमीजन के प्रति अविश्वास न रखें। आपके व्यक्तित्व में कुछ परिवर्तन आ सकते हैं। पाचन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में काफी मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह: आज आपकी नेतृत्व योग्यता की प्रशंसा होगी। कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध मधुर होंगे। अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलेगा।

कन्या: आज घर के नवीनीकरण पर धन खर्च कर सकते हैं। मानसिक तनाव में कमी आएगी। किसी जरूरी काम को निपटाने का दबाव रहेगा। करियर में उच्च पद प्राप्त होगा। कला जगत से जुड़े लोगों की प्रशंसा होगी।

तुला: आज महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कन्फ्यूजन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। परेशानियों का हल ढूंढने में लगे रहेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। नव विवाहित लोग कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक: आज आपको बुरे सपने परेशान कर सकते हैं। आपको अति स्पष्टवादी बयान देने से बचना चाहिए। परिवार का वातावरण अत्यंत सहयोगात्मक रहेगा। आप दिखावे में अत्यधिक धन खर्च कर सकते हैं। बजट का ध्यान रखकर ही कोई काम करें।

धनु: आज आप अनुशासन को अत्यधिक महत्व देंगे। संतान की उन्नति से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन से अपने मन के मनोभावों को व्यक्त कर सकते हैं। दांपत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखें। बड़े भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर: आज पूरा दिन स्वयं को तरोताजा महसूस करेंगे। सकारात्मक रवैया अपनाने के कारण आपके सभी काम समय पर हो जाएंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ आपका तालमेल शानदार रहेगा।

कुंभ: आज कानूनी मामले उलझने के योग बन रहे हैं। किसी से शत्रुता मोल न लें। विदेश यात्रा के दौरान कठिनाइयां आएंगी। रिश्तेदारों की बातें आपको बुरी लग सकती हैं। बिना जांच-परख के किसी अजनबी से मित्रता न करें।

मीन: आज मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। अपने स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। सहकर्मियों के साथ आपको अपने संबंध खराब नहीं करना चाहिए। दांपत्य जीवन में कुछ विघ्नता रहेगी। प्रियजनों का व्यवहार आपको दु:ख पहुंचा सकता है।

सुडोकू-137

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	5	4				
2	3				9			
4				6				
8			9					
	7						5	
			1		7			
	1			9		6		4
	9		4					8
5				3	2	7		

सुडोकू - 136 का हल

4	5	8	3	1	6	2	9	7
9	3	1	5	7	2	6	8	4
6	7	2	4	9	8	1	5	3
7	2	9	8	6	3	5	4	1
1	8	5	2	4	9	7	3	6
3	6	4	7	5	1	8	2	9
2	9	3	1	8	7	4	6	5
8	4	7	6	3	5	9	1	2
5	1	6	9	2	4	3	7	8

जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, मैं उससे खुश नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। एक कप्तान के रूप में मैं हमारे खेलने के तरीके से खुश नहीं हूं। हमारी टीम वास्तव में बहुत अच्छी है पर हम अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए।
-अटापट्टू, श्रीलंका की कप्तान

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 22 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रिजवान की जगह शाहीन कप्तान

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को अपनी वनडे टीम का कप्तान नियुक्त किया है, जो मुहम्मद रिजवान की जगह लेंगे। पीसीबी ने सोमवार को कहा कि शाहीन चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पाकिस्तान की टीम का नेतृत्व करेंगे।

मुक्केबाजी टीम बहरीन रवाना

नई दिल्ली : भारत की 23 सदस्यीय मुक्केबाजी टीम 23 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे एशियाई युवा खेलों में भाग लेने के लिए मनामा, बहरीन के लिए रवाना हो गई है। टीम में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरशी पुजारी जैसे मुक्केबाज शामिल हैं जिन्होंने हाल में भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम में कई ऐसे मुक्केबाज भी शामिल हैं जिन्होंने जुलाई 2025 में एशियाई अंडर-17 चैंपियनशिप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने 43 पदक जीते थे और कुल मिलाकर दूसरा स्थान हासिल किया था।

भारतीय एथलेटिक्स टीम रांची पहुंची

रांची : भारतीय एथलेटिक्स दल का पहला जत्था 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी स्थित प्रतिष्ठित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होने वाली दक्षिण एशियाई सैफ सीनियर चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंच गया। धावक प्रणव गुरव, उत्तम पाटिल और अर्नव टाकलकर अपने कोच के साथ सबसे पहले पहुंचे, जिससे तीन दिवसीय महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारतीय अभियान की तैयारी की शुरुआत हुई। भारत का 92 सदस्यीय दल इस प्रतियोगिता में भाग लेगा। वक प्रणव ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा व्यवस्था बहुत अच्छी है। मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हूं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हीली हुईं बाहर

इंदौर : आस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडली की चोट के कारण बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले महिला विश्व कप मैच में नहीं खेल पाएंगी। उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्रा कप्तानी करेंगी। पिछले दो मैचों में शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान को शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी। आस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली निश्चेके ने मंगलवार को मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा हां, यह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसकी पिंडली में हल्का खिंचाव है।

लक्ष्य फ्रेंच ओपन में हारकर बाहर

पेरिस : भारत के लक्ष्य सेन मंगलवार को यहां पुरुष एकल के पहले दौर में आयरलैंड के एनहात एनगुएन के खिलाफ सीधे गेम में हारकर फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। लक्ष्य शुरुआत से ही लय में नहीं दिखे और उन्हें दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी एनगुएन के खिलाफ 7-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पिछले हफ्ते डेनमार्क ओपन के पहले दौर में तीन गेम में एनगुएन को हराया था लेकिन पेरिस में उनका प्रदर्शन अनियमित रहा।

पंत फिट, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को इंग्लैंड दौरे के दौरान पैर में लगी चोट से पूरी तरह उबरने के बाद मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ लाल गेंद की श्रृंखला के लिए भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया।

पंत को जुलाई में मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लग गई थी और इसके बाद वह एशिया कप और हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे। क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी, लेकिन इसके बावजूद वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरे और उन्होंने अर्धशतक बनाया।

चयनकर्ताओं ने उन्हें 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में होने वाले दोनों मैचों के लिए भारत ए टीम में शामिल किया है। इससे पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का मौका मिलेगा। साई सुदर्शन को इन दो चार दिवसीय मैचों के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है। उनके अलावा केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में शामिल किया गया है। यह सभी खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। प्रसिद्ध, सिराज, आकाश दीप और जुरेल छह से नौ नवंबर तक होने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। पहले मैच के लिए एन जगदीसन टीम में दूसरे विकेटकीपर होंगे। घरेलू खिलाड़ियों में यह देखना दिलचस्प होगा कि तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और खलील अहमद कैसा प्रदर्शन करते हैं।

दक्षिण अफ्रीका की ए टीम की कप्तानी बल्लेबाज मार्केस एकरमैन करेंगे, जबकि सीनियर टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा भी इसमें शामिल होंगे, जो पिंडली की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। द. अफ्रीका ए टीम 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में भारत ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी।

पहले चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर

दुबई, एजेंसी

भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी। स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं।

कोहली की वापसी को पटरी से उतारने की ऑस्ट्रेलियाई योजना

शॉर्ट ने कहा-ऑफ स्टंप के बाहर विराट की कमजोरी का फायदा उठाएंगे तेज गेंदबाज

एडीलेड, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हाल ही में मिली सफलता की लय को बरकरार रखते हुए भारतीय दिग्गज विराट कोहली की वापसी को उनके सबसे शानदार मैदान पर बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में एडिलेड ओवल में आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे। इस महान भारतीय खिलाड़ी ने एडिलेड ओवल में सभी प्रारूपों में पाँच शतक लगाए हैं - जो उनके करियर में दुनिया के किसी भी मैदान से ज़्यादा है। कोहली ने एडिलेड में चार अर्धशतक भी लगाए हैं, जहां उनका औसत 65 का है। पर यह भारतीय धुरंधर यह जानते हुए एडिलेड लौट रहा है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले रविवार को पर्थ में हुए सीरीज के पहले मैच की तरह ही उन पर दबाव बनाए रखेगा, जहां वह शून्य पर गली में कैच आउट हो गए थे। इस आउट ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों द्वारा ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति को जारी रखा।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का मानना है कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफ हाल की कमजोरी का फायदा उठाना जारी रखेंगे। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में शून्य पर आउट हुए कोहली एडीलेड ओवल में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जो विदेशी सरजमीं पर उनका सबसे सफल मैदान हैं। इस मैदान पर उन्होंने पांच अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और सभी प्रारूपों में 65 की औसत से रन बनाए हैं।

शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा मैं तेज गेंदबाजों की बैठक में नहीं था लेकिन ऐसा लगता है कि वह (कोहली) हाल ही में इसी तरह आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा हॉफ (जोश हेजलवुड) और स्टार्सी (मिचेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ियों ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। शॉर्ट ने कहा, पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया। विकेट पर थोड़ी स्विंग और थोड़ी सी उछाल थी इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे। भारत को पहले एकदिवसीय में ऑप्टस स्टेडियम में 42,423 दर्शकों की मौजूदगी में भारी समर्थन मिला था जिनमें से अधिकांश सात महीने से अधिक समय के बाद रोहित शर्मा और कोहली की टीम में वापसी देखने आए थे। खेल के अन्य प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद ये दोनों पूर्व कप्तान नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। दोनों ने सिर्फ एकदिवसीय मुकाबले खेलने का फैसला किया है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पता चलेगा कि रोहित व कोहली विश्व कप तक खेल सकते हैं या नहीं: पोंटिंग

दुबई : आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि विराट कोहली व रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे श्रृंखला में प्रदर्शन यह निर्धारित करेगा कि यह स्टार भारतीय जोड़ी 2027 विश्व कप तक खेल सकती है या नहीं। अब केवल वनडे प्रारूप में खेलने वाले कोहली और रोहित मार्च के बाद जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने ज़्यादा देर तक नहीं टिक पाए। भारत यह मैच सात विकेट से हार गया था। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा एकदिवसीय मैच गुरुवार को एडिलेड में होगा, जहां की परिस्थितियां पर्थ की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल होंगी। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ आईसीसी रिव्यू पर बात करते हुए कहा कि इस दिग्गज जोड़ी को केवल 2027 वनडे विश्व कप के बारे में सोचने के बजाय अपने लिए अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए।

- बृहस्पतिवार को होगा दूसरा एकदिवसीय मैच

मैं मानसिक रूप से अब जल्दी थक जाता हूं : स्मिथ

सिडनी : टेस्ट क्रिकेट पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने से स्टीव स्मिथ पूरे सत्र में तरोताजा बने रहे हैं जबकि कुछ वर्ष पहले वह तीनों प्रारूपों में समान जुनून से खेलने के बाद पूरी तरह से थक जाते थे।

एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास ले चुके स्मिथ ने तरोताजा होने के लिए ब्रेक लिया था और अब वह 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान पैट कमिंस अब भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे हैं। यह 36 वर्षीय बल्लेबाज अब ऑस्ट्रेलियाई सर्दियों के दौरान न्यूयॉर्क में रहता है और अगस्त के बाद से उन्होंने बल्ला नहीं उठाया है।

स्मिथ ने अपने पहले ट्रेनिंग सत्र के बाद यहां संवाददाताओं से कहा मैं मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक जल्दी थक जाता हूं। उन्होंने कहा दस साल पहले मुझे वापसी करके हर संभव मैच खेलना बहुत पसंद था। अब जसहिर है कि टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए बड़ी प्राथमिकता बन गया है। स्मिथ ने कहा मुझे पता है कि जब मैं शुरुआत में बहुत अधिक खेलता हूं तो तो गर्मियों के अंत तक मैं मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। अपनी ऊर्जा बचाने और प्रारूपों को प्राथमिकता देने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को रौंदा

कोलंबो, एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
द.अफ्रीका	6	5	1	0	10	0.276
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड	5	4	0	1	9	1.490
भारत	5	2	3	0	4	0.526
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
श्रीलंका	5	0	3	2	2	-1.564
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
पाकिस्तान	6	0	4	2	2	-2.651

कप्तान लॉरा वोलवार्ट की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका वर्षा से प्रभावित महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान को मंगलवार को यहां डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 150 रन से रौंदकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके साथ ही विश्व कप में पहली बार लगातार पांच जीत दर्ज की।

इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका के शीर्ष पर है। टूर्नामेंट में पहली जीत का इंतजार कर रहा पाकिस्तान दो अंक के साथ अंतिम स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है जबकि पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है।

सलामी बल्लेबाज लॉरा ने 82 गेंद में 10 चौकों और दो छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा सुने लूस (61 रन, 59 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी करके टीम के 40 ओवर में नौ विकेट पर 312 रन रन के मजबूत स्कोर की नींव रखी। अनुभवी मारिजेन कैप (नाबाद 68, 43 गेंद, छह चौके, तीन छक्के) और नेदिन डि क्लर्क (41 रन, 16 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से नाशरा संधू ने 45 जबकि सादिया इकबाल ने 63 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पाकिस्तान को मैच में बारिश के कई बार खलल डालने के बाद अंततः 20 ओवर 234 रन का लक्ष्य मिला लेकिन टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और अंततः सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कैप ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। कैप ने सलामी बल्लेबाज ओमैमा सोहेल (06), सिदरा अमीन (13) और आलिया रियाज (03) को पवेलियन भेजा।

- डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 150 रनों से हराया

दक्षिण अफ्रीका की मरीजान काप ने शुरुआत में तीन विकेट लेकर पाकिस्तान लय बिगाड़ दी। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी प्रकरण | एशियाई क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं

बीसीसीआई को श्रीलंका और अफगानिस्तान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध बना हुआ है और बीसीसीआई को श्रीलंका तथा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन मिलने के बावजूद एशिया क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी मानने को तैयार नहीं हैं।

ट्रॉफी अभी तक चैंपियन भारतीय टीम को मिली नहीं है। एसीसी के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को बताया कि नकवी ने कहा है कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय से ट्रॉफी उनसे ले सकता है लेकिन भारतीय बोर्ड ने इससे इनकार किया। बीसीसीआई अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मसला उठायेगा।

एसीसी सूत्र ने कहा बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया, एसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका तथा अफगानिस्तान समेत अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिये कहा। उन्होंने कहा लेकिन उनका जवाब था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिये मामले में गतिरोध बना हुआ है बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में होगा। आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय पर है चूंकि भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल के बाद इसे नकवी से लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद वह ट्रॉफी लेकर चले गए। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं और भारत विरोधी रवैये के लिये जाने जाते हैं।

नकवी ने बीसीसीआई के पत्र का दिया जवाब

नकवी ने कहा-उन्हें पहले बताया नहीं गया था कि भारतीय खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी लेने का बहिष्कार करने वाले हैं। पत्र में कहा गया जब समारोह होने वाला था और मंच पर सभी अतिथि पहुंच गए थे, तब बीसीसीआई के प्रतिनिधि ने बताया कि भारतीय टीम एशिया कप ट्रॉफी और पुरस्कार नहीं लेगी। इसमें कहा गया एसीसी अध्यक्ष ने तमाम अतिथियों के साथ करीब 40 मिनट तक इंतजार किया ताकि पुरस्कार वितरण समारोह की गरिमा बनी रहे और इस पर राजनीति का प्रभाव नहीं पड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पत्र में कहा गया एसीसी ट्रॉफी भारतीय क्रिकेट टीम की है और इसे तब तक यहां रखा जाएगा जब तक कि बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। इसमे आगे कहा गयाइस तरह से ट्रॉफी लेने को निश्चित रूप से बहुत धूमधाम और कवरेज के साथ किया जाएगा क्योंकि स्थापित प्रथाओं से अलग कुछ नहीं होना चाहिए और कोई मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था।

बादशाहत के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

इंदौर : गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा।

दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, पर ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है।

भारत और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के लिए अंतिम स्थान की दौड़ में

बेंगलुरु, एजेंसी :

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, और चौथे और अंतिम स्थान के लिए दौड़ अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच सिमट गई है, क्योंकि दोनों टीमों के दो-दो लीग मैच बाकी हैं। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम (9 अंक, नेट रन रेट 1.818), इंग्लैंड महिला टीम (9 अंक, नेट रन रेट 1.490) और दक्षिण अफ्रीका महिला टीम (8 अंक, नेट रन रेट -0.440) पहले ही नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत, जो 4 अंकों और 0.526 के अच्छे नेट रन रेट के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और 26 अक्टूबर को बंगलादेश के खिलाफ अपने बाकी बचे मैच जीतने पर ही सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना रहेगा। दो जीत से भारत के 8 अंक हो जायेंगे, जिससे सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो जाएगी। न्यूज़ीलैंड, जिसके भी 4 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट (-0.245) कम है, के लिए राह और भी कठिन है। उसे टूर्नामेंट में बने रहने के लिए भारत और इंग्लैंड दोनों को हराना होगा, और उसका क्वालीफिकेशन नेट रन रेट पर भी निर्भर हो सकता है। श्रीलंका कम नेट रन रेट के कारण लगभग बाहर हो चुकी है।